You Tube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

# कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❒ वर्ष-15 ❒ अंक-126 ❒ शनिवार, 06 जून 2026 ❒ नगर संस्करण ❒ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❒ मूल्य- ₹ 3.00 ❒ पृष्ठ-12



'उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। राज्य की प्रगति के लिए उनका योगदान सराहनीय है। उन्होंने हमेशा लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया है। उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। नरेंद्र मोदी

अन्नामलाई ने दिया इस्तीफा, भाजपा आलाकमान ने किया स्वीकार 11

पतंजलि अनुसंधान संस्थान व गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के बीच अनुबंध 12

# प्रकृति को नुकसान पहुंचाने वाले माफिया से सजग रहें : योगी

## योगी ने कहा- कोई टोटी चोरी कर रहा, कोई पानी बहा रहा, ऐसे लोगों को टोकें

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नागरिकों से प्रकृति व जलस्रोतों को नुकसान पहुंचाने वाले भूमाफिया, वन माफिया, खनन माफिया व स्मगलरों के प्रति सजग रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सजग नागरिकों का दायित्व है कि मातृभूमि के प्रति दायित्वों का निर्वहन करें। योगी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रदेशवासियों को पांच संकल्प भी दिलाए। इसमें एक पेड़ मां के नाम लगाना, शरारती तत्वों व जीव-जंतुओं से पेड़ों की सुरक्षा, जल संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करना और प्रकृति के अनुरूप जीवन शैली अपनाना शामिल है। योगी ने कटाक्ष किया कोई टोंटी चोरी कर रहा है, कोई पानी बर्बाद कर रहा है, ऐसे लोगों को टोकें। जल संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाएं, कोशिश हो कि पानी व्यर्थ न हो।

मुख्यमंत्री योगी ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'उत्तर प्रदेश में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान' संगोष्ठी का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने यहां प्रदर्शनी का अवलोकन किया, बच्चों को चॉकलेट दीं और आमजन को कपड़े के झोले देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। बच्चों के साथ सेल्फी ली और वृक्ष कलश में जल भी अर्पित किया।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि जल है तो कल है, वन है तो जीवन है यानी



❒ मुख्यमंत्री ने किया जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों पर संगोष्ठी का शुभारंभ

जीवन चक्र एक-दूसरे के साथ जुड़ा है। फिर भी हमने इसकी सर्वाधिक उपेक्षा की। 40 से ऊपर हर व्यक्ति महसूस करता है कि पर्यावरण के साथ हुए खिलवाड़ की कीमत को दुनिया किस रूप में चुका रही है। 25 वर्ष पहले और वर्तमान मौसम चक्र में एक से डेढ़ महीने का अंतर आ गया। भारत व उत्तर प्रदेश में कृषि आधारित अर्थव्यवस्था है। मौसम चक्र में अंतर से सर्वाधिक प्रभावित किसान होगा। उसकी आमदनी प्रभावित होगी, अतिवृष्टि-अनावृष्टि का सामना करना पड़ेगा। खाद्यान्न संकट खड़ा हो सकता है। असमय घटित होने वाली आपदाएं चेतावनी भी हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भौतिक उपलब्धियां क्षणिक हैं। इनकी उपलब्धि तभी तक है, जब तक आप निरोग होकर आरोग्यता के लक्ष्य को प्राप्त कर रहे हैं। पर्यावरण के समक्ष चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत के ग्रंथों का अवलोकन करें। भारत की परंपरा में हर जीव-जंतु के प्रति हमारे संबंध जोड़े गए हैं। भगवान शंकर के गले में सर्प और सवारी नंदी है। कार्तिकेय की सवारी मोर, गणपति की मूषक और मां भगवती की सवारी शेर है। हर कालखंड में बैल की पूजा और गोमाता को मान्यता दी गई है। वे कृषि प्रधान व्यवस्था का आधार हैं। सर्प को किसान मित्र के रूप में मान्यता दी गई है। यह जीवन चक्र आपस में जुड़ा है। उन्होंने कुकरैल वन क्षेत्र के शानदार प्राकृतिक वातावरण का जिक्र करते हुए कहा कि वहां और लखनऊ के तापमान में अंतर होता है। लखनऊ में 45 तो कुकरैल में तापमान 40 या उससे कम होगा। प्रकृति की गोद में जो भी आगे बढ़ेगा, वह आरोग्यता के लिए महत्वपूर्ण होगा। हमने कुकरैल से अवैध कब्जे हटाए। आज कुकरैल के किनारे लखनऊ का सबसे शानदार प्राकृतिक दृश्य 'सौमित्र वन' भी दिख रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की थीम 'इंस्पायर्ड बाई नेचर फॉर क्लाईमेट फॉर अवर फ्यूचर' का जिक्र किया और कहा कि स्वच्छ वायु, निर्मल जल, उपजाऊ भूमि व हरित वन मानव सभ्यता की जीवन रेखा हैं। जब प्रकृति सुरक्षित रहेगी, तभी मानवता सुरक्षित रहे ● शेष पेज 11 पर

### मां व मातृभूमि के प्रति कर्तव्यों का निर्वहन करें

योगी ने कहा कि हमारे पूर्वजों व ऋषि परंपरा ने पर्यावरण के प्रति आगाह किया था। हम खुद को धरती मां का पुत्र कहते हैं। लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद भगवान राम ने लक्ष्मण जी से कहा ल्लअपि स्वर्णमयी लंका न मे लक्ष्मण रोचते, जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसीङ्क। अर्थात लंका भले ही सोने की क्यों न हो, लेकिन मुझे यह अच्छी नहीं लगती। जिस मां ने जन्म दिया है, जहां हमने जन्म लिया है, उसके प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन और कृतज्ञता ज्ञापित करना हमारा दायित्व होना चाहिए। मां व मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है। भगवान राम की कही गई बातें आज भी हर भारतीय के लिए प्रासंगिक हैं।

# आरबीआई ने रेपो दर स्थिर रखी जीडीपी वृद्धि का अनुमान घटाया

एजेंसी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच शुक्रवार को रेपो रेट तथा अन्य नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं किया है।

केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति की शुक्रवार को समाप्त तीन दिवसीय बैठक में पश्चिम एशिया संकट जारी रहने, मुद्रास्फीति में वृद्धि - विशेषकर ईंधन की कीमतों में, और कमजोर मानसून की भविष्यवाणी के मद्देनजर चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी विकास के अनुमान में कमी की गयी है जबकि महंगाई का अनुमान बढ़ा दिया गया है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एमपीसी के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का फैसला सर्वसम्मति से लिया गया है। समिति के सभी छह सदस्यों ने इसके पक्ष में राय रखी। समिति ने स्टैंडिंग डिपॉजिट फ़ेसिलिटी रेट को भी पांच प्रतिशत पर बनाये रखने का निर्णय लिया। अन्य दरें भी अपरिवर्तित रखी गयी हैं। समिति ने अपना रुख तटस्थ बनाये रखा है यानी भविष्य में दरें बढ़ाने और घटाने दोनों के विकल्प खुले रखे गये हैं।

एमपीसी ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि का अनुमान घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। अप्रैल के बयान में इसके 6.9 प्रतिशत रहने की बात कही गयी थी। श्री मल्होत्रा ने कहा कि पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 6.3 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 6.5 प्रतिशत



❒ आरबीआई ने विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए की पांच उपायों की घोषणा

और चौथी तिमाही में 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि कुछ सेक्टरों में सुस्ती के संकेत दिखने लगे हैं और खाद्य उत्पादन को लेकर परिदृश्य अनिश्चित बना हुआ है। दरों पर कोई निर्णय लेने से पहले अभी और आंकड़ों का इंतजार करना होगा। महंगाई के मोर्चे पर उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण इसमें तेजी से वृद्धि हुई है, खास करके ईंधन की कीमतों में। मौजूदा वित्त वर्ष के खुदरा मुद्रास्फीति 5.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है जो अप्रैल के 4.6 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। पहली तिमाही में महंगाई दर 4.2 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 5.1 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 5.9 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 5.4 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है। श्री मल्होत्रा ने कहा कि महंगाई बढ़ने से लोगों की क्रय शक्ति कम हो सकती है जिसका असर अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। हालांकि अभी घरेलू मांग मजबूत बनी हुई है और अर्थव्यवस्था को गति दे रही है। ● शेष पेज 11 पर

### वित्त वर्ष 2025-26 में 7.7 प्रतिशत रही जीडीपी वृद्धि दर

नयी दिल्ली। व्यापार, आतिथ्य, परिवहन और रक्षा क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन के दम पर वित्त वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत पर रही। यह 2022-23 आधार वर्ष पर शुरू नयी सीरीज में सबसे तेजी वृद्धि है। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में जीडीपी वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत और 2024-25 में (पहला संशोधित अनुमान) 7.1 प्रतिशत रही थी। आधिकारिक अनुमान में कहा गया है कि गत 31 मार्च को समाप्त पिछले वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी 323.12 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह एक साल पहले 299.89 लाख करोड़ था। वर्तमान मूल्यों पर आधारित नॉमिनल जीडीपी या सांकेतिक जीडीपी 346.36 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सालाना 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है। वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में स्थिर मूल्य पर आधारित वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही और यह 87.77 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गयी। तीसरी तिमाही में वृद्धि दर आठ प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 8.3 प्रतिशत और पहली तिमाही में 6.8 प्रतिशत रही थी। चौथी तिमाही में नॉमिनल जीडीपी 9.1 प्रतिशत बढ़कर 94.65 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गयी।

## संक्षेप

### टीएमसी नेता फिरहाद हकीम ने कोलकाता के मेयर पद से इस्तीफा दिया

**कोलकाता।** तृणमूल कांग्रेस में जारी उथल-पुथल के बीच पार्टी के वरिष्ठ नेता फिरहाद हकीम ने शुक्रवार को कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के मेयर पद से इस्तीफा दे दिया। हकीम ने कहा कि वह सही तरीके से काम नहीं कर पा रहे थे, इसलिए उन्होंने यह निर्णय लिया है। सूत्रों के अनुसार, इस्तीफा संबंधित अधिकारियों को भेज दिया गया है। राज्य सरकार में मंत्री रह चुके हकीम की गिनती पार्टी के प्रमुख चेहरों में होती है। वह नवंबर 2018 से कोलकाता के मेयर के रूप में कार्यरत थे और स्वतंत्रता के बाद केएमसी के पहले मुस्लिम मेयर थे।

### बंगाल, त्रिपुरा, बिहार में जनसांख्यिकीय बदलाव बर्दाश्त नहीं करेंगे : शाह

**अगरतला।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और बिहार में जनसांख्यिकीय बदलाव को बर्दाश्त नहीं करेगी। देश की सीमाओं की सुरक्षा में मौजूद खामियों को दूर करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। शाह ने त्रिपुरा में लंकामुरा सीमा चौकी पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की 'स्मार्ट बॉर्डर' परियोजना अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि इसे प्रायोगिक परियोजना के रूप में देश के सात से आठ स्थानों पर लागू किया जाएगा। गृह मंत्री ने बताया कि नई सीमा सुरक्षा व्यवस्था में अत्याधुनिक तकनीक, स्थानीय प्रशासन और सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों की संयुक्त भागीदारी शामिल होगी। उन्होंने कहा कि हर सीमा की अपनी चुनौतियां होती हैं, चाहे वह मानव तस्करी हो, हथियारों की तस्करी हो या मादक पदार्थों की तस्करी। लेकिन बीएसएफ के जवान इन चुनौतियों का सामना करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं। शाह ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हमें सीमा पार से आने वाले नकली नोटों, मानव तस्करी और मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगानी होगी। गृह मंत्री ने वृक्षारोपण सहित पर्यावरण संरक्षण संबंधी गतिविधियों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और बीएसएफ के जवानों की भागीदारी की सराहना की।

# स्वदेशी ताकत से सफल हुआ आपरेशन सिंदूर : राजनाथ

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का सबसे बड़ा कारण स्वदेशी हथियार रहे। सैनिकों का आत्मबल इतना अधिक था कि दुश्मन के घर में घुसकर न सिर्फ ठिकानों को तबाह किया बल्कि आतंकियों और उनके आकाओं को नेस्तानबूत कर दिया। वह शुक्रवार को लखनऊ छावनी परिषद स्थित दिलकुश लॉन में बलरामपुर सुगर मिल और छावनी परिषद की ओर से आयोजित कार्यक्रम 'बियांग ग्रीन कमांड' में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

राजनाथ सिंह ने कहा कि देश में उच्च तकनीकी से हथियार बन रहे हैं। इंजीनियर और वैज्ञानिक लगातार शोध कर रहे हैं। विदेशी हथियारों से ज्यादा स्वदेशी हथियारों पर सैनिकों का भरोसा है। उन्हीं के दम पर पाकिस्तान में मौजूद आतंकियों के ठिकानों पर सटीक प्रहार किया। इसी तरह यदि खेतों में ऊर्जा की पैदावार होने लगी तो दुनिया का कोई भी देश हमें आंख नहीं दिखा पाएगा। हमारे खेतों की उपज से एथेनाल तैयार करने की तकनीकी पहले ही खोज ली थी। दक्षिण एशिया में चल रहे युद्ध के कारण ईंधन की सप्लाई चेन बाधित होने पर एथेनाल को 20 प्रतिशत की मात्रा में मिलाकर लोगों को ईंधन उपलब्ध कराया गया। इससे न सिर्फ ईंधन की किल्लत से बच पाए बल्कि महंगाई को नियंत्रित करने में कामयाब रहे। अन्य देशों में ईंधन की भयंकर किल्लत है।

❒ स्वदेशी हथियारों ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में योगदान दिया



# एआई क्रांति के दौर में कानून की भूमिका और बढ़ी: सीजेआई

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब कोई काल्पनिक तकनीक नहीं बल्कि एक क्रियाशील वास्तविकता है और यह अंतरराष्ट्रीय कानून के लिए सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस बात पर जोर दिया कि इस दशक में लिए गए विकल्प प्रौद्योगिकी, शक्ति, स्वतंत्रता और न्याय के बीच भविष्य के संबंधों को आकार देंगे। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रौद्योगिकी अपने आप में न तो स्वाभाविक रूप से लाभकारी है और न ही स्वाभाविक रूप से हानिकारक। लंदन विश्वविद्यालय के बर्कबेक कॉलेज में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अंतरराष्ट्रीय कानून विषय पर एक सार्वजनिक व्याख्यान में उन्होंने कहा कि पिछली तकनीकी क्रांतियों के विपरीत, एआई केवल मानवीय क्षमता को नहीं बढ़ाती है; यह तेजी से उन निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भाग लेती है जिन्हें ऐतिहासिक रूप से विशिष्ट रूप से मानवीय माना जाता था। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी अपने आप में न तो स्वाभाविक रूप से लाभकारी है और न ही स्वाभाविक रूप से हानिकारक। इसका प्रभाव उन कानूनी, राजनीतिक और नैतिक ढांचों पर निर्भर करता है जिनके अंतर्गत समाज इसका उपयोग करना चुनते हैं। इसलिये कानून का दायित्व न तो तकनीकी प्रगति का विरोध करना है और न ही उसके समक्ष बिना किसी प्रश्न के आत्मसमर्पण करना। उसका दायित्व यह सुनिश्चित करना है कि तकनीकी शक्ति संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक वैधता और मानवीय गरिमा के प्रति जवाबदेह बनी रहे। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब एक क्रियात्मक वास्तविकता है जो शासन, वाणिज्य, युद्ध, संचार, सार्वजनिक प्रशासन और तेजी से न्यायिक और संप्रभु शक्ति के प्रयोग को ही नया आकार दे रही है। उन्होंने कहा, सरकारें अब कल्याणकारी लाभों के आवंटन, आव्रजन आवेदनों के मूल्यांकन, सीमाओं की निगरानी, वित्तीय प्रणालियों के विनियमन और पुलिसिंग कार्यों में सहायता के लिए एल्गोरिदम प्रणालियों का उपयोग करती हैं। सेनाएं तेजी से स्वायत्त क्षमताओं का विकास कर रही हैं। विभिन्न न्याय क्षेत्रों की अदालतें कृत्रिम बुद्धिमत्ता से उत्पन्न साक्ष्य, स्वचालित ● शेष पेज 11 पर



❒ कहा, तकनीकी शक्ति को लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवीय गरिमा के प्रति जवाबदेह बनाए रखना होगा

# जेईई एडवांस्ड का कोई डाटा लीक नहीं हुआ : आईआईटी रुड़की

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की ने जेईई (एडवांस) का डाटा लीक होने के दावों को गुमराह करने वाला और पूरी तरह गलत करार दिया है। संस्थान का दावा है कि 'क्लाउड स्टोरेज' में कुछ समय के लिए तकनीकी गड़बड़ी के बावजूद न तो कोई संवेदनशील जानकारी लीक हुई है, न ही बड़े पैमाने पर डाटा निकाला गया है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक के बाद एक कई पोस्ट में आईआईटी ने इस मामले पर अपना पक्ष रखा है। आईआईटी रुड़की ने इस साल जेईई परीक्षा आयोजित की थी। संस्थान ने पोस्ट में लिखा, 'सोशल मीडिया पर गलत जानकारी फैलाने की कोशिश की जा रही है। सोशल मीडिया पर आने वाली जानकारी यह नहीं बताती है कि असल में हुआ क्या है।' संस्थान ने दावा किया कि प्रभावित स्टोरेज 'रीड ओनली' था, यानी उसमें किसी भी डाटा को संपादित या मिटाया नहीं जा सकता था। इसके अलावा क्लाउड एक्सेस लॉग के विश्लेषण से यह भी पुष्टि हुई कि डाटा का कोई 'बल्क डाउनलोड' नहीं ● शेष पेज 11 पर

# पश्चिमी दबाव से नहीं बदलेंगे भारत-रूस संबंध: पुतिन

## भारत-रूस रिश्तों में दखल वैश्विक स्थिरता के लिए नुकसानदायक, मोदी दबाव के आगे नहीं झुकते

एजेंसी

सेंट पीटर्सबर्ग (रूस)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत के साथ मॉस्को के समय की कसौटी पर खरे उतरे संबंधों की सराहना करते हुए आगाह किया कि भारत-रूस संबंधों को कमजोर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पश्चिमी देशों का दबाव वैश्विक स्थिरता के लिए नुकसानदायक होगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति ''अचानक नहीं हुई है'', बल्कि यह मोदी के नेतृत्व में किए गए कठिन परिश्रम का परिणाम है।

दुनिया की प्रमुख समाचार एजेंसियों के प्रमुखों के साथ बृहस्पतिवार रात को हुई बातचीत में पुतिन ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि रूस भारत के साथ अपने समग्र सहयोग को और विस्तार देने के लिए प्रतिबद्ध है और दोनों देशों के बीच वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 60 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने की परिकल्पना कर रहा है। पुतिन ने स्वच्छ ऊर्जा, औषधि और हाइड्रोकार्बन क्षेत्र को व्यापार व निवेश संबंधों की निरंतर प्रगति को आगे बढ़ाने वाले प्रमुख क्षेत्रों के रूप में चिह्नित किया। पुतिन ने एक सवाल पर कहा, ''भारत दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, जिसने सबसे अधिक आर्थिक वृद्धि दर दिखाई है। यह अचानक नहीं हुआ है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार की कड़ी मेहनत का परिणाम है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में हमारा द्विपक्षीय व्यापार 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा। हमारे पास अधिक सक्रिय रूप से काम करने और इससे भी अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सभी आवश्यक आधार मौजूद हैं। हम केवल ऊर्जा क्षेत्र की योजनाओं की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि हाइड्रोकार्बन के क्षेत्र में भी नए अवसर और मंच विकसित ● शेष पेज 11 पर



### भारत और चीन के 'नाजुक' संबंधों में हस्तक्षेप नहीं करेगा रूस

**सेंट पीटर्सबर्ग।** रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि भारत और चीन के ''नाजुक'' द्विपक्षीय संबंधों में रूस हस्तक्षेप नहीं करेगा। पुतिन ने साथ ही विश्वास जताया कि भारत और चीन काफी समय से लंबित अपने सीमा विवादों को सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। व्यापक बातचीत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की सराहना करते हुए कहा कि दोनों नेता सीमा संबंधी मामलों को शांतिपूर्ण तरीके से हल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रूस के राष्ट्रपति ने एक सवाल के जवाब में कहा, भारत और चीन के बीच नाजुक एवं बहुआयामी संबंध है और इसमें हस्तक्षेप करना अच्छा विचार नहीं है। बेशक, हमारा अपने दोनों मित्रों-भारत और चीन-के साथ संवाद होता है। राष्ट्रपति शी और प्रधानमंत्री मोदी, दोनों सीमा मुद्दे समेत आपसी हितों से जुड़े सभी मुद्दों को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत और चीन ने 2020 में गलवान घाटी में हुई घातक झड़पों और उसके बाद चार वर्ष से अधिक समय तक बने रहे सैन्य गतिरोध के कारण अपने संबंधों में आए गंभीर तनाव के बाद, पिछले एक वर्ष से अधिक समय में संबंधों को फिर से सामान्य बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने एशिया में रूस के रणनीतिक संतुलन को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत एवं चीन के साथ रूस की दशकों पुरानी ● शेष पेज 11 पर

# भारत के साथ जल्द होगा व्यापार समझौता : ट्रंप

एजेंसी

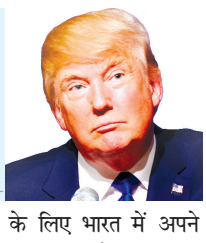

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उम्मीद जताई है कि भारत और अमेरिका जल्द ही एक व्यापार समझौते पर पहुंच जायेंगे।

श्री ट्रंप ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दोनों देश ही एक व्यापार समझौते पर पहुंच जायेंगे। उन्होंने कहा ''हम एक समझौते तक जरूर पहुंचेंगे, क्योंकि मैं भारतीय प्रधानमंत्री को बहुत पसंद करता हूं। वे मेरे अच्छे दोस्त हैं। हमारे बीच बेहतरीन तालमेल है और हम मिलकर यह डील करने जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अब 'भारत के साथ काफी मुनाफा कमा रहा है।'' पहले स्थिति अलग थी और भारत भारी टैरिफ लगाकर अमेरिका से पैसे कमाता था। अपनी बात को समझाने के लिए श्री ट्रंप ने अमेरिकी मोटरसाइकिल ब्रांड 'हार्ले-डेविडसन' का उदाहरण दिया। उन्होंने तर्क दिया कि अतीत में भारत के लगाये गये ऊंचे टैरिफ के कारण इस प्रतिष्ठित निर्माता के लिए भारत में अपने वाहन बेचना बेहद मुश्किल हो गया था।श्री ट्रंप ने कहा, ''अतीत में, वे हार्ले-डेविडसन को अपनी मोटरसाइकिलें नहीं बेचने देते थे। उन्होंने 200 प्रतिशत का टैरिफ लगा रखा था, जिससे हार्ले-डेविडसन के लिए रास्ते बंद हो गये थे। आखिरकार कंपनी को भारत जाकर अपने खुद के प्लांट लगाने पड़े। जो हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण था, लेकिन ऐसा हुआ। यह सब मेरे कार्यकाल से पहले की बात है। उन्होंने कहा, ''वे भी यहां मोटरसाइकिलें बेचते थे। क्या आप जानते हैं कि हम उनसे कितना शुल्क लेते थे? कुछ भी नहीं। और अब स्थिति इसके बिल्कुल उलट है। हम भारत के साथ काफी ● शेष पेज 11 पर

❒ अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, पीएम मोदी मेरे अच्छे मित्र

# प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी से मिले 'दयालु'

## संगठन एवं जनकल्याणकारी योजनाओं पर हुई विस्तृत चर्चा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष एवं खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा जनपद प्रभारी मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने महाराजगंज प्रवास के दौरान भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

जनसंपर्क अधिकारी गौरव राठी द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच संगठनात्मक गतिविधियों, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जनसेवा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने प्रदेश अध्यक्ष का कुशलक्षेम जाना तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने एवं जनता के हितों के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने के संबंध में उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। डॉ. मिश्र ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी निरंतर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष द्वारा दिए गए सुझावों को संगठन और जनसेवा के कार्यों में आत्मसात करने का संकल्प व्यक्त किया। भेंटवार्ता के दौरान प्रदेश एवं क्षेत्र के विकास, संगठन विस्तार तथा आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए समन्वित प्रयासों पर भी विचार-विमर्श किया गया। सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई यह मुलाकात संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी रही।

# भारत को प्लास्टिक पर निर्भरता कम करने की जरुरत: राजनाथ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत को पारंपरिक प्लास्टिक पर निर्भरता कम कर टिकाऊ एवं पर्यावरण हितैषी विकल्पों की ओर तेजी से बढ़ना होगा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड (बीसीएमएल) और लखनऊ छावनी बोर्ड ने शुक्रवार को ''बायोयुग ग्रीन कमांड-2026'' पहल की शुरुआत की। देश में अपनी तरह के इस पहले मंच का उद्देश्य बायोप्लास्टिक के उपयोग को बढ़ावा देना तथा पर्यावरण अनुकूल विकल्पों के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण को कम करना है। कार्यक्रम का उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सामाजिक दायित्व नहीं बल्कि देश के भविष्य और राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा विषय है। रक्षा मंत्री ने कहा कि वैज्ञानिक शोधों में माइक्रोप्लास्टिक के दुष्प्रभाव लगातार सामने आ रहे हैं। माइक्रोप्लास्टिक के कण मानव रक्त, नवजात शिशुओं और समुद्री जीवों तक में पाए जा रहे हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी बड़ा खतरा बन चुका है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कृषि एवं बायो-इकोनॉमी को नई दिशा मिली है। प्रदेश अब पारंपरिक विकास मॉडल से आगे बढ़कर बायो आधारित अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि ''बाहुबली युग'' से आगे बढ़कर उत्तर प्रदेश ''बायोयुग'' की ओर कदम बढ़ा रहा है।

इस अवसर पर बलरामपुर बायोयुग और लखनऊ छावनी बोर्ड के बीच औपचारिक साझेदारी की भी शुरुआत की गई। दोनों संस्थाओं के बीच इससे पूर्व एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं, जिसके तहत कम्पोस्टेबल पीएलए (पॉली लैक्टिक एसिड) आधारित उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। पहल का उद्देश्य प्लास्टिक कचरे में कमी लाना, जिम्मेदार उपभोग को प्रोत्साहित करना तथा भारत के पर्यावरणीय लक्ष्यों को समर्थन देना है।

कार्यक्रम के दौरान भारत की उभरती बायोप्लास्टिक वैल्यू चेन को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। साथ ही ''बिल्डिंग स्किल्स-ट्रांसफॉर्मिंग फ्यूचर्स : बलरामपुर बायोयुग बायोप्लास्टिक 3डी प्रिंटिंग प्रोजेक्ट'' के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली आईटीआई छात्राओं को सम्मानित किया गया।

यह परियोजना बलरामपुर फाउंडेशन, बलरामपुर बायोयुग और आईटीआई मोहम्मदी, लखीमपुर खीरी के सहयोग से संचालित की जा रही है। इसका उद्देश्य युवतियों को बायोप्लास्टिक आधारित 3डी प्रिंटिंग तकनीक का प्रशिक्षण देकर रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर उपलब्ध कराना है।

बीसीएमएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक विवेक सराओगी ने कहा कि भारत की सस्टेनेबिलिटी यात्रा ऐसे दौर में है जहां आर्थिक विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को साथ लेकर चलना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बायोयुग ग्रीन कमांड-2026 सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थानों और समुदायों को एक मंच पर लाकर हरित भविष्य के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा।

बीसीएमएल की कार्यकारी निदेशक अवंतिका सराओगी ने कहा कि बायोमटीरियल आधारित अर्थव्यवस्था किसानों को सशक्त बनाने, नए उद्योगों को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि पिछली सदी पेट्रोकेमिकल आधारित अर्थव्यवस्था की थी, जबकि आने वाला समय कृषि आधारित जैविक अर्थव्यवस्था का हो सकता है।

कार्यक्रम में नीति निर्माताओं, रक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधियों, सरकारी अधिकारियों, उद्योग जगत के विशेषज्ञों, शोध संस्थानों तथा विभिन्न हितधारकों ने भाग लिया और भारत में सस्टेनेबल सामग्री तथा बायोप्लास्टिक के भविष्य पर विचार-विमर्श किया।

### तहसीलदार रोशनी सोलंकी ने लंबित मामलों की सुनवाई की

**(कोरांव), प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता।** कोरांव तहसील की तहसीलदार रोशनी सोलंकी ने शुक्रवार को अपने न्यायालय में लगभग 60 से 70 लंबित मामलों की सुनवाई की। चार्ज संभालने के बाद से, तहसीलदार सोलंकी नियमित रूप से दफ्तर में बैठकर सुनवाई कर रही हैं और निष्पक्ष कार्यवाही सुनिश्चित कर रही हैं। इन सामान्य मामलों के अतिरिक्त, उन्होंने उच्च न्यायालय के निर्देशों वाली लगभग आधा दर्जन पत्रावलियों पर भी सुनवाई की। इस दौरान, संबंधित अधिवक्ताओं ने अपने-अपने पक्ष में दलीलें पेश कीं। तहसीलदार सोलंकी लंबित वादों के निस्तारण में विशेष रुचि रखती हैं। उनका प्रयास रहता है कि सभी मामलों का समय पर निस्तारण हो सके। उन्होंने कहा कि जो भी मामला सही होगा, उसका बिना किसी देरी के निस्तारण किया जाएगा, भले ही कुछ लोग दबाव बनाने का प्रयास करें। उन्होंने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों पर भी अंकुश लगा रखा है ताकि मामलों का निस्तारण तेजी से हो सके। तहसीलदार सोलंकी ने बताया कि सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करना उनकी पहली प्राथमिकता है।

### योगी के जन्मदिवस पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन

**लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता।** माल क्षेत्र स्थित शीतला माता मंदिर परिसर में भाजपा नेता शंभू पाण्डेय के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय लोगों और भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर केक काटकर भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन मनाया गया। आयोजन स्थल पर आतिशबाजी की गई और मुख्यमंत्री के दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई। भाजपा नेता शंभू पाण्डेय ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्यों को गति मिली है और कानून-व्यवस्था में सुधार हुआ है। कार्यक्रम में माल क्षेत्र स्थित शीतला माता मंदिर परिसर में भाजपा नेता शंभू पाण्डेय के नेतृत्व में विशेष धार्मिक आयोजन किया गया। इस मौके पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह,व्यापार मंडल अध्यक्ष गोपाल गुप्ता, आशुतोष चौरसिया,शुभम गुप्ता, मुकेश गुप्ता, दुर्गेश त्रिपाठी, प्रवीण सिंह, विवेक रस्तोगी,धीरज यादव सहित स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।पूरा आयोजन धार्मिक आस्था और उत्साह के माहौल में संपन्न हुआ।

### बीमारी से दिवंगत पुलिसकर्मियों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये की बीमा सहायता

वाराणसी। पुलिस कार्यालय में गुरुवार को आयोजित एक कार्यक्रम में बैंक ऑफ बड़ौद के यू.पी. पुलिस सैलरी पैकेज के अंतर्गत बीमारी के कारण दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को बीमा धनराशि के चेक प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मोहित अग्रवाल, बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रमुख भारत भूषण तथा आरबीडीएम धर्मेन्द्र कुमार उपस्थित रहे। इस दौरान बीमारी से दिवंगत पुलिसकर्मी स्वर्गीय शमीमुद्दीन एवं स्वर्गीय दीनानाथ गिरी के आश्रित परिवारजनों को 20-20 लाख रुपये की बीमा धनराशि के चेक प्रदान किए गए। दोनों पुलिसकर्मियों का निधन बीमारी के कारण हुआ था। कार्यक्रम में शोक संवेदना व्यक्त करते हुए पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बैंक ऑफ बड़ौदा के नवीनतम पुलिस सैलरी पैकेज की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस पैकेज के अंतर्गत दुर्घटना बीमा की राशि बढ़ाकर 2.30 करोड़ रुपये तक कर दी गई है, जो किसी भी आपात या दुखद परिस्थिति में पुलिसकर्मियों के परिवारों के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक सहारा सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए इस प्रकार की योजनाएं सुरक्षा और विश्वास का मजबूत आधार प्रदान करती हैं। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने भी दिवंगत पुलिसकर्मियों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

# चला वृक्षारोपण अभियान, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को निराला नगर स्थित दिव्यांग बच्चों की संस्था परवरिश स्कूल परिसर में विशेष वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान दिव्यांग बच्चों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में विद्यालय की डायरेक्टर डॉ. कुसुम कमल ने बच्चों के साथ पौधे लगाकर अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का विषय नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली

का हिस्सा होना चाहिए। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच अधिक से अधिक वृक्ष लगाना और उनका संरक्षण करना समय की आवश्यकता है। डॉ. कुसुम कमल ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के आधार हैं। ये हमें शुद्ध वायु, स्वच्छ वातावरण और प्राकृतिक संतुलन प्रदान करते हैं। उन्होंने बच्चों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। वृक्षारोपण अभियान में दिव्यांग बच्चों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ सहभागिता करते हुए पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। सभी ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लिया और हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण का संदेश दिया।

# सुभासपा की बैठक सम्पन्न, संगठन विस्तार एवं जनहित मुद्दों पर हुई चर्चा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिला लखनऊ इकाई द्वारा आयोजित जिला स्तरीय संगठनात्मक मासिक समीक्षा बैठक शुक्रवार को मोहरीकला, मोहनलालगंज स्थित जनसंपर्क कार्यालय में संपन्न हुई।

बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए पार्टी को और अधिक मजबूत एवं जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने संगठन के विस्तार, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी तथा जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाने पर जोर दिया। साथ ही आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन के प्रति समर्पण और एकजुटता के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया।

# मायावती ने हिमाचल-जम्मू-कश्मीर यूनिट को दिए सख्त निर्देश, चुनावी सफलता और जमीनी मजबूती पर फोकस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शुक्रवार को पार्टी की हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर यूनिट की अहम समीक्षा बैठक की। बैठक में पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, सर्वसमाज में जनाधार बढ़ाने और आगामी चुनावों में सफलता हासिल करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई।

मायावती ने बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से पेश की गई प्रगति रिपोर्ट की गहन समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए अब केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि जमीनी काम और चुनावी नतीजों पर पूरा ध्यान देना होगा। उन्होने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि बहुजनों को अपने वोट की सुरक्षा को अपने आत्म-सम्मान, इज्जत, जान-माल और मजहब की तरह समझना होगा। तभी अंबेडकरवादी मिशन का कारवां अपनी मंजिल तक पहुंच पाएगा। उन्होंने कहा कि बसपा को आगे बढ़ाने के लिए तन, मन और धन से पूरी मुस्तैदी लानी होगी और चुनावी सफलताओं को भी उतना ही महत्व देना होगा जितना संगठनात्मक काम को। बैठक में हाल ही में हिमाचल प्रदेश में सम्पन्न हुए स्थानीय निकाय चुनावों के बाद की राजनीतिक स्थिति पर भी चर्चा हुई। मायावती ने कहा कि हिमाचल में जनता कांग्रेस और भाजपा दोनों से नाराज है। ऐसे में बसपा को जनता के सामने एक बेहतर और भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभरना होगा। उन्होंने पार्टी नेताओं से कहा कि वे लोगों की नाराजगी को समझें और जमीनी मुद्दों को उठाकर पार्टी की पकड़ मजबूत करें। जम्मू-कश्मीर यूनिट के कार्यकर्ताओं ने बताया कि प्रदेश के लोगों को लंबे समय से पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने का इंतजार है। इस वादे के लगातार लम्बित रहने से अब लोगों में निराशा और दुख बढ़ता जा रहा है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि पूर्ण राज्य का दर्जा न मिलने से न केवल सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि पूरे क्षेत्र में अपेक्षित मानव और क्षेत्रीय विकास भी सही तरीके से नहीं हो पा रहा है। इससे लोगों का जीवन लगातार आशंकित बना हुआ है। मायावती ने इस मुद्दे पर भी अपनी चिंता जताई और कहा कि केंद्र सरकार को जम्मू-कश्मीर के लोगों की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि वे लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनें और बीएसपी को उनके संघर्ष की आवाज बनाएं। उन्होंने कहा कि देश के अन्य राज्यों की तरह हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में भी सर्वसमाज, खासकर बहुजन समाज के लोग गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा और पिछड़ेपन की बड़ी चुनौती से जूझ रहे हैं। मायावती ने कहा कि इन समस्याओं से निपटने के लिए लोगों को यूपी की तरह अपने अंदर शोषित से शासक वर्ग बनने की ललक पैदा करनी होगी। अंबेडकरवादी आंदोलन का यही लक्ष्य है और जातिवादी-सांप्रदायिक ताकतों के साम, दाम, दंड, भेद जैसे सभी हथकंडों को पछाड़ते हुए आगे बढ़ना ही समय की सबसे बड़ी मांग है।

## पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

# मंडल महिला कल्याण संगठन ने किया वृक्षारोपण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर मंडल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती वाणी जैन की अध्यक्षता में बनारस रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित पार्क में छायादार पौधों का वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और लोगों को हरित वातावरण के प्रति जागरूक करना था।

इस अवसर पर संगठन की सचिव श्रीमती जागृति सिंह, कोषाध्यक्ष मधुलिका सिंह, सुनीता गौंड, मौसमी चौधुरी, संगीता कुमारी सहित अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में भारत स्काउट एवं गाइड के बच्चों ने भी सहभागिता की।

वृक्षारोपण के बाद उपस्थित रेल यात्रियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए वाणी जैन ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के इस दौर में पर्यावरण संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। बढ़ते प्रदूषण और बदलती जलवायु की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने स्वस्थ एवं टिकाऊ जीवनशैली अपनाने पर भी बल दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने अपने घरों, विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर पौधे लगाने तथा उन्हें संरक्षित रखने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि एक पेड़ केवल ऑक्सीजन ही नहीं देता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण भी सुनिश्चित करता है। संगठन की ओर से सभी नागरिकों से अपील की गई कि वे विश्व पर्यावरण दिवस को केवल एक दिन का आयोजन न मानें, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं।


**उत्तर रेलवे**

**ई-ऑक्शन सूचना**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/पी0एस0, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से संबंधित सूचना।

| | |
|---|---|
| एडमिन यूनिट/जोन | लखनऊ-उ0रे0-मण्डल-वाणिज्य/उ0रे0 |
| नीलामी सूची सं0/लॉट सं0 | Pnu-LKO-AYC-TOI-91-26-1 (Pay and Use-Toilets) |
| नीलामी सूची प्रकाशन तिथि | 23.05.2026 |
| नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट) | 08.06.2026 समय 11:00 बजे |
| नीलामी बन्द करने की तिथि व समय | 08.06.2026 समय 11:30 बजे |
| नीलामी सूची सं0/लॉट सं0 | Pnu-LKO-BSB-TOI-160-26-1 (Pay and Use-Toilets) |
| नीलामी सूची प्रकाशन तिथि | 30.05.2026 |
| नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट) | 16.06.2026 समय 11:00 बजे |
| नीलामी बन्द करने की तिथि व समय | 16.06.2026 समय 11:30 बजे |
| नीलामी सूची सं0/लॉट सं0 | Pnu-LKO-AY-TOI-161-26-1 (Pay and Use-Toilets) |
| नीलामी सूची प्रकाशन तिथि | 30.05.2026 |
| नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट) | 15.06.2026 समय 11:00 बजे |
| नीलामी बन्द करने की तिथि व समय | 15.06.2026 समय 11:30 बजे |
| नीलामी का प्रकार | Close Ended |
| वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है। | E-Auction Module of www.ireps.gov.in |

1924/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ



**उत्तर रेलवे**

**ई-निविदा सूचना**

मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ निम्न कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

| | |
|---|---|
| कार्य का नाम | कन्वर्शन ऑफ बी0जी0 कोचेज इनटू ए0आर0टी0/ए0आर0एम0ई0। |
| कार्य स्थल | सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ |
| अनुमानित लागत | रु.5,02,62,270.77/- मात्र |
| निविदा प्रपत्र का मूल्य | शून्य। |
| बिड सिक्युरिटी | रु.10,05,300/- मात्र |
| कार्य पूर्ण करने की अवधि | 18 माह |
| निविदा जमा करने की तिथि एवं समय | दिनांक 24.06.2026 समय 15:00 बजे तक। |
| प्रमाणपत्र | फर्म के सभी Members द्वारा ANNEXURE-A (यदि Company /Proprietorship फर्म है) के साथ Annexure A(a) (यदि Partnership/HUF/JV/LLP फर्म है) के अनुरूप प्रमाणपत्र अवश्य अपलोड किया जाना चाहिए। |
| खुलने का समय | निविदा फार्म जमा होने के पश्चात निविदा को किसी भी समय खोला जायेगा। निविदाकर्ताओं को निविदा खुलने के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है। |
| कार्यालय जहां से निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है। | निविदा सूचना एवं प्रपत्र का पूर्ण विवरण नियम व शर्तो सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। |
| वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है | |

निविदा सूचना सं. 2026-ए.एम.वी.-सी एंड डब्लू ई निविदा-25
दिनांक : 02.06.2026 1922/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ


# 54 के हुये योगी,राजनाथ, मायावती समेत कई दिग्गजों ने दी शुभकामनाएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को 54 वर्ष के हो गये हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती समेत देश की तमाम दिग्गज राजनीतिक हस्तियों ने मुख्यमंत्री योगी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी हैं।

भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों के साथ-साथ विपक्षी नेताओं ने भी सोशल मीडिया पर उनके कुशल नेतृत्व, सुशासन और प्रदेश के विकास की सराहना की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय एवं कर्मठ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने सुशासन, सुरक्षा, विकास एवं जनकल्याण के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और जनसेवा के लिए निरंतर ऊर्जा प्रदान करें। सुश्री मायावती ने भी एक्स पर बधाई देते हुए लिखा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता योगी आदित्यनाथ जी को आज उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं उनके स्वस्थ जीवन व दीर्घायु होने की शुभकामनाएं। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी बधाई दी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लिखा, आपके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। प्रभु श्रीराम से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने शुभेच्छा व्यक्त करते हुए कहा कि योगी के नेतृत्व में यूपी विकास, सुशासन एवं समृद्धि के नए आयाम स्थापित कर रहा है। केंद्रीय मंत्रियों में नितिन गडकरी ने ईश्वर से योगी के उत्तम स्वास्थ्य और मंगलमय जीवन की प्रार्थना की। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने लिखा कि प्रभु श्रीराम उन्हें स्वस्थ, सुदीर्घ जीवन दें और विकसित उत्तर प्रदेश के उनके संकल्प सिद्ध हों। कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने योगी को ओजस्वी वक्ता और कर्मशील व्यक्तित्व बताते हुए उनके नेतृत्व में यूपी की निवेश, आधारभूत संरचना और जनकल्याण में नई उपलब्धियों का जिक्र किया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि योगी के नेतृत्व में यूपी विकास, सुरक्षा और निवेश के नए आयाम स्थापित कर रहा है और करोड़ों नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए उनका समर्पण प्रशंसनीय है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम से योगी के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी योगी को जन्मदिन पर बधाई देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन की कामना की।

# अपर्णा यादव के आवास पहुंचकर राजनाथ सिंह ने स्व.प्रतीक को दी श्रद्धांजलि

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। स्थानीय सांसद व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को लखनऊ में अपर्णा यादव के आवास पर पहुंचकर उनके पति स्व. प्रतीक यादव के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। राजनाथ सिंह ने अपर्णा यादव को ढांढस बंधाया और उनकी पुत्रियों से भी बात की। इससे पहले राजनाथ सिंह व्यापारी नेता स्व अशोक मोतियानी के आवास पहुंचकर गोलोकवासी पुण्यात्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किया और उनके परिजनों से मिलकर सांत्वना दी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शिव शांति आश्रम साहिब के समर्पित सेवाधारी पूज्य स्व0 दर्शन लाल के आवास पहुंचकर गोलोकवासी पुण्यात्मा को श्रद्धासुमन अर्पित की। इसके अलावा राजनाथ सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र में कैंट विधानसभा क्षेत्र की कैंट मण्डल अध्यक्ष रूपा देवी के पति के निधन के बाद उनके आवास पहुंचकर पुण्यात्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस मौके पर राजनाथ सिंह के साथ उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, एमएलसी मुकेश शर्मा, विधायक ओपी श्रीवास्तव उपस्थित रहे। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजनाथ सिंह ने लखनऊ कैंटोमेंट क्षेत्र में पौधरोपण भी किया। चौधरी चरण सिंह अन्तरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरने के बाद उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक,पूर्व मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह व भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी समेत कई भाजपा नेताओं ने रक्षामंत्री का स्वागत किया। महानगर भाजपा अध्यक्ष आनंद द्विवेदी के अनुसार राजनाथ सिंह लखनऊ में तीन दिन रहेंगे। वह विधायक डॉ. नीरज बोरा के यहां चल रही श्रीराम कथा का भी श्रवण करेंगे।

# डिजिटल हो या फिजिकल, अपराधी साक्ष्य जरूर छोड़ता है: डॉ. राजेश्वर सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- क्राइम सीन मैनेजमेंट कोर्स के समापन समारोह में बोले विधायक
- यूपीएसआईएफएस के शैक्षणिक विकास के लिए विधायक निधि से 25 लाख रुपये देने की घोषणा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस (यूपीएसआईएफएस), लखनऊ में उत्तर प्रदेश पुलिस तकनीकी सेवाओं के सहयोग से आयोजित 45 दिवसीय 'क्राइम सीन मैनेजमेंट' प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के चौथे बैच का समापन समारोह शुक्रवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह रहे।

समापन समारोह में संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ. जी.के. गोस्वामी, आईजी राजीव मल्होत्रा तथा डीआईजी हेमराज मीणा ने मुख्य अतिथि का स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट किया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डॉ. राजेश्वर सिंह ने संस्थान परिसर में अधिकारियों के साथ वृक्षारोपण भी किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न कमिश्नरेट और जनपदों से आरक्षी से लेकर उपनिरीक्षक स्तर तक के कुल 98 पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को अपराध स्थल प्रबंधन, साक्ष्य संकलन तथा घटनास्थल की बारीकियों का विशेषज्ञों द्वारा गहन प्रशिक्षण दिया गया। संयुक्त परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिसकर्मियों राकेश प्रसाद, राहुल सिंह और सचिन कुमार को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में फॉरेंसिक विज्ञान न्याय प्रणाली का सबसे महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। उन्होंने कहा कि न्याय दिलाना, निर्दोष को बचाना और दोषी को सजा दिलाना तीनों ही समान रूप से आवश्यक हैं। अपराध चाहे डिजिटल हो या भौतिक, अपराधी किसी न किसी रूप में साक्ष्य अवश्य छोड़ता है और इन्हीं साक्ष्यों के आधार पर सत्य तक पहुंचा जा सकता है। उन्होंने आर्थिक अपराधों और साइबर ठगी के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि देश में प्रतिवर्ष लाखों लोग डिजिटल धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं। ऐसे मामलों में आईपी एड्रेस और अन्य डिजिटल साक्ष्य जांच की महत्वपूर्ण कड़ी बनते हैं। उन्होंने कहा कि जांच अधिकारियों की त्वरित कार्रवाई से पीड़ितों की धनराशि को विदेशों में जाने से रोका जा सकता है। डॉ. सिंह ने कहा कि आज का दौर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अत्याधुनिक तकनीक का है। आधुनिक युद्धों से लेकर अपराध नियंत्रण तक तकनीक की भूमिका लगातार बढ़ रही है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पुलिस अधिकारियों से कहा कि वे यहां अर्जित ज्ञान का उपयोग कर उत्तर प्रदेश पुलिस की प्रतिष्ठा को और मजबूत करें। इस अवसर पर डॉ. राजेश्वर सिंह ने संस्थान के शैक्षणिक विकास एवं संसाधनों के विस्तार के लिए अपनी विधायक निधि से 25 लाख रुपये देने की घोषणा की। उनकी घोषणा का सभागार में उपस्थित अधिकारियों और प्रतिभागियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया। संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ. जी.के. गोस्वामी ने कहा कि यदि मौखिक साक्ष्यों के साथ फॉरेंसिक साक्ष्यों का भी प्रभावी उपयोग किया जाए तो अपराधी कानून से बच नहीं सकता। उन्होंने कहा कि गवाह बदल सकते हैं, लेकिन वैज्ञानिक साक्ष्य सत्य को सामने लाने में हमेशा सक्षम रहते हैं। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक विज्ञान न केवल दोषियों को सजा दिलाने में बल्कि निर्दोषों को न्याय दिलाने में भी समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ. गोस्वामी ने कहा कि न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि न्याय होते हुए दिखाई भी देना चाहिए और इस लक्ष्य को हासिल करने में प्रशिक्षित जांच अधिकारियों की भूमिका बेहद अहम है। कार्यक्रम के अंत में आईजी राजीव मल्होत्रा ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आधुनिक अपराधों से निपटने के लिए तकनीकी और वैज्ञानिक प्रशिक्षण समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क अधिकारी संतोष तिवारी ने किया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी, फैकल्टी सदस्य और बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

# सीवर सफाई के दौरान कर्मचारी की मौत, सुरक्षा पर उठे सवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के चिनहट क्षेत्र में सीवर लाइन की सफाई के दौरान एक दर्दनाक हादसे में सफाई कर्मचारी की मौत हो गई। घटना चिनहट तिराहा स्थित फल मंडी के पास अंडरपास क्षेत्र की है, जहां नगर निगम के तहत सीवर सफाई का कार्य कराया जा रहा था।

जानकारी के अनुसार, सफाई कार्य में लगे चार कर्मचारियों में लालाराम, ललित, आकाश कुमार और राजन शामिल थे। कार्य के दौरान लालाराम अचानक सीवर लाइन के भीतर फंस गए, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। साथी कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने काफी प्रयास के बाद उन्हें बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी हालत गंभीर हो चुकी थी। गंभीर अवस्था में लालाराम को तत्काल एम्बुलेंस से डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान भेजा गया। बाद में उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही चिनहट पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने संबंधित कर्मचारियों से पूछताछ शुरू कर दी है।

प्रारंभिक जांच में अधिकारियों ने दावा किया है कि सफाई कार्य के दौरान सुरक्षा उपकरण उपलब्ध थे और कर्मचारी सुरक्षा किट पहनकर कार्य कर रहे थे। हालांकि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी विस्तृत जांच की जा रही है। सीवर और नालों की सफाई के दौरान होने वाली दुर्घटनाएं अक्सर सुरक्षा मानकों और कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती रही हैं।

## अचेत मिले युवक की ट्रॉमा सेंटर में मौत

**लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता।** बेगरिया रोड स्थित देसी शराब की दुकान के पास गुरुवार रात एक युवक अचेत अवस्था में पड़ा मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को तत्काल 108 एंबुलेंस की सहायता से उपचार के लिए केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, 4 जून 2026 को रात करीब 10:30 बजे सूचना प्राप्त हुई थी कि एक अज्ञात व्यक्ति बेगरिया रोड स्थित देसी शराब की दुकान के पास बेहोशी की हालत में पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसके पास एक मोटरसाइकिल (नंबर यूपी-32 पीके-0927) खड़ी पाई। युवक की पहचान बाद में रजनेश (पुत्र रमेश प्रसाद), निवासी नेवरा घाट, थाना औरास, जनपद उन्नाव के रूप में हुई। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई कराई जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

## बिजली चोरी पर मध्य जोन की बड़ी कार्रवाई

**लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता।** बिजली चोरी रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मध्य जोन की प्रवर्तन टीम ने शुक्रवार को राजधानी के बालागंज, ठाकुरगंज, चौक और ऐशबाग क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान 10 उपभोक्ताओं के परिसरों पर बिजली चोरी पकड़ी गई, जिनके खिलाफ विद्युत अधिनियम की धारा 135 के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कराते हुए विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मुख्य अभियंता, मध्य जोन लखनऊ के निर्देश पर चलाए गए इस विशेष अभियान में टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में जांच की। जांच के दौरान उपभोक्ताओं द्वारा अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा का उपयोग किए जाने की पुष्टि हुई। इसके बाद सभी मामलों में विभागीय टीम ने लालबाग स्थित एंटी पावर थेफ्ट थाने में मुकदमा दर्ज कराया। कार्रवाई के दौरान कुल 38.225 किलोवाट विद्युत भार से संबंधित बिजली चोरी के मामले सामने आए। इनमें ऐशबाग के नादान महल रोड और टिकैतगंज क्षेत्र, ठाकुरगंज के मिश्रीबाग व बरफखाना क्षेत्र, बालागंज के जल निगम रोड, राम नगर तथा चौक के थवाई टोला क्षेत्र के उपभोक्ता शामिल हैं। विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता पी आर एन्ड एडमिन एंव रेड मध्य क्षेत्र सुशील कुमार ने बताया कि बिजली चोरी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और विद्युत राजस्व को नुकसान पहुंचाने वाले उपभोक्ताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने आम उपभोक्ताओं से भी अपील की है कि वे वैध कनेक्शन के माध्यम से ही बिजली का उपयोग करें तथा किसी भी प्रकार की बिजली चोरी की सूचना विभाग को दें।

## छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, परिजनों में कोहराम

**मोहनलालगंज, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता।** मोहनलालगंज क्षेत्र के ग्राम हीरालालखेड़ा मजरा सिसेंडी में शुक्रवार सुबह एक 19 वर्षीय छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 8:45 बजे सूचना मिली कि सिसेंडी में एक युवक ने फांसी लगा ली है। पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान विकास यादव उम्र लगभग 19 वर्ष, निवासी हीरालालखेड़ा मजरा सिसेंडी के रूप में हुई।वही परिजनों ने शव को फंदे से उतार लिया था पूछताछ में पता चला कि सुबह करीब 8:30 बजे मकान में रहने वाले एक किरायेदार ने विकास को अपने कमरे में छत के पंखे से गमछे के सहारे लटका देखा। इसके बाद परिजनों और स्थानीय लोगों को जानकारी दी मृतक के पिता विनीत यादव उजाला हॉस्पिटल में मेडिकल असिस्टेंट के पद पर कार्यरत हैं और घटना के समय रात्रि ड्यूटी पर थे। विकास की माता का पूर्व में निधन हो चुका है। उसकी इकलौती बहन ननिहाल में रहती है। विकास इंटरमीडिएट उत्तीर्ण था और बी फार्मा प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा था। इंस्पेक्टर मोहनलालगंज ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

## सिविल डिफेंस ने किया वृहद वृक्षारोपण

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सिविल डिफेंस लखनऊ के प्रखंड चौक के वार्डनों द्वारा कुड़िया घाट पर वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ सहायक उपनियंत्रक मनोज वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे।राष्ट्रपति पदक से अलंकृत सिविल डिफेंस लखनऊ के सीनियर असिस्टेंट डिप्टी कंट्रोलर मनोज वर्मा के मुख्य आतिथ्य में प्रखंड चौक के वार्डन सुबह कुड़िया घाट पर एकत्रित हुए। इसके बाद डिप्टी डिविजनल वार्डन जावेद जैदी, पोस्ट वार्डन (आ.) हरीश चंद्र यादव, मनोज तिवारी, धीरज व्यास, सेक्टर वार्डन प्रदीप कुमार, राम स्वरूप भारती, नीरा गर्ग, आलोक अग्रवाल एवं शबाब रजा ने गोमती नदी के किनारे जिम क्षेत्र में गड्ढे खोदकर छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया।इस अवसर पर मनोज वर्मा ने कहा कि शुद्ध वायु और संतुलित पर्यावरण के बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। विकास की दौड़ में बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई हो रही है, जिसके कारण जलवायु परिवर्तन और बढ़ता प्रदूषण गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। ऐसे में हम सभी यदि अपनी मां के नाम एक पौधा लगाएं और उसकी देखभाल करें, तो पर्यावरण संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकते हैं। इसी उद्देश्य से सिविल डिफेंस लोगों को जागरूक करने का कार्य कर रहा है।वहीं कैसरबाग स्थित छतर मंजिल में सिविल डिफेंस कंट्रोल रूम परिसर में भी उपनियंत्रक रविन्द्र कुमार के नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

## एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत महिगवां पुलिस ने किया पौधारोपण

**लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर थाना महिगवां पुलिस द्वारा ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान थाना प्रभारी महिगवां राधेश्याम मौर्य ने पुलिस टीम के साथ विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की।थाना प्रभारी महिगवां राधेश्याम मौर्य ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बढ़ते प्रदूषण और लगातार घटती हरियाली के बीच वृक्षारोपण ही पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रकृति और मातृत्व के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक भावनात्मक और सामाजिक संदेश भी है।उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी मां के सम्मान में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी नियमित देखभाल कर उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखे। इससे न केवल पर्यावरण सुरक्षित होगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी स्वच्छ और हरित वातावरण मिल सकेगा।पौधारोपण कार्यक्रम में मौजूद पुलिस कर्मियों ने भी पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। इस दौरान लगाए गए पौधों की सुरक्षा एवं संरक्षण का भी संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया।

# इलेक्ट्रिक ऑटो क्लेम के नाम पर लाखों की ठगी का आरोप, पीड़ित ने न्यायालय की ली शरण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के बिजनौर क्षेत्र निवासी संतोष कुमार ने एक अधिकृत ऑटोमोबाइल एजेंसी और उसके प्रबंधक पर गंभीर आरोप लगाते हुए न्यायालय में प्रार्थना पत्र दाखिल किया है। पीड़ित का आरोप है कि दुर्घटनाग्रस्त इलेक्ट्रिक ऑटो को क्लेम के नाम पर वर्कशॉप में जमा कराने के बाद न तो वाहन वापस किया गया और न ही उसके संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी दी गई। प्रार्थना पत्र के अनुसार संतोष कुमार ने 25 जनवरी 2025 को एक इलेक्ट्रिक ऑटो खरीदा था। 19 फरवरी 2025 को वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके बाद 27 फरवरी को वाहन को अधिकृत एजेंसी के वर्कशॉप में एक्सीडेंट क्लेम के लिए जमा कराया गया। आरोप है कि एजेंसी के कर्मचारियों ने फाइल चार्ज के नाम पर 5 हजार रुपये लिए और शेष 20 हजार रुपये बाद में जमा कराने की बात कही। पीड़ित का कहना है कि वर्कशॉप प्रबंधन ने 4 से 5 दिन में वाहन तैयार कर सौंपने का आश्वासन दिया था, लेकिन कई माह बीत जाने के बाद भी वाहन न तो तैयार किया गया और न ही उसे वापस किया गया। बार-बार फोन, व्हाट्सएप और व्यक्तिगत संपर्क के बावजूद केवल आश्वासन मिलता रहा। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि जब पीड़ित 10 सितंबर 2025 को वर्कशॉप पहुंचकर अपनी गाड़ी के बारे में जानकारी लेने गया तो कर्मचारियों ने अभद्र व्यवहार किया और कहा कि उन्हें किसी वाहन की जानकारी नहीं है। इससे पीड़ित मानसिक रूप से परेशान हो गया। संतोष कुमार का दावा है कि उन्होंने इस मामले की शिकायत थाना बीबीडी, पुलिस आयुक्त, डीसीपी दक्षिण, जिलाधिकारी, मुख्यमंत्री कार्यालय तथा मानवाधिकार विभाग तक की, लेकिन लंबे समय तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। प्रार्थना पत्र में पीड़ित ने आरोप लगाया है कि एजेंसी और उसके जिम्मेदार लोगों की लापरवाही तथा कथित धोखाधड़ी के कारण उसे आर्थिक और मानसिक नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने न्यायालय से मामले में एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

# अमृत सरोवर पर खिला हरियाली का संकल्प, गूंजा पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गोसाईगंज ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत कबीरपुर स्थित बरमताली अमृत सरोवर परिसर हरियाली के संदेश से गूंज उठा। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यहां वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व गोसाईगंज ब्लॉक प्रमुख विनय वर्मा ने किया।

इस दौरान अमृत सरोवर परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए और ग्रामीणों को पेड़-पौधों के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही सैकड़ों पौधों का वितरण कर लोगों से अपने घरों और आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की गई। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर भी विशेष आयोजन किया गया। ब्लॉक प्रमुख विनय वर्मा, ग्राम प्रधान रीता वर्मा, खंड विकास अधिकारी राजेश बहादुर सिंह एवं एडीओ पंचायत कमल किशोर शुक्ला ने ग्रामीणों को पौधे भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर मिष्ठान वितरण कर मुख्यमंत्री के दीर्घायु होने की कामना भी की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ब्लॉक प्रमुख विनय वर्मा ने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन की सबसे बड़ी जरूरत हैं, हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए, तभी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण मिल सकेगा।

# बहुमंजिला इमारतों की होगी फायर सेफ्टी जांच

## दिल्ली अग्निकांड के बाद लखनऊ में अलर्ट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। दिल्ली के एक होटल में हुए दर्दनाक अग्निकांड के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण ने शहर की बहुमंजिला इमारतों में अग्नि सुरक्षा मानकों की जांच कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए एलडीए और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित की गई है।

शुक्रवार को एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने प्रवर्तन एवं अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर होटल, गेस्ट हाउस, अस्पताल, नर्सिंग होम, मॉल और व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स समेत अन्य बहुमंजिला भवनों की जांच के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य अग्निशमन अधिकारी अंकुश मित्तल, अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा, सी.पी. त्रिपाठी तथा सभी जोनल अधिकारी मौजूद रहे। उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि शहर में संचालित विभिन्न व्यावसायिक एवं सार्वजनिक उपयोग के भवनों के लिए एलडीए द्वारा मानचित्र स्वीकृत किए जाते हैं, जबकि अग्निशमन विभाग फायर सेफ्टी मानकों की निगरानी एवं अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करता है। हाल के दिनों में हुई अग्नि दुर्घटनाओं को देखते हुए दोनों विभागों के समन्वय से व्यापक जांच अभियान चलाया जाएगा। प्राधिकरण ने प्रत्येक प्रवर्तन जोन के लिए एलडीए और अग्निशमन विभाग के एक-एक अधिकारी को नामित किया है, जो संयुक्त रूप से भवनों का निरीक्षण करेंगे। जांच के दौरान भवनों में स्वीकृत मानचित्र के अनुरूप निर्माण, पार्किंग व्यवस्था, सेटबैक, फ्लोर और अन्य मानकों का सत्यापन किया जाएगा। साथ ही अग्निशमन विभाग आग से बचाव संबंधी सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच करेगा। एलडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि जांच के लिए निर्धारित प्रारूप तैयार किया गया है, जिसके अनुसार टीमों को फोटोग्राफ सहित अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। यदि किसी भवन में स्वीकृत मानचित्र से अलग निर्माण या अन्य अनियमितताएं पाई जाती हैं तो संबंधित निर्माणकर्ता के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

# बंजर जमीन को बनाया हरियाली की मिसाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- शिक्षक ने पेश की पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल

नगराम, लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्राथमिक विद्यालय गुमानीखेड़ा के प्रधानाध्यापक अनिल कुमार वर्मा ने हरियाली संरक्षण की मिसाल पेश की।

ग्रीष्मावकाश के दौरान भी विद्यालय पहुंचकर उन्होंने पौधों की देखभाल की, उन्हें पानी दिया और विद्यालय परिसर में गुलाचीन का पौधा लगाया। प्रधानाध्यापक अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि वर्ष 2010 में नियुक्ति के समय विद्यालय परिसर ऊसर और बंजर था। उन्होंने लगातार पौधरोपण और भूमि सुधार कर परिसर को हरे-भरे वातावरण में बदलने का संकल्प लिया। विद्यालय परिसर में करीब 80 पेड़-पौधे विकसित हो चुके हैं, जिससे विद्यालय में छाया, स्वच्छ वातावरण और सुंदर हरियाली का माहौल बना हुआ है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जन्मदिन, शादी की सालगिरह जैसे खास अवसरों पर पौधे लगाएं और उपहार में भी पेड़ दें। पर्यावरण संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है।

# छात्र ने हॉस्टल में की आत्महत्या, मचा हड़कंप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। बीबीडी थाना क्षेत्र स्थित रामस्वरूप इंजीनियरिंग कॉलेज के एक छात्र द्वारा हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मृतक की पहचान दीपक कुमार गुप्ता के रूप में हुई है, जो गोंडा जनपद के बक्सर आज्ञाराम क्षेत्र का निवासी था। दीपक रामस्वरूप इंजीनियरिंग कॉलेज में बीसीए तृतीय वर्ष का छात्र था और कॉलेज के निकट स्थित राजपाल बॉयज हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा था। जानकारी के अनुसार, दोपहर में दीपक की अपने परिजनों से बातचीत हुई थी। इसके बाद जब परिजनों ने उससे संपर्क करने का प्रयास किया तो उसका मोबाइल फोन नहीं उठा। कई बार प्रयास के बावजूद संपर्क न होने पर परिजनों ने हॉस्टल वार्डन को फोन कर छात्र की जानकारी लेने को कहा। वार्डन द्वारा छात्र की तलाश किए जाने पर दीपक अपने कमरे में फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। कंट्रोल रूम के माध्यम से शाम करीब 6:50 बजे बीबीडी थाना पुलिस को सूचना प्राप्त हुई, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है। छात्र की असमय मौत से परिवार और साथियों में शोक की लहर है।

# जीएसटी अधिकारियों से रूबरू हुए व्यापारी, कर संबंधी समस्याओं पर हुआ संवाद

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय जन उद्योग व्यापार मण्डल के तत्वावधान में शुक्रवार को जानकीपुरम स्थित नहर रोड के एक निजी होटल में जीएसटी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं व्यापारियों के मध्य विशेष ''व्यापारी संवाद कार्यक्रम'' आयोजित किया गया। कार्यक्रम में व्यापारियों को जीएसटी के नवीन प्रावधानों की जानकारी देने के साथ ही उनकी समस्याओं और सुझावों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम में जीएसटी विभाग की ओर से जॉइंट कमिश्नर (कार्यपालक) नीरज सिंह, डिप्टी कमिश्नर वीरेंद्र कुमार मिश्रा, सहायक आयुक्त अभिमन्यु पाठक, डॉ. संजय सिंह तथा राज्य कर अधिकारी सत्यजीत उपस्थित रहे। अधिकारियों ने व्यापारियों को जीएसटी से जुड़े विभिन्न प्रावधानों, कर अनुपालन, रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया, विभागीय सुविधाओं, जीएसटी पोर्टल की तकनीकी बारीकियों, ई-इनवॉइसिंग, इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) तथा पंजीयन से संबंधित नियम 14-ए के नवीन प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। संवाद कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों ने कर व्यवस्था से जुड़ी अपनी समस्याएं एवं सुझाव अधिकारियों के समक्ष रखे। अधिकारियों ने उनकी बातों को गंभीरता से सुनते हुए समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। भारतीय जन उद्योग व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस.डी. सिंह बैसवारा ने कहा कि विभाग और व्यापारियों के बीच नियमित संवाद से समस्याओं का समाधान अधिक सरल और प्रभावी ढंग से संभव हो पाता है। उन्होंने कहा कि पारदर्शी एवं सहयोगात्मक वातावरण से व्यापारिक गतिविधियों को भी मजबूती मिलती है। वहीं संगठन के संरक्षक सौरभ तिवारी ने कहा कि व्यापारियों के हितों की रक्षा तथा उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किए जाते रहेंगे, जिससे विभाग और व्यापारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सके। कार्यक्रम में व्यापार मण्डल के कोषाध्यक्ष विवेक शुक्ला, प्रभारी हनुमत सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज दीक्षित, प्रमोद तिवारी, प्रवीण मिश्रा, विशाल रावत, विमल चौबे एवं संजय मिश्रा सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

# मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिवस एवं विश्व पर्यावरण दिवस धूमधाम से मनाया गया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

खैराबाद, सीतापुर। नगर पालिका परिषद खैराबाद में गुरुवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के जन्मदिवस एवं विश्व पर्यावरण दिवस बड़े उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर नगर पालिका परिसर में केक काटकर मुख्यमंत्री के दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई, वहीं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए ''मां के नाम एक वृक्ष'' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों, सुशासन एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना करते हुए उनके जन्मदिवस पर शुभकामनाएं व्यक्त कीं। वक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का संदेश दिया। इस दौरान ''मां के नाम एक वृक्ष'' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कर लोगों को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अभिषेक गुप्ता ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार हैं और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण करना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के कोषाध्यक्ष कामेश शुक्ला, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष रामकिशन पाल, रामजी गुप्ता, राकेश चंद्र गुप्ता, आलोक बाजपेई, गौरव गुप्ता सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदेश की समृद्धि की कामना के साथ किया गया।

# कृषि विज्ञान केन्द्र ने 'खेत बचाओ अभियान' के तहत किसानों को किया जागरूक, मृदा जांच के आधार पर खाद डालने की अपील

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। आज जनपद सीतापुर के विकास खण्ड सकरन परिसर स्थित सभागार में कृषि विज्ञान केन्द्र, कटिया द्वारा संचालित देशव्यापी *खेत बचाओ अभियान* के तहत एक वृहद कृषक जागरूकता एवं तकनीकी प्रशिक्षण गोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य ध्येय स्थानीय कृषकों के मध्य निरंतर घटती मृदा उपजाऊ क्षमता के प्रति अलार्म बजाना और उन्हें टिकाऊ एवं पर्यावरण-अनुकूल कृषि प्रणालियों की ओर अग्रसर करना था। गोष्ठी में सकरन ब्लॉक के विभिन्न ग्राम पंचायतों से आए प्रगतिशील किसानों, महिला कृषकों तथा कृषि क्षेत्र से जुड़े स्थानीय हितधारकों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के मृदा वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सचिन प्रताप तोमर ने मृदा स्वास्थ्य की वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने वैज्ञानिक आंकड़ों का हवाला देते हुए उपस्थित कृषकों को विस्तृत जानकारी दी कि किस प्रकार सघन खेती और रसायनों के अनियंत्रित उपयोग से मिट्टी की जैविक संरचना और प्राकृतिक जीवन चक्र गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। डॉ. तोमर ने स्पष्ट रूप से रेखांकित किया कि किसी भी जीवंत और उपजाऊ भूमि की आत्मा उसके भीतर मौजूद कार्बनिक पदार्थ की अहम भूमिका होती हैं। वर्तमान में मिट्टी में इन कार्बनिक तत्वों की भारी कमी देखी जा रही है, जिसे तत्काल सुधारा जाना अनिवार्य है।

मिट्टी की सेहत को पुनः बहाल करने के व्यावहारिक उपायों पर चर्चा करते हुए डॉ. तोमर ने 'हरी खाद तकनीक किसानों के लिए सबसे सस्ता, सुलभ और अत्यधिक प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने समझाया कि किसान भाई अपने खेतों की खाली अवधि में ढैंचा, सनई, मूंग अथवा उड़द जैसी दलहनी फसलों की बुवाई करें। जब यह फसलें 35 से 40 दिन की अवस्था में आ जाएं और उनमें फूल आने शुरू होने वाले हों, तब कल्टीवेटर या हैरो की मदद से इन्हें खड़ी अवस्था में ही मिट्टी में पलट देना चाहिए। यह दलहनी फसलें वायुमंडलीय नाइट्रोजन को अपनी जड़ों की ग्रंथियों में संचित करती हैं, जो मिट्टी में मिलकर भूमि को प्रचुर मात्रा में पोषक तत्व प्रदान करती हैं। हरी खाद के अतिरिक्त, उन्होंने अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद, कम्पोस्ट और केंचुआ खाद (वर्मीकम्पोस्ट) के नियमित इस्तेमाल पर भी विशेष बल दिया। रासायनिक उर्वरकों के विषय पर बोलते हुए श्री रवि प्रकाश सहायक विकास अधिकारी कृषि ने कृषकों से अंधाधुंध और पारंपरिक ढंग से खाद डालने की आदत को तत्काल त्यागने की पुरजोर अपील की। उन्होंने कहा कि बिना मिट्टी की जांच कराए यूरिया, डीएपी और पोटाश का अत्यधिक प्रयोग न केवल खेती की लागत को बढ़ाता है, बल्कि मिट्टी को ऊसर और कड़क भी बना देता है। किसानों को अपने खेतों की 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड' (ट्टधद्धद्य क्व्रथ्द्यप्द्ध एथन्द) योजना के अंतर्गत नियमित जांच करानी चाहिए। जांच रिपोर्ट में जिन तत्वों की कमी पाई जाए, केवल उन्हीं उर्वरकों का और उतनी ही अनुशंसित मात्रा में उपयोग किया जाना चाहिए। इससे फसलों को संतुलित पोषण मिलता है, उपज की गुणवत्ता बढ़ती है और व्यर्थ का आर्थिक बोझ कम होता है। सकरन विकास खण्ड श्री सतीश चंद्र खण्ड तकनीक प्रबंधक ने परंपरागत और सुरक्षित कृषि पद्धतियों की ओर लौटने का आह्वान करते हुए 'प्राकृतिक खेती' (गथप्फ्रथद्य क्ष्थन्द्धद्धद्ब्रद्द) के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय को एक अत्यंत महत्वपूर्ण और व्यावहारिक मंत्र देते हुए सलाह दी कि प्रत्येक किसान को अपनी कुल कृषि योग्य भूमि के कम से कम एक-चौथाई हिस्से पर अनिवार्य रूप से गौ-आधारित प्राकृतिक खेती की शुरुआत करनी चाहिए। यदि किसी किसान के पास चार एकड़ भूमि है, तो वह कम से कम एक एकड़ में पूरी तरह से रसायनों का बहिष्कार करे।

देसी गाय के गोबर और गोमूत्र से तैयार होने वाले जीवामृत तथा बीजामृत के प्रयोग से न केवल भूमि की उर्वरा शक्ति जाग्रत होती है, बल्कि बाजार से महंगे रासायनिक इनपुट खरीदने की निर्भरता भी समाप्त हो जाती है। सबसे बड़ा लाभ यह है कि इस एक-चौथाई हिस्से में उत्पादित रसायण-मुक्त, शुद्ध एवं पौष्टिक अनाज, दलहन और सब्जियों का उपयोग किसान अपने परिवार के खाने के लिए कर सकते हैं, जिससे भावी पीढ़ी को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सके। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित 36 किसानों ने मिट्टी की रक्षा करने, हरी खाद को अपनाने और अपने खेतों के एक हिस्से में प्राकृतिक खेती शुरू करने का सामूहिक संकल्प लिया ।

# नैमिषारण्य धाम को विश्वस्तरीय तीर्थ बनाने की तैयारी, डीएम ने की विकास कार्यों की समीक्षा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में गुरूवार को विश्व प्रसिद्ध पौराणिक एवं आध्यात्मिक तीर्थस्थल नैमिषारण्य धाम के समग्र विकास, तीर्थयात्रियों को उच्चस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के उद्देश्य से नैमिषारण्य धाम तीर्थ विकास परिषद की बैठक सम्पन्न हुई। तीर्थ क्षेत्र में संचालित एवं प्रस्तावित विकास कार्यों, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, पर्यटन विकास, स्वच्छता व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं की सुविधा से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि नैमिषारण्य धाम देश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थलों में से एक है, जिसका उल्लेख विभिन्न पुराणों एवं धार्मिक ग्रंथों में मिलता है। प्रतिवर्ष देश एवं विदेश से लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन, पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठानों के लिए आते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा नैमिषारण्य धाम को विश्व स्तरीय धार्मिक एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। तीर्थ क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए कि सभी परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए। निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही या मानकों की अनदेखी स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए विकास कार्यों को गति प्रदान करें। जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, शौचालय, विश्राम स्थल, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, संकेतक बोर्ड, यात्री सहायता केंद्र, स्वास्थ्य सुविधाएं एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए गए। कहा गया कि तीर्थ क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा उन्हें सुगम एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। परिषद द्वारा चक्रतीर्थ, ललिता देवी मंदिर, हनुमानगढ़ी, व्यास गद्दी, मनु-सतरूपा तपस्थली तथा अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों पर उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की गई। निर्देश दिए गए कि इन स्थलों के आसपास स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं प्रकाश व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर सुदृढ़ किया जाए ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर अनुभव प्राप्त हो सके। जिलाधिकारी ने तीर्थ क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष जोर देते हुए कहा कि नैमिषारण्य की धार्मिक एवं सांस्कृतिक गरिमा के अनुरूप स्वच्छ वातावरण बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। नगर निकाय एवं संबंधित विभाग नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा कूड़ा निस्तारण की प्रभावी व्यवस्था विकसित करें। श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। यातायात व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रमुख पर्वों एवं मेलों के दौरान विशेष यातायात योजना तैयार की जाए। पार्किंग स्थलों का समुचित प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए तथा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात नियंत्रण के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस एवं स्वयंसेवकों की तैनाती की जाए। सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने पर भी बल दिया गया। निर्देश दिए गए कि प्रमुख स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता सुनिश्चित की जाए, पर्याप्त पुलिस बल की उपलब्धता रहे तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए जाने पर भी चर्चा की गई।

पर्यटन विकास के दृष्टिगत नैमिषारण्य धाम की ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के व्यापक प्रचार-प्रसार पर बल दिया गया। नैमिषारण्य धाम को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर और अधिक प्रभावी रूप से स्थापित करने हेतु विभिन्न विभाग समन्वित प्रयास करें। तीर्थ क्षेत्र में सूचना एवं मार्गदर्शन केंद्रों की स्थापना तथा डिजिटल सूचना प्रणाली को भी विकसित किए जाने पर चर्चा की गई तथा पर्यावरण संरक्षण को विशेष महत्व देते हुए वृक्षारोपण, जल संरक्षण एवं हरित क्षेत्र के विकास से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये। विकास कार्यों के साथ-साथ प्राकृतिक एवं धार्मिक विरासत का संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दीक्षा जोशी, अपर जिलाधिकारी आयुष चौधरी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# वृक्ष धरा का भूषण हैं: कमाल अहमद सिद्दीकी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिसवां वन रेंज में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह का आयोजन निकटवर्ती भिनैनी गांव में किया गया जिसमें क्षेत्रीय विधायक निर्मल वर्मा द्वारा त्रिवेनी वृक्षों का रोपण किया गया साथ ही भिनैनी गांव को प्लास्टिक मुक्त करने के उद्देश्य से विधायक निर्मल वर्मा एवं वन क्षेत्राधिकारी अहमद कमाल सिद्दीकी द्वारा लोगों को जूट एवं कपड़े के थैलों का वितरण भी किया गया। इस मौके पर ग्राम प्रधान एवं अन्य गणमान्य नागरिकों द्वारा भी शोभाकार, औषधीय एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया।आज ही ''एक पेड़ मां के नाम'' महाअभियान की शुरुआत भी की गई। वन क्षेत्राधिकारी ने पर्यावरण बचाने के लिए सभी से ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने और उनका संरक्षण करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्लास्टिक के उपयोग से बचें। नदियों, तालाबों को प्रदूषणमुक्त रखें तथा जल संरक्षण करें यह जीवन के लिए बहुत जरूरी है।

# विश्व पर्यावरण दिवस पर नैमिषारण्य राजघाट में हुआ पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प



कैनविज टाइम्स संवाददाता

मिश्रिख (सीतापुर), । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मिश्रिख रेंज द्वारा नैमिषारण्य स्थित राजघाट पर पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं वृक्षारोपण के महत्व पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हनुमानगढ़ी के महंत पवन दास रहे। इस अवसर पर गोमती तट के पुजारी कृष्ण कुमार दीक्षित, नीमसार देहात के प्रधान तथा प्रधान विनीत मिश्रा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वन विभाग की ओर से क्षेत्रीय वन अधिकारी सिकंदर सिंह के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने सहभागिता की। कार्यक्रम में वन दरोगा डिंपल शर्मा, जगदीश वर्मा, अनुभव वर्मा, ऋषभ तोमर, अनिल कुमार तथा अक्षय पांडे मौजूद रहे। इस दौरान उपस्थित लोगों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

# जिलेभर में उत्साह, उल्लास व उमंग से मना एक पेड़ माँ के नाम अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी । विश्व पर्यावरण दिवस पर जिले में ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान पूरे जोश, उल्लास और भावनात्मक सहभागिता के साथ मनाया गया। जिले भर में वृक्षारोपण कार्यक्रमों की श्रृंखला चली, जिसमें प्रशासन, शिक्षा संस्थान, सुरक्षा बल और आमजन सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। जिले में एक दिन में लक्ष्य 15 लाख 86 हजार पौधे रोपकर पर्यावरण दिवस मना। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक चले इस अभियान में सरकारी विभागों, सामाजिक संगठनों, शिक्षण संस्थानों व जागरूक नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पौधों की सुरक्षा व देखभाल का संकल्प लिया। स्थानीय सेठघाट पर जिला प्रशासन, दक्षिण खीरी वन प्रभाग, जिला गंगा समिति के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर स्वच्छता अभियान, पर्यावरण मित्र समूह के जन-जागरूकता हित प्रेरक पोस्टरों के विमोचन स्थापन सहित वृहद वृक्षारोपण किया और विधायक सदर योगेश वर्मा ने उपस्थितजन को लगाए गए वृक्षों की देखभाल, नदी व पर्यावरण का संरक्षण करने,सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने का सामूहिक संकल्प दिलाया। जिला मुख्यालय पर सेठघाट पर आयोजित कार्यक्रम का विधायक योगेश वर्मा, डीएम अंजनी कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता, अध्यक्ष नगर पालिका डॉ ईरा श्रीवास्तव, सीडीओ अभिषेक कुमार, डीएफओ तापस मिहिर, सहायक पुलिस अधीक्षक विवेक तिवारी, ब्लॉक प्रमुख दिव्या सिंह, ईओ संजय कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी राममोहन गुप्ता ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीएम अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि ल्लएक पेड़ माँ के नामङ्क केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी और माँ के प्रति हमारी कृतज्ञता की जीवंत अभिव्यक्ति है। प्रशासन और समाज के सभी वर्गों की भागीदारी इस अभियान को जनआंदोलन का रूप दे रही है। प्लास्टिक प्रदूषण पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि प्लास्टिक धरती को लंबे समय तक नुकसान पहुंचाती है। ऐसे में हर लगाया गया पौधा धरती मां को दी गई नई सांस, पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विधायक योगेश वर्मा ने कहा कि वृक्षारोपण प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक है। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान हमारी संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण की भावना को दर्शाता है। उन्होंने पौधारोपण के साथ उनकी देखभाल पर भी जोर दिया। विधायक ने बताया कि सीएम के नेतृत्व में चल रहे अभियान के तहत लखीमपुर खीरी में 15.86 लाख पौधे रोपे जा रहे हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान प्रकृति और संस्कृति का संदेश देता है। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का आह्वान किया। सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि यह अभियान केवल पौधारोपण नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम में पर्यावरण मित्र समूह अध्यक्ष विशाल सेठ, उपाध्यक्ष मयूरी नागर एवं राम मोहन गुप्त, सचिव संजय कुमार गुप्ता, कुमकुम गुप्ता एवं पूजा सिंह चौहान सदस्य ने महती भूमिका निभाई। जनप्रतिनिधियों ने किया पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मोहम्मदी में विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह, मितौली में पूर्व सांसद जुगुल किशोर, पलिया के बलदेव वैदिक इंटर कॉलेज में पालिकाध्यक्ष लक्ष्मी गुप्ता, धौरहरा के ग्राम लालजी पुरवा में विधायक विनोद शंकर अवस्थी, मैलानी स्थित मुक्तिधाम में चेयरमैन कीर्ति महेश्वरी, रवही नहर पटरी पर जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता ब्लॉक प्रमुख पवन गुप्ता तथा निघासन क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय भिढौरी में विधायक शशांक वर्मा ने सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में पौधारोपण किया।

इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। वही जिला अध्यक्ष शिव कुमार सिंह सहित न्यायिक अधिकारियों में भी फलदार, छायादार,औषधीय पौधों का रोपण किया।

## मेरा तालाब, मेरी जिम्मेदारी अभियान के तहत अदलिसपुर में हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम

धौरहरा खीरी कैनविज टाइम्स संवाददाता। विकासखंड धौरहरा की ग्राम पंचायत अदलिसपुर में आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ल्लमेरा तालाब, मेरी जिम्मेदारीङ्क अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में हरियाली को प्रोत्साहित करना रहा।

इस अवसर धौरहरा विधायक विनोद शंकर अवस्थी खंड विकास अधिकारी (उक्र) सहायक विकास अधिकारी (इक्र) सहित पंचायत एवं विकास विभाग के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प भी लिया। वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष न केवल पर्यावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन का आधार भी हैं। इस मौके पर एक पेड़ माँ के नाम, हरियाली से खुशहाल गाँवङ्क के संदेश को भी प्रमुखता से दोहराया गया। ग्रामीणों ने भी अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेकर इसे सफल बनाया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

## विश्व पर्यावरण दिवस पर दिव्यांग फाउंडेशन ने किया वृक्षारोपण

खैराबाद, सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता । शुक्रवार को आत्मनिर्भर दिव्यांग एकता फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण व जल संचयन का संदेश दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष विजयपाल, रत्नेश मोहन, हेमराज, छोटू, हरिलाल, गुड्डू, तोताराम सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। सभी ने मिलकर छायादार व फलदार पौधे लगाए और उनकी देखभाल का संकल्प लिया। आम के पेड़ों के कटान पर जताई नाराजगी प्रबंधक/सचिव बिन्दू मौर्या ने कहा कि खैराबाद क्षेत्र फलपट्टी व ग्रीन बेल्ट के अंतर्गत आता है। जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर के सख्त निर्देशों के बावजूद क्षेत्र में लगातार हरे-भरे आम के पेड़ों का कटान हो रहा है, जो निंदनीय है। उन्होंने प्रशासन से अवैध कटान पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। प्रबंधक/सचिव बिन्दू मौर्या की अपील: ''पेड़ लगाएं, पक्षी बचाएं। लगातार कटते जंगलों और बढ़ते प्रदूषण के कारण आज कई पक्षियों की प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। इन्हें बचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

# बसुदहा में खराब पड़े नलों से ग्रामीण परेशान, नल रिवोर व मरम्मत के नाम पर हो रहा लाखों का भुगतान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिसवां सीतापुर। विकास खण्ड बिसवां की ग्राम पंचायत बसुदहा में सरकारी हैंडपंपों की मरम्मत एवं रिबोर के नाम पर सरकारी धन के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में हैंडपंप मरम्मत और रिबोर के नाम पर लगातार भुगतान कराया जा रहा है, जबकि कई सरकारी हैंडपंप आज भी खराब हालत में पड़े हुए हैं और लोगों को पीने के पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत में सैकड़ों सरकारी हैंडपंप स्थापित हैं, लेकिन आधा दर्जन से अधिक हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़े हैं। कई नलों से पानी नहीं निकल रहा है, वहीं कुछ हैंडपंपों की पाइप तक निकाल ली गई है। इसके चलते ग्रामीणों को दूर-दराज से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि उनके पास खराब पड़े हैंडपंपों के जीपीएस लोकेशन, वीडियो, फोटोग्राफ तथा शिकायतकर्ताओं के नाम सहित साक्ष्य मौजूद हैं, जो मरम्मत कार्यों की वास्तविक स्थिति को उजागर करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि हैंडपंपों की मरम्मत और रिबोर पर सरकारी धन खर्च किया गया है तो फिर ये हैंडपंप चालू क्यों नहीं हैं। मामले को लेकर जब ग्राम प्रधान से दूरभाष पर संपर्क कर खराब पड़े हैंडपंपों के संबंध में जानकारी चाही गई तो उन्होंने कथित रूप से कहा, ''हमारा यही काम है क्या?'' प्रधान के इस जवाब से ग्रामीणों में नाराजगी और बढ़ गई है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रधान और सचिव की मिलीभगत से हैंडपंप मरम्मत एवं रिबोर के नाम पर सरकारी धन का भुगतान कराया जा रहा है, जबकि धरातल पर कार्य दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन, मुख्य विकास अधिकारी एवं जिला पंचायत राज अधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बसुदहा ग्राम पंचायत में हैंडपंप मरम्मत और रिबोर मद में हुए खर्च की तकनीकी एवं वित्तीय जांच कराई जाए तो पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सकती है। इस संबंध में खण्ड विकास अधिकारी लिखो।

## एलईडी वैन से गांव-गांव पहुंचेगा विकास का संदेश, जनकल्याण अभियान को मिली रफ्तार

लखीमपुर खीरी कैनविज टाइम्स संवाददाता। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले में 05 जून से 21 जून तक चलाए जा रहे समेकित जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान को गति देने के लिए सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने व्यापक तैयारी की है। इसी क्रम में गुरुवार को दो एलईडी वैन को हरी झंडी दिखाकर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए रवाना किया, जो गांव-गांव जाकर सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार करेंगी। कार्यक्रम में विधायक सदर योगेश वर्मा एवं सीडीओ अभिषेक कुमार ने संयुक्त रूप से वैनों को रवाना किया। इस दौरान विधायक सदर योगेश वर्मा ने कहा कि सरकार की मंशा है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, जिसके लिए जन-जागरूकता सबसे प्रभावी माध्यम है। इन एलईडी वैनों के माध्यम से केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों और कार्यक्रमों का दृश्य-श्रव्य माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाएगा। वैनों में लगे डिजिटल स्क्रीन के जरिए लोगों को योजनाओं की जानकारी सरल और प्रभावी तरीके से दी जाएगी। अभियान के तहत यह वैन 21 जून तक जिले के सभी विकास खंडों में निर्धारित रूट प्लान के अनुसार भ्रमण करेंगी और सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, हाटों व गांवों में रुककर योजनाओं का प्रसारण करेंगी।सीडीओ अभिषेक कुमार ने बताया कि वैन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ेगी और अधिक से अधिक पात्र लोग सरकारी योजनाओं से जुड़ सकेंगे।

## विश्व पर्यावरण दिवस पर पीएचसी रिखोना में हुआ पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रिखोना में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केंद्र प्रभारी व सामाजिक कार्यकर्ता डॉ? विकास सिंह के द्वारा पौधरोपण किया गया इस अवसर पर डॉ?विकास सिंह ने कहा कि शुद्ध पर्यावरण स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है पर्यावरण की अशुद्धता मानव के लिए खतरनाक है विभिन्न बीमारिया असंतुलित पर्यावरण की देन हैं हम सभी की जिम्मेदारी है कि पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिये अधिक से अधिक पौधरोपण करें साथ ही उनका संरक्षण भी करें उन्होंने केंद पर उपस्थित सभी लोगों से एक पौधा लगाने की अपील की !! इस अवसर पर डॉ?अमित कश्यप, प्रधान प्रतिनिधि जयशंकर अवस्थी, प्रधानाध्यापक हरिओम शुक्ला, फज़लू , मो नईम, दीपक कुमार, चंद्रकिशोर, विशाल जायसवाल, चांद बाबू, अंकित शुक्ला, सत्येंद्र पटेल आदि लोग उपस्थित रहे ।

# मेंथा प्लांट में जहरीली गैस बनी काल, टंकी सफाई के दौरान दो सगे भाइयों की मौत, तीसरे की हालत गंभीर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। मेंथा प्लांट की टंकी साफ करते समय जहरीली गैस से दम घुट गया। हादसे में दो सगे भाइयों जयवीर यादव और राजेश यादव की मौत हो गई। जबकि तीसरे शख्स मनवीर यादव की हालत गंभीर है। बता दे कि फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के सुरेनी पापड़ी गांव में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। मेंथा प्लांट की टंकी की सफाई के दौरान दम घुटने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई, जबकि तीसरे भाई की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, सुरेनी पापड़ी गांव निवासी जयवीर यादव (32 वर्ष), राजेश यादव (22 वर्ष) और मनवीर यादव (26 वर्ष) मेंथा प्लांट की टंकी की सफाई कर रहे थे। बताया जाता है कि टंकी के अंदर जहरीली गैस भरी हुई थी। सफाई के दौरान सबसे पहले एक भाई की हालत बिगड़ी और वह टंकी के भीतर बेहोश होकर गिर पड़ा। उसे बचाने के प्रयास में अन्य दोनों भाई भी टंकी के अंदर उतर गए, लेकिन गैस के प्रभाव से वे भी अचेत हो गए। कुछ ही देर बाद मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया तो आसपास के ग्रामीण दौड़कर पहुंचे। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद तीनों भाइयों को टंकी से बाहर निकाला और तत्काल एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आसफपुर पहुंचाया। चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद जयवीर यादव और राजेश यादव को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से अचेत मनवीर यादव को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। एक ही परिवार के दो युवकों की मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों के अनुसार तीनों भाई मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। अचानक हुए इस हादसे ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि मेंथा प्लांट की टंकियों में सफाई के दौरान अक्सर जहरीली गैस जमा हो जाती है। ऐसे कार्यों में सुरक्षा उपकरणों और ऑक्सीजन की व्यवस्था जरूरी होती है, लेकिन अधिकांश स्थानों पर इन मानकों का पालन नहीं किया जाता। आशंका जताई जा रही है कि टंकी में मौजूद जहरीली गैस के कारण ही तीनों भाई बेहोश हुए, जिससे यह बड़ा हादसा हो गया। एक ही घर के दो बेटों की मौत और तीसरे की गंभीर हालत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में शोक का माहौल है और बड़ी संख्या में लोग पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाने पहुंच रहे हैं।

## विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर पालिका कन्या इंटर कॉलेज में किया पौधरोपण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री एवं स्टार प्रचारक आबिद रजा और सांसद आदित्य यादव के प्रतिनिधि अनिल आनन्द ने नगर पालिका कन्या इंटर कॉलेज परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। पूर्व मंत्री एवं स्टार प्रचारक आबिद रजा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज के दौर की सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है। स्वच्छ हवा, शुद्ध जल और हरियाली के बिना मानव जीवन की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि पौधे केवल प्रकृति का श्रृंगार नहीं हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की भी गारंटी हैं। पूर्व मंत्री ने कहा कि वह गांव-गांव जाकर पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से नीम, पीपल और बरगद जैसे छायादार एवं जीवनदायी वृक्ष लगाने का अभियान चला रहे हैं। उन्होंने इन वृक्षों को सामाजिक न्याय, समानता और समरसता का प्रतीक बताते हुए कहा कि जैसे ये पेड़ बिना किसी भेदभाव के सभी को छाया और शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, उसी प्रकार समाज में भी समानता और भाईचारे की भावना मजबूत होनी चाहिए। पूर्व मंत्री आबिद रजा ने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल का संकल्प ले, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा परिवर्तन संभव है। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से आगे आकर हरित अभियान का हिस्सा बनने और पर्यावरण बचाने की मुहिम को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने भी पर्यावरण संरक्षण और पौधों की देखभाल का संकल्प लिया। पूरे आयोजन के दौरान पर्यावरण जागरूकता, हरियाली बढ़ाने और प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया।

## सामूहिक प्रयासों से संभव है पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान : डा. रतिराम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा :श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज में संस्थागत नवाचार परिषद (आईआईसी) के तत्वावधान तथा कृषि संकाय के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन तथा सतत विकास के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।इस दौरान महा विद्यालय परिसर में पौध रोपण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर को हरित एवं स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लिया गया। इसके उपरांत विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, जैव विविधता तथा स्वच्छ पृथ्वी जैसे विषयों पर आकर्षक एवं प्रेरणादायक चित्र प्रस्तुत किए।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ.रतीराम एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. अनिल कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रकृति और मानव जीवन का संबंध अत्यंत गहरा है तथा वर्तमान समय में पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने तथा पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रविन्द्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित न रहकर हमारी दैनिक जीवन शैली का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील रहते हुए सतत विकास के सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. जितेन्द्र सिंह ने पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि सामाजिक एवं पर्यावरणीय चेतना का विकास करना भी है।इस मौके पर डॉ. शिशिर त्रिपाठी, डॉ. घनश्याम द्विवेदी, डॉ.रवि प्रकाश ओझा,डॉ. पुनीत कुमार, डॉ. स्मिता सिंह, डॉ. विनय कुमार पाण्डेय, डॉ.धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ.अशोक पाण्डेय, डॉ सतीश तिवारी एवं डॉ.करुणेश कुमार दुबे सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण व छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

## गुमशुदगी का खुलासा: प्रेम-प्रसंग के चलते अपहरण कर केले की बगिया में दफनाया था पति का शव, आरोपी पत्नी व प्रेमी गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। थाना सेहरामऊ दक्षिणी पुलिस ने तीन महीने से अधिक लापता ओमकार की गुमशुदगी का खुलासा करते हुए आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। प्रेम-प्रसंग के चलते आरोपी पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति ओमकार की हत्या कर दी थी और उसका शव केले की बगिया में दफना दिया था। पुलिस ने आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी की निशानदेही पर ओमकार के शव को बरामद कर लिया है और विधिक कार्रवाई करते हुए दोनों अभियुक्तों को जेल भेज दिया है।

बीती 23 फरवरी को तिलहर न्यायालय में तारीख लेने के लिए थाना सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र के गांव मानपुर मलिकापुर निवासी ओमकार घर से निकले थे, इसके बाद ओमकार वापस घर नहीं लौटा। 06 मार्च को उसके भाई सत्यवीर सिंह ने अपने भाई ओमकार की गुमशुदगी की रिपोर्ट थाना सेहरामऊ दक्षिणी में दर्ज कराई थी। काफी तलाश के बाद भी ओमकार का कुछ पता नहीं चला। जिसके बाद 04 जून को सत्यवीर सिंह ने अपने भाई ओमकार के अपहरण किए जाने की आशंका व्यक्त करते हुए उसकी पत्नी ओमा भारती और उसके प्रेमी थाना कंाट क्षेत्र के गांव लिनथरा निवासी नन्हें पुत्र विजय सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने पूछताछ एवं संकलित साक्ष्यों के आधार पर आरोपी पत्नी ओमा भारती और उसके प्रेमी नन्हें को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में अभियुक्ता ओमा भारती ने बताया कि उसकी बड़ी बहन की शादी करीब 25 साल पहले थाना कंाट के ग्राम लिनथरा में हुई थी, इसलिए उसका लिनथरा गांव में आना-जाना था। इसी दौरान उसका संपर्क ग्राम लिनथरा के नन्हें पुत्र विजय सिंह से हुआ और दोनों के प्रेम संबंध हो गए। प्रेम संबंध की जानकारी होने पर पति ओमकार ने उसके साथ मारपीट की। जिसके बाद वो पति को छोड़कर प्रेमी नन्हें के साथ ग्राम लिनथरा में रहने लगी। बताया कि उसे आशंका थी कि पति ओमकार उसके प्रेम संबंधों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए उसने योजना के तहत तिलहर न्यायालय में तारीख पर गए पति ओमकार को ग्राम लिनथरा में नन्हें के बगीचे में बुलाया और वहां नन्हें ने उसे खूब शराब पिलाई। नशे में होने के बाद उसने प्रेमी नन्हें के साथ मिलकर पति ओमकार की हत्या कर दी और साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से उसका शव नन्हें की केले की बगीया में दफना दिया। एसपी सिटी ने बताया कि दोनों अभियुक्तों को जेल भेजा जा रहा है। अभियुक्तों की निशानदेही पर शव को बगिया से बरामद कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## मुख्यमंत्री के जन्मदिवस पर मां कालिकन धाम में भाजपाइयों ने किया पूजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

**सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मरीजो को फल वितरित कर जन्मदिन मनाया**

अमेठी । विश्व पर्यावरण दिवस पर जनपद अमेठी में भारतीय जनता पार्टी द्वारा ल्लएक पेड़ मां के नामङ्क अभियान के अंतर्गत व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनपद के समस्त कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने पर्यावरण संरक्षण एवं मातृशक्ति के सम्मान का संदेश देते हुये वृक्षारोपण कर प्रकृति संवर्धन का संकल्प लिया।इसी क्रम में गोरक्षपीठाधीश्वर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला के नेतृत्व में प्राचीनतम मां कालिकन धाम में वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य विशेष पूजन अर्चन एवं आरती सम्पन्न हुई। उपस्थित जनों ने मां कालिकन के श्रीचरणों में प्रदेश के मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, यशस्वी एवं लोककल्याणकारी जीवन हेतु प्रार्थना की।धार्मिक कार्यक्रम के उपरांत भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने अमेठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचकर उपचाररत मरीजों का कुशलक्षेम जाना तथा उन्हें फल वितरित कर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की शुभकामनाएँ प्रदान कीं। इस सेवा कार्य ने भारतीय संस्कृति के ल्लनर सेवा नारायण सेवाङ्क के भाव को पुनः अभिव्यक्त किया।भाजपा के जिला प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह ने बताया कि जनपद के सभी मंडलों एवं शक्ति केन्द्रों पर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ल्लएक पेड़ माँ के नामङ्क अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुये। कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण, जलवायु संतुलन एवं हरित भविष्य के निर्माण हेतु जन-जागरण का भी संकल्प लिया।इस अवसर पर भाजपा के जिला महामंत्री विषुव मिश्रा, राजेश शुक्ला, चंद्रकेश यादव, श्री मनोज तिवारी, अजय तिवारी, गिरजा शंकर शुक्ला, देव प्रकाश पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## बिना भेदभाव के कर रहा हूँ समाज सेवा, राहुल सिंह चौहान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से करनैलगंज विधा न सभा क्षेत्र में समाज सेवा के कार्यों में लगा हुआ हूं। क्षेत्र की जनता जनार्दन के लिए हमारे घर के दरवाजे सदैव खुले हैं। मेरे दहलीज से कोई भी व्यक्ति निराश होकर नहीं लौटता है। चाहे वह हमारे विपक्षियों का करीबी ही क्यों न हो। बिना किसी भेदभाव के क्षेत्र की जनता की हर संभव मदद हमारे और हमारे लोगों द्वारा की जाती है।

यह बातें एक अनौपचारिक मुलाकात के दौरान युवा समाज सेवी एवं करनैलगंज विधान सभा सीट पर भाजपा के टिकट से चुनाव लड़ने की प्रबल दावेदारी कर रहे राहुल सिंह चौहान ने कहा। उन्होंने बताया कि कक्षा पांच तक की पढ़ाई करने के बाद उन्हें पारिवारिक परिस्थितियों के चलते रोजी रोजगार हेतु दिल्ली जाना पड़ा।जहां उन्होंने जी जान लगाकर काम किया। उन्होंने बताया कि दिल्ली में डिलीवरी ब्वॉय के रूप में नौकरी शुरू किया।जब उनकी आर्थिक स्थिति कुछ सही हुई तो अपनी पढ़ाई लिखाई को आगे बढ़ाते हुए अपने सहयोगियों और इनवेस्टर्स की मदद से खुद की कम्पनी खोली।धीरे धीरे राहुल सिंह चौहान की स्थिति बेहतर होती गई और एक के बाद कई कंपनियों के कर्ताधर्ता बन गए।इधर 3-4 वर्षों से वे समाज सेवा के साथ साथ पूर्व सांसद बृज भूषण शरण सिंह को गुरु मानकर उनके सानिध्य में करनैलगंज विधान सभा क्षेत्र में सक्रिय राज नीति में जुटे हैं।उनका दावा है कि 2027 के विधान सभा चुनाव में भाजपा से टिकट मिलना लगभग तय है।उन्होंने बगैर किसी का नाम लिए कहा कि क्षेत्र में मेरी बढ़ती लोकप्रियता से मेरे विपक्षियों में खलबली मची है।फिलहाल 2027 के विधान सभा चुनाव में अभी कुछ महीनों का समय शेष है।ऊँट किस करवट बैठेगा ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

### डीआईजी व डीएम ने किया कछला घाट का निरीक्षण

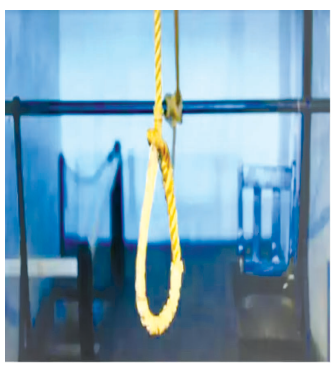

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। डीआईजी पुलिस बरेली अजय साहनी, डीएम अवनीश राय ने कछला घाट पर विभिन्न व्यवस्थाओं के सम्बंध में निरीक्षण कर सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर पुलिस व प्रकाशनिक अधिकारी मौजूद रहे।

### आरक्षी पुलिस भर्ती परीक्षा के सम्बंध में डीएम ने की बैठक

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिलाधिकारी अवनीश राय ने कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती 2025 प्रवेश परीक्षा के संबंध में बैठक की। आरक्षी पुलिस भर्ती परीक्षा 08, 09 व 10 जून को जनपद में बनाए गए 15 परीक्षा केंदो पर दो-दो पालियों में होगी। कुल 33984 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। इस अवसर पर केंद्र व्यवस्थापक, मजिस्ट्रेट व अन्य पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

### डीएम की अध्यक्षता में तहसील सहसवान में आज होगा संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

बदायूं कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिलाधिकारी कार्यालय से प्राप्त सूचना के अनुसार 06 जून 2026 को प्रातः 10:00 बजे से जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील सहसवान में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहेंगे व आमजन की शिकायतों का प्राथमिकता पर निस्तारण सुनिश्चित कराया जाएगा।

### 08 जून को आयोजित होगी जिला सैनिक बन्धु की बैठक

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। लेफ्टिनेंट कर्नल संदीप सिंह (अ0प्रा0), जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, बदायूँ द्वारा जनपद बदायूँ के समस्त भूतपूर्व सैनिकों एवं दिवंगत सैनिकों की विधवाओं को सूचित किया है कि उनकी समस्त समस्याओं के निराकरण हेतु जिला सैनिक बन्धु की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 08 जून 2026 को अपराह्न 12:30 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार बदायूँ में आयोजित होगी। उन्होंने बताया कि यदि किसी भूतपूर्व सैनिक अथवा दिवंगत सैनिकों की विधवाओं की कोई समस्या है तो वे अपना प्रार्थना-पत्र दो प्रतियों में 06 जून 2026 को सांय 05:00 बजे तक जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

### राहुल गांधी मामले में अगली सुनवाई 25 जून निधार्रित

सुलतानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में शुक्रवार को स्पेशल एमपी/एमएलए कोटर् में सुनवाई हुई। कोटर् ने मामले की पत्रावली तलब होने के बाद बहस के लिए अगली तारीख 25 जून निधार्रित की है। बताया जा रहा है कि पिछली सुनवाई 30 मई को स्पेशल कोटर् ने लोवर कोटर् से राहुल गांधी पर चल रहे मानहानि मुकदमे की पूरी पत्रावली तलब की थी। शुक्रवार को संबंधित फाइल कोटर् में पेश की गई, जिसके बाद मामले को बहस के लिए अग्रसारित कर दिया गया। यह मामला उस आदेश से जुड़ा है जिसमें पूवर् में लोवर कोटर् ने वादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष पाण्डेय की उस अपील को खारिज कर दिया था, जिसमें राहुल गांधी की कथित आवाज के नमूने (वॉयस सैंपल) और कोटर् में जमा सीडी की आवाज का विधि विज्ञान प्रयोगशाला से मिलान कराने की मांग की गई थी। लोवर कोटर् द्वारा अपील खारिज किए जाने के बाद वादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष पाण्डेय ने स्पेशल कोटर् में रिवीजन याचिका दाखिल की है, जिस पर अब सुनवाई चल रही है। गौरतलब है कि भाजपा नेता विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दजर् कराया था। वहीं मूल मानहानि मुकदमे में अगली सुनवाई 17 जून को निधार्रित है।

### कुमार विश्वास, भारती और सत्येंद्र जैन के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन मामले की सुनवाई टली

सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। एमपी-एमएलए कोटर् में कवि एवं नेता कुमार विश्वास, सोमनाथ भारती और सत्येंद्र जैन के खिलाफ चल रहे आचार संहिता उल्लंघन मामले में शुक्रवार को होने वाली सुनवाई टल गई। न्यायालय खाली रहने और जज के अवकाश पर होने के कारण सुनवाई नहीं हो सकी। अब मामले की अगली सुनवाई 20 जून को होगी। बताया जा रहा है कि पिछली 15 मई की तारीख पर भी तीनों आरोपियों को सम्मन तामील न होने के कारण सुनवाई आगे बढ़ा दी गई थी। इसके बाद बीते 30 अप्रैल को एमपी-एमएलए कोटर् ने तीनों के खिलाफ सम्मन जारी किया था। मामला वषर् 2014 के लोकसभा चुनाव से जुड़ा है। उस दौरान अमेठी से चुनाव लड़ रहे कुमार विश्वास के समथर्न में सत्येंद्र जैन और सोमनाथ भारती द्वारा बिना अनुमति चुनाव प्रचार किए जाने का आरोप है। इसी मामले में पुलिस ने आचार संहिता उल्लंघन का मुकदमा दजर् किया था।

## फंदे से लटका मिला दरोगा का शव, प्रताड़ना के आरोप पर इंस्पेक्टर लाइन हाजिर

कैनविज टाइम्स संवाददाता



बदायूं। जिला न्यायालय सुरक्षा में तैनात मेघश्याम गौतम (59) का शव बृहस्पतिवार सुबह उनके किराये के कमरे में फंदे से लटका मिला। मथुरा से आए परिजनों ने सुरक्षा प्रभारी इंस्पेक्टर शाहिद अली पर उन्हें ड्यूटी के दौरान तिलक लगाने के कारण प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। इस पर एसएसपी अंकिता शर्मा ने शाहिद अली को लाइन हाजिर कर जांच के आदेश दिए हैं। मथुरा के गोविंदनगर इलाके के गांव सकना निवासी मेघश्याम यहां एक साल से न्यायालय सुरक्षा में तैनात थे। वहां यहां सिविल लाइंस थाना क्षेत्र की मधुबन कॉलोनी में विकेश के मकान में किराये पर रह रहे थे। विकेश ने पुलिस को बताया कि बृहस्पतिवार सुबह मेघश्याम का फोन रिसीव न होने पर बेटी से उनकी बात कराने के लिए उन्होंने अपनी पत्नी प्रीति को ऊपर कमरे पर भेजा। बार-बार दरवाजा खटखटाने पर भी कोई जवाब न मिलने पर पुलिस को सूचना दी। सिविल लाइंस थाना प्रभारी ने पहुंचकर कमरे के दरवाजा को तोड़ा तो मेघश्याम का शव कमरे में ऊपर बने रोशनदान की सरिया में डाले गए फंदे से लटका मिला। सूचना पर एसएसपी, एसपी सिटी और सीओ सिटी भी मौके पर पहुंचे। पत्नी विमलेश, बेटे ब्रजनंद गौतम और मेघश्याम के साढू के बेटे अंकुर ने पुलिस अफसरों को बताया कि इंस्पेक्टर शाहिद से मेघश्याम बहुत परेशान थे। उन्होंने अंकुर को बताया था कि कहता है कि तिलक क्यों लगाते हो, ड्यूटी पर तिलक नहीं चलता। मैं राम-कृष्ण को नहीं मानता, वहीं अपने कमरे में फंदे से लटके मिले दरोगा मेघश्याम काफी समय से परेशान थे। इसलिए वह यहां से अपना स्थानांतरण कराने के प्रयास में जुटे हुए थे। पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचीं विमलेश ने बताया कि उनके पति मेघश्याम गौतम बताते रहते थे कि न्यायालय सुरक्षा प्रभारी शाहिद अली उन्हें उनके धर्म को लेकर प्रताड़ित करता है। वह कहता था कि तुम ये तिलक क्यों लगाते हो। बड़े बेटे ब्रजनंद गौतम उर्फ विनीत ने बताया कि पिता अपना स्थानांतरण कराने के लिए प्रयासरत थे। उन्होंने ट्रांसफर के लिए अलीगढ़ के सांसद से भी पत्र लिखवाया था। इस बार छुट्टी से लौटते वक्त वह पत्र भी साथ लेकर बदायूं आए थे। बेटे ने बताया कि वह जब पापा को मथुरा में रेलवे स्टेशन छोड़ने साथ आया तो उन्होंने कहा था कि सही से रहना और भाई का ध्यान रखना। वहीं भांजे अंकुर ने बताया- प्रताड़ना संबंधी कुछ कॉल रिकॉर्डिंग उनके पास हैं। बताया कि कुछ समय पहले एक होमगार्ड ने खुदकुशी कर ली थी। मौसा को डर था कि इसका आरोप उन पर न आ जाए। दरोगा मेघश्याम बुधवार रात ही घर से लौटे थे। सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय ने बताया कि मेघश्याम दो दिन का अवकाश लेकर 25 मई को गए थे। इसके बाद वह तीन जून को लौटे। बृहस्पतिवार को उन्हें ड्यूटी के लिए आमद दर्ज करानी थी, उससे पहले ही बृहस्पतिवार सुबह उनका शव उनके कमरे में फंदे के सहारे लटकता मिला। दरोगा के पैर जमीन पर टिके हुए और मुड़े हुए थे। इसे लेकर भी बेटे ने संदेह जाहिर किया। बेटे ने कहा कि जब कोई फंदा लगाकर खुदकुशी करता है तो उसके पैर और जमीन के बीच फासला रहना चाहिए। हालांकि जिस कमरे में दरोगा रहते थे, उसके दोनों दरवाजे अंदर से बंद थे। पुलिस ने ही दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकलवाया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में एंटीमोर्टम हैंगिग से मौत होने की पुष्टि हुई है। यह संकेत आत्महत्या ही बताता है। मृतक के परिजनों ने जो आरोप लगाए हैं, उनकी जांच हो रही है। परिवार की तरफ से तहरीर प्राप्त होते ही मामले में जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। -अंकिता शर्मा, एसएसपी

### तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत, एफआईआर दर्ज

पूरनपुर।पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई मामले में मृतक की पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ग्राम कढेरचौडा निवासी मीना देवी पत्नी स्वर्गीय अजयपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 5 मई 2026 की शाम करीब 7 बजे उनके पति अजयपाल घरेलू सामान लेकर पैदल घर लौट रहे थे आरोप है कि कढेरचौडा चौराहे के पास शेरु वर्मा मेडिकल स्टोर के सामने खुटार की ओर से तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रही टीवीएस बाइक संख्या ठद्य26इख्र 7675 ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी हादसे में अजयपाल के सिर, मुंह, पैर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं उन्हें पहले सरकारी अस्पताल पूरनपुर ले जाया गया, जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया बाद में बरेली के निजी अस्पतालों में उनका इलाज चला और जबड़े का ऑपरेशन भी कराया गया परिजनों के अनुसार 20 मई को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद 21 मई की शाम घर पर ही अजयपाल की मौत हो गई अंतिम संस्कार के बाद पत्नी मीना देवी ने कोतवाली पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# एक पेड़ मां के नाम,एसपी ने विश्वपर्यावरण दिवस पर रिजर्व पुलिस लाइन में किया वृक्षारोपण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल व वामा सारथी की अध्यक्षा डॉ.तन्वी जायसवाल द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन गोंडा में स्थित ओपन जिम, चिल्ड्रेन पार्क परिसर में वृक्षारोपण किया गया।इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्ष ण एवं संवर्धन हेतु अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया।

पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के द्वारा बता या गया कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं तथा स्वच्छ वायु, जल संरक्षण, जैव विविधता एवं पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने सभी उपस्थि त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील की कि वे अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं तथा उसकी देखभाल का संकल्प लें।पर्या वरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित न रह कर हमारी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनना चा हिए।प्रत्येक व्यक्ति द्वारा लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित भ विष्य का निर्माण कर सकता है।कार्यक्रम के दौरा न एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के अंतर्गत पौधा रोपण कर समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति ज न-जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया।इस अ भियान का उद्देश्य लोगों को अपनी माताओं के स म्मान एवं प्रकृति के संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाना है।कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्ष क पूर्वी अजीत कुमार रजक,प्रतिसार निरीक्षक अ जय प्रताप सिंह व पुलिस लाइन के अधिकारी एवं कर्मचारिओ के द्वारा भी पौधारोपण किया गया त था पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया।

# धूमधाम से मनाया गया मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ का जन्मदिन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । बेलसर ब्लॉक क्षेत्र के लौव्वा टेपरा स्थित अ थरिष्ट फॉर्मर प्रोड्यूसर कंपनी के सीईओ कुलदीप मिश्रा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन मनाया गया।इस अवसर पर वक्ताओं ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में हुए विकास कार्यों की चर्चा की।कुलदीप मिश्रा ने कहा कि प्रदेश सर कार सभी वर्गों के हितों का ध्यान रखते हुए कृषि क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रही है।कार्यक्रम में मनीष तिवारी,विनय पाठक, गो लू,आशीष मिश्रा,राम सरन मिश्रा,मुकेश शुक्ल, च तुर दूबे, खनक मिश्रा, संदीप पांडेय, पवन तिवारी और संजय उपाध्याय सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

# मर्चरी में पड़ी रही मां की लाश, अपनों ने मुंह मोड़ा हिंदू संगठनों ने बेटे से कराया दाह संस्कार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिला मेडिकल कॉलेज में कल गुरुवार को 35 वर्षीय गीता देवी (निवासी मया बाजार, अयो ध्या)की इलाज के दौरान मौत हो गई थी।अस्पता ल में उनके साथ केवल उनका सात साल का बेटा अर्पित मौजूद था।मां की मौत के बाद अर्पित चौबी स घंटे तक उनके अंतिम संस्कार के लिए मदद का इंतजार करता रहा।अर्पित अपने परिवार के बारे में कोई जानकारी नहीं दे पा रहा था।सूचना मिलने प र नगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अर्पित को अपने साथ कोतवाली ले गई और गीता के शव को मोर्चरी में रखवा दिया।पुलिस इस माम ले की जांच कर रही थी।चौबीस घंटे के इंतजार के बाद शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद,बजरंग दल औ र सनातन समिति के सदस्य आगे आए।उन्होंने गों डा मेडिकल कॉलेज के मोर्चरी हाउस पहुंचकर गी ता के शव को अंतिम संस्कार के लिए सात वर्षीय अर्पित के साथ कच्चे बाबा गोंडा ले गए।कच्चे बा बा घाट पर सात वर्षीय अर्पित ने ही अपनी मां गी ता का विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया है।

जानकारी के अनुसार,गीता ने नव साल पहले अप ने घर से भागकर दिनेश उर्फ प्रदीप कुमार से शादी की थी।वे दोनों साथ रह रहे थे।दो साल पहले, प्रदी प कुमार ने गीता को छोड़कर दूसरी शादी कर ली थी।इसके बाद गीता अपने पुत्र अर्पित के साथ अ केली रह रही थीं।गुरुवार को अर्पित अपनी मां गी ता के साथ लुधियाना से ट्रेन द्वारा गोंडा रेलवे स्टेश न पहुंचा था।कि वे रोडवेज बस स्टॉप से अयोध्या जाने की तैयारी कर रहे थे,तभी गीता की तबीयत बिगड़ गई।तत्काल अर्पित ने स्थानीय लोगों से मद द की गुहार लगाई।स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस बुला कर गीता को गोंडा मेडिकल कॉलेज भिजवा दिया था जहां इलाज के दौरान कल मौत हो गई थी।

# विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण, दूसरी ओर हरे पेड़ों पर चल रहा आरा, वन विभाग पर उठे सवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । एक ओर प्रदेश और देश भर में विश्व पर्यावर ण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदे श देते हुए करोड़ों पौधे लगाने के दावे किए जा रहे हैं,वहीं दूसरी ओर गोंडा जनपद के कौड़ियां बाजार थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित हरे पेड़ों की कटान का मा मला सामने आने से सरकारी दावों पर सवाल खड़े होने लगे हैं।स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि वन विभाग और पुलिस की कथित मिलीभगत के चलते क्षेत्र में खुलेआम हरे पेड़ों पर आरा चलाया जा रहा है।मामला थाना कौड़ियां बाजार क्षेत्र की ग्राम पंचायत सिसैया से जुड़ा है।ग्रामीणों के अनु सार गांव के पश्चिमी किनारे स्थित क्षेत्र में हाल ही में कई हरे और फलदार पेड़ों की कटान की गई है। आरोप है कि यहां चार हरे गूलर के पेड़ तथा चार फलदार फरेंद के पेड़ों को काट दिया गया।ग्रामीणों का कहना है कि जिन पेड़ों की कटान की गई है, वे वर्षों पुराने थे और स्थानीय पर्यावरण संतुलन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जहां सरकारी विभाग पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हरे-भरे पेड़ों की कटान रोकने में संबंधित विभाग पूरी तरह विफल दिखाई दे रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो क्षेत्र में हरियाली तेजी से समाप्त होती जाएगी और पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचेगा। स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि बिना विभागीय संरक्षण के इतनी बड़ी संख्या में हरे पेड़ों की कटान संभव नहीं है। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि पर्यावरण संरक्षण को लेकर सरकार गंभीर है तो अवैध कटान में शामिल लोगों के साथ-साथ जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। विश्व पर्यावरण दिवस पर एक ओर पौधारोपण और हरियाली बढ़ाने के संकल्प लिए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सिसैया गांव में सामने आया यह मामला पर्यावरण संरक्षण की जमीनी हकीकत पर बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा कर रहा है।अब देखना यह होगा कि संबंधित विभाग इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और अवैध कटान पर रोक लगाने के लिए क्या कदम उठाते हैं।

# एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत एक साथ 08 लाख से अधिक लगाए गए पौधे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। पर्यावरण दिवस पर विकास खंड ददरौल के संविलयन विद्यालय में वन विभाग एवं जिला गंगा समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार तथा जनपद के प्रभारी मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने हरिशंकरी पौधा लगाकर वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया। साथ ही विभिन्न पर्यावरण संबंधित चित्रकला एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में विजयी बच्चों को उपहार देकर पुरस्कृत किया और स्कूली बच्चों एवं कार्यक्रम में आए लोगों को फलदार पौधे वितरित किए। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में 5 जून से 21 जून तक जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत सभी ब्लॉकों में जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई जाएगी तथा प्रबुद्धजनों के साथ बैठक कर देश के विकास से जुड़े विषयों पर चिंतन मनन किया जाएगा। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की अपील की और कहा कि पौधे लगाकर उन्हें सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। बताया कि जनपद में आज एक साथ 08 लाख से अधिक पौधों का वृक्षारोपण किया जा रहा है और इस वर्ष जनपद को 44 लाख से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जबकि प्रदेश में एक ही दिन में 05 करोड़ पौधों का वृक्षारोपण किया जा रहा है तथा प्रदेश स्तर पर 37 करोड़ से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित है। विशिष्ट अतिथि ददरौल विधायक अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि परिवार में जन्मदिन जैसे विशेष अवसरों पर भी पौधारोपण अवश्य करना चाहिए और उनका संरक्षण भी करना जरूरी है। डीएम ने कहा कि गत वर्ष जनपद में सहजन वन विकसित किया गया था, जबकि इस वर्ष बजरंग वन विकसित किया जाएगा। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष केसी मिश्रा, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष डीपीएस राठौर, महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, मुख्य विकास अधिकारी, एसपी सिटी, प्रभागीय वनाधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड विकास अधिकारी आदि मौजूद रहे।

# एसएसबी नानपारा का हरित अभियान, जवानों और ग्रामीणों ने मिलकर लगाए पौधे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 59वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), नानपारा द्वारा वृहद महा-वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान वाहिनी मुख्यालय सहित सभी अधीनस्थ सीमा चौकियों पर कमांडेंट कैलाश चन्द रमोला के निर्देशन में संपन्न हुआ। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा हरित एवं सतत भविष्य के निर्माण में समाज की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था। वाहिनी मुख्यालय नानपारा में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में अधिकारियों, जवानों एवं 'संदीक्षा' की सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण किया। इस अवसर पर वृक्षों के महत्व, जैव विविधता संरक्षण, जलवायु संतुलन तथा स्वच्छ पर्यावरण की आवश्यकता पर चर्चा की गई। साथ ही सभी ने रोपे गए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान भारत सरकार की लाइफ पहल के उद्देश्यों के प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया।अधिकारियों एवं जवानों ने स्थानीय नागरिकों और स्कूली बच्चों को पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। अधीनस्थ सीमा चौकियों पर भी जवानों ने स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से सघन वृक्षारोपण किया।सीमावर्ती क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पौधे रोपे गए तथा उनकी सुरक्षा और देखभाल सुनिश्चित करने के लिए सामुदायिक सहभागिता पर विशेष बल दिया गया। इस अवसर पर कमांडेंट कैलाश चन्द रमोला ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने तथा भावी पीढ़ियों के लिए प्रकृति को सुरक्षित रखने का आह्वान किया। यह महा-वृक्षारोपण अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। साथ ही इसके माध्यम से सशस्त्र सीमा बल और सीमावर्ती नागरिकों के बीच आपसी विश्वास, सहयोग एवं जन-सहभागिता को और अधिक मजबूती मिली।

# विश्व पर्यावरण दिवस पर नानपारा में वृक्षारोपण अभियान, बच्चों को दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर तहसील नानपारा अंतर्गत नानपारा रेंज द्वारा अगैय्या स्थित श्री कृपाराम जनजागृति हाई स्कूल परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय वन अधिकारी पीयूष गुप्ता ने की, जबकि मुख्य अतिथि 42वीं वाहिनी एसएसबी के कमांडेंट गिरीशचंद्र चंद्र पांडेय रहे। कार्यक्रम के दौरान कमांडेंट गिरीशचंद्र चंद्र पांडेय ने सहजन का पौधा रोपित कर विद्यार्थियों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग के जिलाध्यक्ष कृपाराम वर्मा ने भी पौधारोपण कर बच्चों को आशीर्वाद दिया। क्षेत्रीय वन अधिकारी पीयूष गुप्ता ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सहजन, आंवला, आम और अमरूद जैसे वृक्ष मानव जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। इनका रोपण करने के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल भी आवश्यक है। विद्यालय के प्राचार्य कृपाराम गुप्ता ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। वहीं विद्यालय प्रबंधन की ओर से कार्यक्रम में शामिल डिप्टी रेंजर अमित कुमार वर्मा, अध्यापक शिवा सोनी, अमित, राम निवास यादव तथा प्रमोद यादव सहित अन्य सहयोगियों को एक-एक पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया।

## ग्राम पंचायतों में कार्यकाल खत्म होने से पहले हुए भारी भुगतान जांच के घेरे में, सीडीओ अभिषेक कुमार ने कसा शिकंजा

लखीमपुर खीरी कैनविज टाइम्स संवाददाता। ग्राम प्रधानों के कार्यकाल समाप्त होने से ठीक पहले हुए पंचायतों के भारी-भरकम भुगतान अब जांच के घेरे में हैं। सीडीओ अभिषेक कुमार ने मई माह के भुगतान की समीक्षा के बाद कई ग्राम पंचायतों को रडार पर ले लिया है। इसी कड़ी में उन्होंने ब्लॉक लखीमपुर की ग्राम पंचायत मनिकापुर में औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। निरीक्षण के दौरान गांव की हालत देखकर सीडीओ खुद सख्त नजर आए। जगह-जगह फैली गंदगी, बदहाल जल निकासी व्यवस्था और महीनों से निष्क्रिय पड़ी पाइपलाइन ने विकास कार्यों की हकीकत बयां कर दी। टंकी कनेक्शन न मिलने पर संबंधित विभाग को कड़ी फटकार भी लगाई गई। इसी बीच करीब पांच लाख रुपये की लागत से बने चबूतरे पर भी सवाल खड़े हो गए। कार्य की गुणवत्ता और वास्तविकता पर संदेह जताते हुए सीडीओ ने तकनीकी टीम से पुनः माप और जांच कराने के निर्देश दिए। दो दिन में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत अधिकारी हिमांशु वाजपेई को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, साथ ही जांच पूरी होने तक उनका वेतन रोकने के निर्देश दिए गए हैं। यदि अनियमितता सिद्ध होती है तो निलंबन तय माना जा रहा है। सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि पंचायतों में हुए कार्यों और भुगतानों की जांच का अभियान लगातार जारी रहेगा। सरकारी धन के दुरुपयोग और गुणवत्ता से समझौता करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

## सम्पूर्ण समाधान दिवस आज

बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता । जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से माह के प्रथम व तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस की कड़ी में माह जून के प्रथम शनिवार 06 जून 2026 को तहसील मिहींपुरवा में जिलाधिकारी तथा तहसील महसी में अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित होगा। शेष तहसीलों में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता सम्बन्धित उप जिलाधिकारी करेंगे।

## अधिग्रहित भूमि के स्वामी 25 जून को प्रस्तुत करें दावा

बहराइच । परियोजना निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा जनपद बहराइच में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-927 (बाराबंकी-बहराइच सेक्शन) का फोरलेन चौड़ीकरण/निर्माण प्रस्तावित है। प्रस्तावित निर्माण के भू-अधिग्रहण प्रस्ताव मे जनपद बहराइच की तहसील कैसरगंज के 52 ग्रामों मे राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 की धारा 3डी का प्रकाशन भारत के राजपत्र मे 18 मार्च 2026 को हुआ है। भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना में तहसील कैसरगंज के ग्राम चकपिहानी, विजयपुर, करीम बेहड़, अब्दुल्ला बेहड़, देवलखा, अयनी, मेदवापुर, भखरौली कनपुरवा, नरेन्द्र पुर, सिदरखा, भकला, रुकनापुर खुर्द, लालपुर जलालपुर, परसेंडी, बेदौरा, टेण्डवा उजार, गजाधरपुर, अजीजपुर, अरईकला, महमूदपुर, शिवराजपुर, खालिदपुर, खपुरवा, घासीपुर, इंदूर, अंगनापारा, हैबतपुर, माधवपुर, मलूकपुर, मरौचा, अलादादपुर, कीर्तनपुर की भूमि प्रभावित है। यह जानकारी देते हुए सक्षम प्राधिकारी (भूमि अध्याप्ति) बहराइच राजेश प्रसाद ने बताया कि योजना में प्रभावित भूखण्ड के हितबद्ध व्यक्ति 25 जून 2026 को पूर्वान्ह 11:00 बजे कपूरथला परिसर स्थित सक्षम प्राधिकारी (भूमि अध्याप्ति)/विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी, बहराइच के कार्यालय में उपस्थित होकर अपना क्लेम (दावा) प्रस्तुत कर सकते हैं।

# सरयू नदी के पावन तट पर स्थित श्री मरीमाता मन्दिर परिसर पर आयोजित हुआ पर्यावरण दिवस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आगामी 7 जून, 2026 को केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 5 से 21 जून, 2026 तक जनपद के समस्त विकास खण्डों एवं नगरीय निकायों में आयोजित होने वाले समेकित जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान अन्तर्गत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सम्पूर्ण जनपद में मा. प्रधानमंत्री जी की अपील के अनुसार ''एक पेड़-माँ के नाम'' अभियान संचालित किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस पर विकास खण्डों एवं नगर निकायों विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। विशेष रूप से अमृत सरोवरों, तालाबों, सड़कों, एक्सप्रेस-वे, नदी एवं नहरों के किनारे बड़ी संख्या पौण लगाये गये। इस कार्य में मा. जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ अधिकारियों एवं कर्मचारियों, शिक्षण संस्थाओं, स्वयं सहायता समूहों एवं सामाजिक संगठनों, ग्राम प्रधानों के साथ-साथ आमजन द्वारा सक्रिय सहभागिता की गयी। जनपद में मुख्य समारोह सरयू नदी के पावन तट पर स्थित श्री मरी माता मन्दिर के परिसर में आयोजित हुआ। जहां पर मुख्य अतिथि सांसद बहराइच डॉ. आनन्द कुमार गोंड, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह, एम.एल.सी. डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, विधायक नानपारा राम निवास वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश पाण्डेय, विधायक सदर श्रीमती अनुपमा जायसवाल के प्रतिनिधि अशोक जायसवाल, विधायक बलहा श्रीमती सरोज सोनकर के प्रतिनिधि आलोक जिंदल सहित जनप्रतिनिधियों व गणमान्यजन, प्रभागीय वनाधिकारी बहराइच सुंदरेशा, मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता, अधि.अधि. नगर पालिका परिषद बहराइच प्रतिमा सिंह, जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी, क्षेत्रीय वन अधिकारी रेन्ज बहराइच मो. शाकिब सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी, बड़ी संख्या में उपस्थित आमजन, महिलाओं एवं बच्चों द्वारा स्थानीय एवं पारम्परिक प्रजातियों तथा फलदार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया।

इसी प्रकार बहराइच वन प्रभाग अन्तर्गत विभिन्न रेन्जों में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान अन्तर्गत वृहद स्तर पर पौधरोपण किया गया तथा पर्याचरण संरक्षण के उद्देश्य से जागरूकता रैली भी निकाली गईं।

### एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रोपे गये पौधे

### जनप्रतिनिधि ने अधिकारियों व आमजन के साथ किया पौधरोपण

### पर्यावरण संरक्षण का लिया गया संकल्प

# पर्यावरण दिवस पर राज्यमंत्री एवं डीएम एसपी ने किया वृक्षारोपण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह एवं जिलाधिकारी संजय चौहान, पुलिस अधीक्षक सरवणन टी व मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू ने विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण कर जनपद वासियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने जनपद वासियों से अपील करते हुए कहा कि इस वर्षाकाल में अधिक से अधिक पौधों को लगाएं और उनकी उचित देखभाल भी करें, पर्यावरण को सुरक्षित रखने के साथ साथ स्वस्थ रहने के लिए हमारे जीवन में वृक्षों का अमूल्य योगदान है जीवन को सुरक्षित रखने के लिए हम सब अधिक से अधिक पेड़ लगाए और उसकी देखभाल भी करें। प्रदेश सरकार के चिकित्सा शिक्षा स्वास्थ्य राज्यमंत्री एवं तिलोई के विधायक राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने पर्यावरण दिवस पर विकास क्षेत्र सिंहपुर की ग्राम पंचायत महिया सिंदुरिया में वृक्षारोपण किया और स्कूली बच्चों सहित दर्जनों लोगों को पौधे वितरित किया। राज्यमंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह ने समस्त जनपद वासियों से एक पेड़ मां के नाम लगाने का आवाह्न किया। जिलाधिकारी संजय चौहान ने कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि पौधारोपण करना एवं उनकी रक्षा करना हम सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है पेड़-पौधों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती, पौधे जब बड़े होते हैं तो फल, फूल एवं छाया सहित जीवन जीने के लिए ऑक्सीजन देते हैं।उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों को अपने जीवन काल में अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिये।पर्यावरण संरक्षण का दायित्व प्रत्येक नागरिक का है हमारे पूर्वजों द्वारा लगाये गये वृक्षों का लाभ हमें मिल रहा है और जिसके कारण हमारे आसपास हरियाली दिख रही है पर्यावरण को बचाना हम सबकी महती जिम्मेदारी है पौधे लगाकर हम अपने वर्तमान के साथ ही भविष्य को भी संरक्षित करते हैं। इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख तिलोई के प्रतिनिधि कृष्ण कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह,अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योति सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक अमृता सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी रणवीर मिश्र सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# वक्फ इमामबाड़ा में धूम-धाम से मनाया गया ईद-ए-गदीर का पवर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोसाईगंज/सुल्तानपुर। वक्फ इमामबाड़ा हयातनगर में मोमनीन हयातनगर की जानिब से जश्ने ईद ए गदीर का आयोजन किया गया। राहगीरो को मिठाई, फल, शरबत, पानी कोलड्रिंक, आइक्रीम, आदि चिजो का बितरण किया गया और मौलाना बादशाह हुसैन नजफी ने नमाज अदा कराई और उन्होंने गदीर के बारे में लोगो को बताते हुए कहा की आज के ही दिन हजरत मोहम्मद साहब ने गदीर के मैदान में सवा लाख हाजीयो के बीच अपने दामाद हजरत अली को अपना उत्तराधिकारी बनाया और उन्होंने हजरत अली का हाथ उठा कर लोगो से कहा आज से जिस जिस का मै मौला उसके अली मौला मौलाना ने कहा ईदें गदीर ईदें अकबर है यानी सबसे बड़ी ईद है जिसमे आलमदार मेंहदी, जैन मेंहदी, नजफ हैदर, नयाब हैदर, आमिर,शेखू, फैमी, शेरु, आदि बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। यह जानकारी कमेटी तमन्ना ए मूसा के अध्यक्ष कायम मेंहदी चाँद ने दीं।

## जायस पुलिस ने आरेंद्र की हत्या का चंद घंण्टों में कर दिया खुलासा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

### पुलिस ने घटना में प्रयुक्त बांका बरामद कर एक बाल अपचारी को निगरानी में लिया

अमेठी,थाना जायस पुलिस व स्वाट टीम अमेठी ने गांव पूरे बख्शी मजरे बहादुरपुर में हुई पन्द्रह वर्षीय किशोर की गला रेतकर हत्या का खुलासा कर दिया है और एक बाल अपचारी को नियमानुसार निगरानी में लिया गया जिसके कब्जे से आलाकत्ल एक बांका बरामद किया गया है। थाना जायस पर शुक्रवार को जागेश्वर पुत्र राम लौटन निवासी ग्राम पूरे बक्शी थाना जायस द्वारा लिखित तहरीर दी गयी कि उसके पुत्र आरेन्द्र उम्र करीब पन्द्रह वर्ष की हत्या उनके ही गांव के नामित आरोपियों द्वारा कर दी गई है।उक्त सूचना पर थाना जायस पर अभियोग दर्ज किया गया और पुलिस टीम हत्या के खुलासे में लग गई।पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर स्थानीय पुलिस द्वारा क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में शुक्रवार को क्षेत्राधिकारी दिनेश कुमार मिश्र के कुशल नेतृत्व में थाना जायस के प्रभारी निरीक्षक अमरेंद्र सिंह मय हमराह द्वारा संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन की चेकिंग की जा रही थी इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर हत्या के मामले से संबन्धित एक नफर बालअपचारी को नसीराबाद रोड गंगाराम पुरवा मोड़ के पास एक बाग से नियमानुसार निगरानी में लिया गया।जानकारी करने पर बाल अपचारी ने बताया कि करीब दो माह पहले मृतक के परिवार वालों ने उसके पिता हीरालाल को मारा पीटा था जिससे उसके मन में बदला लेने की भावना आ गई थी। गुरुवार को को उसके पड़ोस में बर्थडे का निमंत्रण था जिसमें आरेन्द्र भी आया हुआ था उसी दौरान मृतक को शौच के बहाने बाग की तरफ ले जाकर पहले से छिपाये हुये बांका से गर्दन पर वार कर दिया था जिससे आरेन्द्र की मृत्यु हो गई जिसके खून के छीटें उसके कपड़े पर भी आ गये थे खून लगे कपड़े व बांका को थोड़ी दूर पर छिपाकर मौके से भाग गया था। बाल अपचारी के निशानदेही पर आलाकत्ल एक अदद बांका व रक्तरंजित कपडे (बालअपचारी के) बरामद किया गया। थाना जायस पुलिस द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

# एक पत्रकार-एक पेड़ अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। विश्व पयार्वरण दिवस के अवसर पर जनर्लिस्ट कौंसिल आफ इंड़िया की मुहिम एक पत्रकार-एक पेड़ के अंतगर्त सुल्तानपुर जनपद में हनुमान घाट, बढ़ैयाबीर में वृहद वृक्षारोपण कायर्क्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संगठन के मण्डल महासचिव नीरज तिवारी एवं जिलाध्यक्ष रामानन्द मिश्रा ने किया।

कायर्क्रम में जिले के दजर्नों पत्रकारों, सामाजिक कायर्कताओं एवं सम्भ्रांत नागरिकों ने उत्साहपूवर्क सहभागिता निभाई और पयार्वरण संरक्षण का संकल्प लिया। उपस्थित लोगों ने पौधरोपण कर पयार्वरण को सुरक्षित रखने तथा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण देने का संदेश दिया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रामानन्द ने कहा कि आगामी 11 जुलाई को जिले से लेकर तहसील ब्लॉक स्तर पर संगठन के सभी सदस्य अपने अपने क्षेत्र में पौध रोपड़ करेंगे इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवतर्न के दौर में वृक्षारोपण ही सबसे बड़ा समाधान है। एक पत्रकार-एक पेड़ अभियान समाज में जागरूकता फैलाने का महत्वपूणर् माध्यम बन रहा है। पत्रकार केवल खबरों तक सीमित न रहकर सामाजिक जिम्मेदारियों का भी निवर्हन कर रहे हैं। कायर्क्रम में उपस्थित पत्रकार शरद श्रीवास्तव, फरीद अहमद 'अशीर्', ज्ञानेंद्र तिवारी, राकेश शमार्, आर के मौयार्, रामराज पाण्डेय, कृतेश सेन, कोषाध्यक्ष रणविजय सिंह विकास मिश्रा, श्रवण शमार्, कमलनयनम तिवारी, इन्द्रनारायण तिवारी, दीपक मिश्रा, विजय प्रकाश तिवारी, अंकित राय, अनिल निषाद, ओम प्रकाश वमार्, विजयधर पाठक द्वारा लोगों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने, उनकी देखभाल करने तथा पयार्वरण संरक्षण की मुहिम को सवर्समाज में बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने यह संकल्प लिया कि 'पेड़ हैं तो प्राण हैं, पयार्वरण है तो जीवन है।

# पयार्वरण दिवस और सीएम योगी का जन्मदिन पर किया वृक्षारोपण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। विश्व पयार्वरण दिवस और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन के पावन अवसर पर सुलतानपुर में अनोखा संगम देखने को मिला। प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ ने सीएम योगी के जन्मदिन को पयार्वरण संरक्षण के संकल्प से जोड़ते हुए वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया।

जिलाध्यक्ष वृजेश पाण्डेय के नेतृत्व में संघ के जिला एवं ब्लॉक पदाधिकारियों ने पुलिस लाइन परिसर स्थित प्राथमिक विद्यालय में पौधे रोपकर मुख्यमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान सभी ने सीएम योगी के उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु की कामना की। जिलाध्यक्ष वृजेश पाण्डेय ने कहा, आज दोहरी खुशी का दिन है। एक तरफ विश्व पयार्वरण दिवस है, दूसरी तरफ हमारे लोकप्रिय मुख्यमंत्री का जन्मदिन। इसलिए हमने तय किया है कि जनपद का हर शिक्षा मित्र आज अपने घर पर कम से कम एक पौधा जरूर लगाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कुल 1 लाख 47 हजार शिक्षा मित्र हैं। यदि हर साथी एक पौधा लगाता है तो अकेले शिक्षा मित्र संघ के प्रयास से पूरे उत्तर प्रदेश में एक दिन में 1.47 लाख नए पौधे लग जाएंगे। यह मुख्यमंत्री जी के लिए सबसे साथर्क उपहार होगा। वृक्षारोपण कायर्क्रम में जिला एवं ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों की बड़ी भागीदारी रही। महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष प्रांजली श्रीवास्तव, जिला महामंत्री पवन कुमार, कोषाध्यक्ष रामप्रसाद मिश्र, उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार दूबे सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

# सुभाषापा की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी पीलीभीत द्वारा कैफ रजा कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि की अध्यक्षता में आयोजित संगठन समीक्षा बैठक ग्राम चंदौई में हुई बैठक में तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे कैफ रजा कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि ने कहा माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर जी के निर्देश अनुसार संगठन समीक्षा बैठक की जा रही है।पार्टी कार्यकर्ता जमीन स्तर पर काम कर रहे हैं जनता के बीच रह के आज यही वजह है हमारी पार्टी से गरीब पिछड़े दलित वंचित अल्पसंख्यक सभी लोग बड़ी संख्या में जोड़ रहे हैं। हमारी पार्टी का संगठन विधानसभा से लेकर बुत स्तर तक मजबूत है और कहां समाजवादी पार्टी ने अल्पसंख्याको पिछड़े मुसलमानों को ठगने का काम किया है मुसलमानों ने उत्तर प्रदेश में चार बार समाजवादी पार्टी की सरकार बनवाई मुसलमान को कोई नौकरी नहीं दी गई ना ही कोई रोजगार दिया गया किसी मुसलमान को डिप्टी सीएम भी नहीं बनाया सिर्फ एक बिरादरी के लिए काम किया हमारा गठबंधन भारतीय जनता पार्टी के साथ है हम मिलकर 27 के चुनाव में एक बड़ी जीत जीतेंगे एक बार फिर दोहराएंगे बैठक में मुख्य रूप से राजू वर्मा पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष, अजहर खान मंडल अध्यक्ष, मीडिया प्रभारी अवधेश यादव ,पिछड़ा वर्ग मंडल अध्यक्ष शिविल खान,मंडल अध्यक्ष युवा मंच वेद प्रकाश,इरफान, राजेंद्र कुमार ,जीशान जुल्फिकार अली, होरीलाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे हैं।

# जायस में पन्द्रह वर्षीय किशोर की गला रेतकर हत्या

कैनविज टाइम्स संवाददाता

### मृतक का शव घर से सौ मीटर की दूरी पर स्थित खेत में मिलने से फैली सनसनी

### गांव के तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूंछतांछ में जुटी पुलिस

अमेठी । थाना जायस क्षेत्र के पूरे बख्शी मजरे बहादुरपुर में शुक्रवार सुबह एक पन्द्रह वर्षीय किशोर की गला रेतकर हत्या कर दी गई है। शुक्रवार की सुबह मृतक का शव घर से करीब सौ मीटर की दूरी पर स्थित खेत में मिलने से सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ ही आला अधिकारियों ने घटना स्थल का निरीक्षण कर मातहतों को दिशा निर्देश दिया है फिलहाल पुलिस गांव के ही तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूंछतांछ में जुटी हुई है।थाना क्षेत्र के गांव पूरे बख्शी मजरे बहादुरपुर निवासी आरेन्द्र कुमार गुरुवार की शाम को अपने पड़ोस में ही अमृत लाल के यहां आयोजित जन्मदिवस समारोह में शामिल होने गया था जहां पर देर रात तक डीजे पर गाना चल रहा था लेकिन वह रात में वापस घर नही लौटा। शुक्रवार की सुबह करीब छह बजे घर से करीब सौ मीटर की दूरी पर स्थित खेत में उसका शव मिला जिसके गले में चोट के निशान पाये गये जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि उसकी गला रेतकर हत्या कर दी गई है। बताते चलें कि मृतक ई रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। इस घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने मौके पर पहुंचकर शव की शिनाख्त करते हुये फफक कर रो पड़े। ग्रामीणों की सूचना के बाद थाना जायस के प्रभारी निरीक्षक अमरेंद्र सिंह मय दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल पर पहुंचकर साक्ष्य संकलन किया।अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार सिंह एवं क्षेत्राधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा ने घटना स्थल का निरीक्षण कर मातहतों को दिशा निर्देश दिया है। इस सम्बंध में अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्जकर हिरासत में लेकर पूंछतांछ की जा रही है।

# विश्व पर्यावरण दिवस पर सरस्वती शिशु मंदिर में हुआ पौधरोपण

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय बजरंग वाहिनी के तत्वावधान में सरस्वती शिशु मंदिर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं अधिक से अधिक वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करना था।कार्यक्रम में संगठन के नगर प्रमुख शिवम सिंघल, ब्लॉक उप प्रमुख विशाल भारती, अमित पाल, मोनू शर्मा, प्रतीक खंडेलवाल, सूरज यादव, शिव यादव सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेविका संगीता सिंघल का विशेष सहयोग रहा। सभी ने मिलकर विद्यालय परिसर में आम, नीम, पीपल और अशोक के पौधे रोपे।विद्यालय के प्रधानाचार्य ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं। बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग से बचने का एकमात्र उपाय अधिक से अधिक वृक्ष लगाना है। उन्होंने सभी छात्रों और कार्यकर्ताओं को पौधे लगाने के साथ उनकी देखभाल करने के लिए भी प्रेरित किया। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने हर घर एक पेड़ लगाने का संकल्प लिया। उक्त जानकारी हिमांशु प्रताप सिंह मीडिया प्रभारी अखिल भारतीय बजरंग वाहिनी ने दी। उन्होंने बताया कि संगठन द्वारा लगातार पर्यावरण संरक्षण के लिए अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी ऐसे कार्यक्रम जारी रहेंगे।

## सपा के सेक्टर प्रभारियो की बैठक आयोजित, कार्यकर्ताओं को एकजुटता का मंत्र

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। समाजवादी पार्टी की जोन एवं सेक्टर प्रभारी समीक्षा बैठक पूरनपुर स्थित एक बैंकट हॉल में आयोजित की गई। बैठक में मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी अरशद ने की।बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह ने कहा कि सभी साथियों को सजग रहना होगा। कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर घर-घर, गांव-गांव जाना होगा। पार्टी में एकजुटता लानी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जिसे भी टिकट देंगे, सभी कार्यकर्ता उसे ही अपना प्रत्याशी मानेंगे। यह हर कार्यकर्ता का दायित्व है।यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अरविंद यादव ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की जान हैं। हर कार्यकर्ता अखिलेश यादव की नजर में महत्व रखता है। बैठक में जोन और सेक्टर प्रभारियों के कार्यों की समीक्षा की गई।समीक्षा बैठक में जिला अध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा, पूर्व जिला अध्यक्ष उमाशंकर यादव, राजकुमार राजू, आरती देवी, प्रदीप सोनकर, तौफीक अहमद कादरी, पवन यादव, अफजाल अंसारी, नोमान अली वारसी, संजय खान, पूर्व विधायक अरशद खान, ओम शर्मा, अहीद खान, अजय भारती, कल्याण सिंह सरोज, अशोक सिंह समेत कई नेताओं ने अपने विचार रखे। सभी ने आगामी चुनाव की तैयारियों पर जोर दिया।

## विश्व पर्यावरण दिवस पर इक्कोतरनाथ मंदिर में स्वास्थ्य एवं जनकल्याण शिविर, डीएम ने दिया 'मां के नाम एक पेड़' लगाने का संदेश

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इक्कोतरनाथ मंदिर प्रांगण में आयोजित प्रशासनिक वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा जनसेवा शिविर लगाकर लोगों को योजनाओं और स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्रदान किया गया कार्यक्रम में कृषि विभाग, समाज कल्याण विभाग, विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग ने अलग-अलग कैंप लगाकर आमजन को जानकारी एवं सेवाएं उपलब्ध कराईं इस दौरान जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मां के नाम पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे जीवन का आधार हैं और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए पर्यावरण संरक्षण बेहद जरूरी है जिलाधिकारी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस पर शुभकामनाएं भी दीं और कहा कि सरकार लगातार पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण के क्षेत्र में कार्य कर रही है कार्यक्रम में सीडीओ, सब डीएफओ, उपजिलाधिकारी पूरनपुर, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह, विधायक बाबूराम पासवान, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष राज शर्मा, आशीष यादव, दुष्यंत मौर्य, ठाकुरदास, चंद्र किशोर, नीलम, मोनिका सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे है।

## मुख्यमंत्री के आदेशों को ठेंगा दिखा रहे खनन माफिया, सेहरामऊ उत्तरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। सेहरामऊ उत्तरी थाना क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खनन माफियाओं पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है मुख्यमंत्री के सख्त निर्देशों के बावजूद क्षेत्र में लगातार चल रहे अवैध खनन पर पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाया कार्रवाई के दौरान अवैध मिट्टी खनन में लगी दो ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके से पकड़ लिया गया पुलिस की अचानक हुई इस कार्रवाई से अवैध खनन कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया बताया जा रहा है कि लंबे समय से क्षेत्र में रात के अंधेरे में मिट्टी खनन का खेल चल रहा था, जिसकी शिकायतें लगातार प्रशासन तक पहुंच रही थीं इसके बाद पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए कार्रवाई को अंजाम दिया थाना पुलिस द्वारा पकड़े गए वाहनों की सूचना तत्काल राजस्व विभाग को दे दी गई है अब संबंधित विभाग द्वारा जांच कर आगे की विधिक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में लगातार अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई की जाएगी स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि यदि इसी तरह लगातार कार्रवाई होती रही तो क्षेत्र में अवैध खनन पर काफी हद तक रोक लगाई जा सकती है।

## पर्यावरण संरक्षण की मिसाल बना पूरनपुर का कंपोजिट विद्यालय

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। अगर मन में किसी काम को पूरा करने की ठान लो तो एक न एक दिन वह काम पूरा हो ही जाता है। ऐसी ही कहावत को सच कर दिखाया है पूरनपुर विकास खंड के अति पिछड़े इलाके में मैलानी जंगल के निकट स्थित कंपोजिट विद्यालय गढ़ाकला के शिक्षक हुकुम सिंह ने। उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और संकल्प से विद्यालय को हरा-भरा बनाकर पर्यावरण संरक्षण की मिसाल पेश की है। शिक्षक हुकुम सिंह पिछले कई वर्षों से लगातार विद्यालय में तरह-तरह के पौधे लगा रहे हैं। समय पर पानी देना, देखभाल करना और उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी खुद निभा रहे हैं। वर्तमान में गढ़ाकला स्कूल में हुकुम सिंह ने फलदार, छायादार, औषधीय और दुर्लभ प्रजाति के 50 से अधिक पेड़ लगाकर विद्यालय को बाग में बदल दिया है। यहां शहतूत, पपीता, नीम, पाकड़, आम, इमली, जंगल जलेबी, सहजन, अनार, कटहल, केला, आड़ू, लीची, जामुन, चकोतरा, नींबू आदि के पेड़ विद्यालय की शोभा बढ़ा रहे हैं।विद्यालय का स्टाफ भी हुकुम सिंह का पूरा सहयोग कर रहा है। यहां के शिक्षक अपने और अपने बच्चों के जन्मदिन पर एक पेड़ जरूर लगाते हैं। आस-पास के शिक्षक और ग्राम गढ़ाकला के लोग हुकुम सिंह के इस कार्य से बहुत खुश हैं और उनसे प्रेरणा ले रहे हैं। वास्तव में कंपोजिट स्कूल गढ़ाकला, शिक्षक हुकुम सिंह के प्रयास से पर्यावरण संरक्षण की मिसाल बन रहा है।

## भाजपा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम की हुई शुरुआत

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा 12 साल विश्वास के विकास के जन कल्याण के अभियान की शुरुआत करते हुए एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत बूथ स्तर तक वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया।जिसमें जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर तक वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत की।जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने बताया कि संगठन के निर्देशानुसार जनपद के अभी बूथों पर वृक्ष लगाने के कार्य किया जाएगा जिसकी शुरुआत आज से हो गई है।इस वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद,जिला महामंत्री मंगली प्रसाद वर्मा , महादेव गाईन, अनुराग अग्निहोत्री , जिला उपाध्यक्ष लेखराज भारती , रेखा सिंह परिहार ,अतेंद्र पाल सिंह , नमन प्रताप राजपूत , आयुष मिश्रा , विकास श्रीवास्तव , मान सिंह राठौर , मनोज गुप्ता ,जिला मंत्री सत्यपाल वर्मा , ऋचा सिंह पटेल , सृष्टि गुप्ता , विकास वाल्मीकि , पंकज तिवारी , नागेन्द्र प्रताप सिंह , रेनू राज , अमित कुशवाहा , जिला कोषाध्यक्ष विकास पाल सिंह , जिला मीडिया प्रभारी अभिमन्यु गंगवार , जिला आईटी संयोजक हरिओम शर्मा , जिला सोशल मीडिया संयोजक अभिनीत पाण्डेय , जिला कार्यालय मंत्री पुष्पा शुक्ला , जिला सह मीडिया प्रभारी दीपक सोनकर , जिला आईटी सह संयोजक पंकज प्रजापति , जिला सोशल मीडिया सह संयोजक विजय सरकार ,जिला सह कार्यालय मंत्री राम चरन लाल राठौर , मंडल अध्यक्ष हर्ष प्रधान ,इंद्रेश सिंह चौहान , सुमित सागर , भरत राम राजपूत , प्रमोद कश्यप , संजीव त्रिवेदी , संजीव मौर्य , प्यारे लाल कश्यप , महेश राजपूत , महेंद्र पाल राजपूत , विजय सिंह, कपिल सिंह , अमनदीप मिश्रा ने जगह जगह वृक्षारोपण का कार्य किया है।

# विश्व पर्यावरण दिवस पर पूरनपुर में दिखी हरित चेतना की मिसाल विद्यालयों से लेकर गोमती तट तक चला वृहद वृक्षारोपण अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

### एक पेड़ मां के नाम' संकल्प के साथ पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

पूरनपुर।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पूरनपुर क्षेत्र में शुक्रवार को पर्यावरण संरक्षण को लेकर व्यापक जागरूकता और जनभागीदारी देखने को मिली विद्यालयों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों द्वारा विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कर एक पेड़ मां के नाम अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया गया गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पूरनपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया महाविद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं, स्वयंसेवियों एवं एनसीसी कैडेट्स ने विभिन्न प्रकार के पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया प्राचार्य डॉ. सुधीर कुमार शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण अत्यंत आवश्यक हो गया है और प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण के साथ उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए वहीं प्रबंधक नितिन दीक्षित, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मृदुला शर्मा एवं एनसीसी प्रभारी शाहिद खान ने युवाओं से प्रकृति संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया इसी क्रम में पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक बाबूराम पासवान ने प्राचीन इकोतरनाथ मंदिर एवं गोमती तट पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया एक पेड़ मां के नाम संकल्प के तहत आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं सामाजिक संगठनों ने भाग लिया इस दौरान एक जनपद एक नदी अभियान के अंतर्गत गोमती नदी पुनरोद्धार कार्य का भी भव्य शुभारंभ किया गया जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सतीश प्रसाद मिश्रा सहित अधिकारियों ने श्रमदान कर गोमती तट पर चल रहे सफाई अभियान में सहभागिता की कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस पर आयोजित भंडारे में लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर उनके दीर्घायु होने की कामना की वहीं भाजपा नगर टीम द्वारा भी संजय गांधी पार्क स्थित अशोक कॉलोनी में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता और नगर अध्यक्ष हर्ष प्रधान ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ मातृशक्ति के सम्मान का भी प्रतीक है कार्यक्रम में महामंत्री सूरज बॉथम, अमन वाल्मीकि, अंकित वाल्मीकि, रवि वर्मा, गौरव गुप्ता एवं प्रदीप सिंह मुखिया सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित इन कार्यक्रमों ने यह संदेश दिया कि यदि समाज का हर वर्ग पर्यावरण संरक्षण के लिए एकजुट होकर कार्य करे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, हरित और सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जा सकता है।

## सम्पादकीय

# खाक हुई जिंदगियां

दिल्ली में मालवीय नगर स्थित एक होटल में हुए अग्निकांड के बाद भले ही गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया हो, लेकिन सवाल है कि अग्निकांड में मरे लोगों का जीवन कौन लौटाएगा? आखिर देश की राजधानी में अकसर होने वाले अग्निकांडों का सिलसिला कब और कैसे खत्म होगा? क्या इस आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही तय होगी? एक बार फिर अंधे लालच और आंख मूंदे तंत्र की लापरवाही से बुधवार को एक होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत हो गई। अभी भी कई लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका भी जतायी जा रही है। घटना ने एक बार फिर होटल, गेस्टहाउस और रेस्तरां संचालन की निगरानी करने वाली व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विडंबना देखिए कि मरने वालों में अधिकांश विदेशी लोग भी हैं, जो सस्ता इलाज कराने भारत आए थे। एक ही परिवार के आठ लोगों के अग्निकांड का शिकार होना बेहद दुखद है। विडंबना देखिए कि जिस एक मंजिला भवन को छह कमरों का गेस्ट हाउस चलाने की अनुमति मिली थी, वहां शासन-प्रशासन की नाक के नीचे एक छह मंजिला होटल बना दिया गया, जिसमें 26 कमरे और रेस्टोरेंट संचालित किया जा रहा था। जिसमें अस्सी से सौ लोगों की मौजूदगी बतायी जा रही है। निश्चित रूप से यह महज आग से जुड़ा हादसा नहीं है बल्कि होटल संचालन से जुड़े नियमों की अनदेखी, निगरानी करने वाले विभागों की लापरवाही और तंत्र की विफलता का परिचायक है। लेकिन गाहे-बगाहे होने वाले अग्निकांडों के बावजूद तंत्र की काहिली बदस्तूर जारी है। जांच के दायरे में घटना के बाद फरार होटल मालिक ही नहीं, बल्कि वे अधिकारी भी जिम्मेदार हैं जिन्होंने इसको संचालित करने के नियमों का अनुपालन नहीं किया और भवन निर्माण की स्वीकृति व उपयोग की अनुमति दी। यह जानते हुए भी कि होटल में निकासी का मार्ग बेहद संकरा है और अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध नहीं हैं। दिल्ली के होटल में हुए अग्निकांड के बारे में बताते हैं कि आपातकालीन निकासी के अभाव व सुरक्षा मानकों का पालन न होने से ज्यादा मौतें हुई। धुंआ निकलने की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण भी ज्यादा लोग दम घुटने से मौत के मुंह में समा गए। आखिर प्रशासन के अधिकारियों ने यह क्यों नहीं देखा कि स्वीकृत क्षमता से चार गुना विस्तार कर लिया गया है। गेस्ट हाउस के निर्माण में तमाम लाइसेंस शर्तों का घोर उल्लंघन हुआ। आपातकालीन निकासी की व्यवस्था न होने के कारण लोग अपनी जान बचाने के लिये, बदहवासी में ऊपरी मंजिलों से कूदते नजर आए। होटल के बाहर फैले बिजली के तार और अग्निकांड में हुई व्यापक क्षति बताती है कि विद्युत सुरक्षा मानकों का भी पालन ठीक से नहीं हुआ। जाहिर बात है कि गेस्ट हाउस से होटल बनाने से, उपयोग में हुए बदलाव की निगरानी की जिम्मेदारी स्थानीय नगर निकाय की होती है। यदि वर्षों से यह अवैध रूप से संचालित था, तो जांच व कार्रवाई क्यों नहीं की गई। यदि इसकी अग्नि सुरक्षा को लेकर एनओसी जारी की भी गई थी तो उसके बाद निरीक्षण व नियमों का अनुपालन क्यों सुनिश्चित नहीं किया गया? जाहिर बात है कि लाइसेंस प्राप्त करने वाले होटलों व रेस्टोरेंट की नियमित जांच करके इनके मालिकों की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए थी। क्यों किसी भी विभाग ने निरीक्षण व कार्रवाई की जहमत नहीं उठायी? क्या निरीक्षण करने वाले अधिकारी ले-देकर खामोश होकर बैठ गए? विडंबना देखिए कि बेसमेंट में कमरे,किचन बना दिए गए, लेकिन वेंटिलेशन व इमरजेंसी एग्जिट का कोई प्रावधान नहीं था। जिससे होटल धुंआ निकासी की चिमनी बनकर रह गया और तमाम लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। बताते हैं कि आरोपी होटल मालिक आसपास में ही कुछ पार्टनरों के साथ मिलकर तीन होटल संचालित कर रहा था और सब ही जगह आपराधिक लापरवाही नजर आई। मोटे मुनाफ़े के लिये लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा था। लेकिन स्थानीय प्रशासन व जवाबदेह विभाग बेपरवाह बने रहे। निश्चय ही यह स्थिति सख्त कार्रवाई के बाद बदलनी चाहिए।

# कौड़ियों में उलझा भाषायी चरित्र

**मोहन यादव ने कहा कि जीतू पटवारी को चुनाव न जीतने के कारण नाकाम बताते हुए कहा कि जब देश में संकट आए तो नेता प्रतिपक्ष भाग जाये। जब प्रदेश में विकास की बयार चले तो इनका दो कौड़ी का प्रदेश अध्यक्ष हाय रे, हाय रे करे। मोहन यादव ने यहां तक कहा कि आजादी के बाद से उन्होंने कांग्रेस का इतना रद्दी अध्यक्ष नहीं देखा है। आज से कुछ साल पहले तक राजनैतिक विरोधियों के लिए दो कौड़ी, रद्दी जैसे शब्द कम बोले-सुने जाते थे। लेकिन आज की भाजपा के दौर में यही राजनैतिक संस्कृति विकसित हो चुकी है। कुछ समय पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के लिए कहा था कि मैं उनका पेड़ा बना दूंगा। खेड़ा और पेड़ा की ऐसी तुकबंदी स्कूल-कॉलेज के बच्चे आपसी लड़ाई में तो कर सकते हैं, लेकिन राज्य के मुख्यमंत्री भी इसी स्तर की बात करेंगे, ऐसा किसने सोचा था। उत्तरप्रदेश में भी भाजपा के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मौलवियों की मांग पर कहा कि गाय हमारे लिए कोई पशु नहीं है, बल्कि वह हमारे लिए माता के समान है।**

मध्यप्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने हाल ही में मुख्यमंत्री मोहन यादव को एक पत्र में कहा है कि वह जनता के सवाल पूछते रहेंगे, जो उनका कर्तव्य है और वह पूरी विनम्रता के साथ अपनी इस लोकतांत्रिक जिम्मेदारी को निभाते रहेंगे। पत्र में पटवारी ने लिखा है कि यदि गाली देना आपका अधिकार है, तो उसका पालन आप करते रहिए, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं जो भी मुद्दे उठाता हूं, वे किसी व्यक्तिगत राजनीति का हिस्सा नहीं होते, बल्कि मध्यप्रदेश की जनता की पीड़ा और जनभावनाओं की अभिव्यक्ति होते हैं। इससे पहले एक वीडियो संदेश में उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे मुख्यमंत्री का पुतला दहन नहीं करें, क्योंकि इसमें हिंसा का भाव जुड़ा है। गांधीवादी और गोडसेवादी का अंतर स्पष्ट करते हुए जीतू पटवारी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा कि वे भाजपा के लोगों को फूल देकर उनके सामने प्यार से अपना विरोध दर्ज कराएं। जीतू पटवारी को यह अपील उस समय करनी पड़ी जब मुख्यमंत्री ने उनके लिए टपोरी लाल, ढपोरशंख और दो कौड़ी का प्रदेश अध्यक्ष जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। मोहन यादव ने कहा कि जीतू पटवारी को चुनाव न जीतने के कारण नाकाम बताते हुए कहा कि जब देश में संकट आए तो नेता प्रतिपक्ष भाग जाये। जब प्रदेश में विकास की बयार चले तो इनका दो कौड़ी का प्रदेश अध्यक्ष हाय रे, हाय रे करे। मोहन यादव ने यहां तक कहा कि आजादी के बाद से उन्होंने कांग्रेस का इतना रद्दी अध्यक्ष नहीं देखा है। आज से कुछ साल पहले तक राजनैतिक विरोधियों के लिए दो कौड़ी, रद्दी जैसे शब्द कम बोले-सुने जाते थे। लेकिन आज की भाजपा के दौर में यही राजनैतिक संस्कृति विकसित हो चुकी है। कुछ समय पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के लिए कहा था कि मैं उनका पेड़ा बना दूंगा। खेड़ा और पेड़ा की ऐसी तुकबंदी स्कूल-कॉलेज के बच्चे आपसी लड़ाई में तो कर सकते हैं, लेकिन राज्य के मुख्यमंत्री भी इसी स्तर की बात करेंगे, ऐसा किसने सोचा था। उत्तरप्रदेश में भी भाजपा के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मौलवियों की मांग पर कहा कि गाय हमारे लिए कोई पशु नहीं है, बल्कि वह हमारे लिए माता के समान है। जो लोग गाय को सिर्फ एक पशु मानते हैं, उनकी बुद्धि पशु जैसी है, उनकी सोच पशुवत है। माना कि योगी को गौमाता के लिए अपनी अटूट श्रद्धा दिखानी थी, लेकिन क्या यह केवल तभी जाहिर होगी, जब आप मुसलमानों की सोच को पशुवत बताएं। सनातन धर्म तो प्राणिमात्र के लिए दया का भाव दिखाने की सीख देता है, हर जीव के लिए करुणा की बात करता है। इन राजनेताओं से पहले हमारे मुख्य न्यायाधीश ने एक सुनवाई में कॉकरोच और परजीवी शब्द का इस्तेमाल किया तो उसकी ऐसी प्रतिक्रिया हुई कि कॉकरोच जनता पार्टी नाम से आंदोलन ही खड़ा हो गया। हालांकि मुख्य न्यायाधीश ने बता दिया कि उनका इरादा वह नहीं था, जो समझा गया। लेकिन फिर भी कॉकरोच शब्द राजनैतिक विमर्श में ऐसा आ गया कि अब उपराष्ट्रपति ने भी उसका इस्तेमाल किया। पिछले दिनों एक कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने कहा कि, सकारात्मक कामों की अच्छी तरह से रिपोर्टिंग की जानी चाहिए। तभी युवाओं को सही जानकारी मिलेगी वरना वे रुचि खो देंगे और कॉकरोच की राह पर चल पड़ेंगे। यहां जिस तरीके से कॉकरोच शब्द का इस्तेमाल किया गया है, उससे जाहिर है कि उपराष्ट्रपति भी मुख्य न्यायाधीश के विचारों से इत्तेफाक रखते हैं। विडंबना है कि लोकतंत्र में विरोध करने, आंदोलन करने को अब इतना निकृष्ट मान लिया गया है कि कोसने के लिए कीड़े-मकोड़ों की उपमाएं दी जा रही हैं। भाजपा और उसके समर्थकों में विरोधियों के लिए कॉकरोच शब्द को लेकर एक अघोषित सहमति बनी हुई दिख रही है। क्योंकि खुद को कवि कहने वाले कुमार विश्वास ने भी कहा है कि कॉकरोच बने हैं तो देश में हिट भी बने हैं। कॉकरोचों का इलाज हो जाएगा। ध्यान रहे कि ये वही कुमार विश्वास हैं जो खुद अन्ना आंदोलन के वक्त सुर्खियों में आए और उस मंच का लाभ उठाकर उन्होंने खुद को कवि और रामकथा वाचक के तौर पर स्थापित कर लिया। कायदा तो यही कहता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम की बात करने वाले व्यवहार और भाषा दोनों में मर्यादा का पालन करेंगे, लेकिन इन उदाहरणों में ऐसा कोई पालन होते दिख नहीं रहा है। भाषा की मर्यादा को पूरी तरह ताक पर रखने के इस दौर में जब जीतू पटवारी विनम्रता से कहते हैं कि जवाब देने में हिंसा का भाव नहीं आना चाहिए, तो ऐसी बातें आज की नफरत भरी राजनीति के दौर में अजीब लग सकती हैं। उस वक्त भी लगा करती थीं जब गांधीजी ने अहिंसा को हथियार बनाकर अंग्रेजों से लड़ाई लड़ने की शुरुआत की थी। लोगों को लगता था कि कोई हमें मारे तो हमें भी पलट कर मारना चाहिए, तभी अपमान का बदला लिया जा सकेगा। लेकिन गांधीजी ने बताया कि अगर आप पलट कर न मारें और हिंसा करने वाले को एहसास कराएं कि उसने गलत किया है, तो यह जवाब देने का सही तरीका होगा। गांधी के इस तरीके से आज भी बहुत से लोग असहमत ही हैं, लेकिन इसका बेहतर विकल्प भी कोई बता नहीं पाया है। क्योंकि नफरत के जवाब में नफरत से बात बिगड़ेगी ही। इतिहास गवाह है कि बड़े से बड़ा युद्ध भी आखिरकार तभी थमा जब एक पक्ष पूरी तरह नेस्तनाबूद हुआ या फिर आपसी वार्ता से रोका गया। वार्ता होती है तो समाधान के रास्ते खुले रहते हैं, जबकि एक पक्ष को पूरी तरह बर्बाद करने के बाद भी समस्या खत्म नहीं होती है। बहरहाल, आज गांधी के अहिंसा के दर्शन पर बात करने की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि पिछले कई सालों से हिंसा को सामान्य भाव की तरह लिया जाने लगा है। अपने सामने लोगों पर अत्याचार होते देखने के बावजूद उसे रोकने की पहल कम ही होती है, बल्कि कई बार तो पीड़ित के हक में खड़े होने की जगह उस घटना को कैमरे में कैद करने की हड़बड़ी दिखाई देती है। कमजोर, असहायों, शोषितों के लिए संवेदनाएं समाज में कम हो रही हैं। शारीरिक हिंसा के साथ-साथ शाब्दिक हिंसा भी बेलगाम बढ़ चुकी है। पहले घर, समाज और सार्वजनिक जीवन में लोग बातचीत में लहजे और शब्दों का लिहाज करते थे। हमउम्र लोग आपसी बेतकल्लुफी में अगर अपशब्द कहें तो उसमें भी इतनी सावधानी तो बरतते ही थे कि कोई बड़ा आसपास तो नहीं है। परिवार के बड़ों और शिक्षकों के अलावा अखबारों-पत्रिकाओं से भी भाषा परिष्कृत होती थी। उनसे भी भाषायी संस्कार विकसित होते थे। इसी देशबन्धु अखबार में लंबे वक्त तक एक शेर और दो शब्द जैसे साप्ताहिक स्तंभ आते थे, जो साहित्य के साथ अच्छी भाषा की तमीज सिखा देते थे। राजनीति में पुराने दौर में भी बाहुबल, धनबल चलता था, लेकिन राजनेताओं को भी यह ख्याल रहता था कि उनकी भाषा पर कोई उंगली न उठाए। लेकिन अब घरों में ओटीटी के कारण निम्नस्तरीय भाषा को सहज स्वीकृति मिल चुकी है। वहीं राजनेताओं और पत्रकारों से भी अच्छी भाषा की उम्मीद टूटती जा रही है। राजनेताओं में आ चुकी भाषायी गिरावट के कुछ उदाहरण ऊपर दिए जा चुके हैं। इस बीच पत्रकारिता में भी सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए भाषा के स्तर को बेझिझक नीचे गिराया जा रहा है। अखबारों में व्याकरण की अशुद्धियां तो अब मामूली लगने लगी हैं, अब असली चिंता उस भाव को लेकर होनी चाहिए जिसके तहत खबरें परोसी जा रही हैं। टीवी चौनलों के कारण यह चिंता और विकराल हो जाती है, क्योंकि वहां समाज जो सुनता और देखता है, वही सीखता है। कार्यक्रमों के शीर्षक जब दंगल, अखाड़ा, महाबहस, ताल ठोक के जैसे रखे गए तो आश्चर्य हुआ कि इनमें खबरें दी जाएंगी या लड़ाइयां होंगी। नजर तो यही आया कि इनमें शीर्षक को सार्थक करते हुए धीर-गंभीर बहसों की जगह लड़ाइयां ही ज्यादा होती हैं। जिनमें बेधड़क अपशब्दों का प्रयोग होता है। इधर पत्रकार सोशल मीडिया पर भी ऐसी ही भाषा लिखने लगे हैं। इस समय एक मशहूर एंकर का दो कौड़ी वाला बयान काफी चर्चा में आया है, जिसमें उन्होंने कोचिंग सेंटर चलाने वाले शिक्षकों को दो कौड़ी का बता दिया, छिछले यूट्यूबर जैसे शब्द का इस्तेमाल किया। ध्यान नहीं पड़ता है कि इन पत्रकार महोदया ने कभी ऐसी खबर बनाई हो कि सरकारी स्कूलों की कितनी बदहाली है। अगर शिक्षा के व्यवसायीकरण पर कोई भी खबर बनानी हो तो सबसे पहला सवाल तो यही होना चाहिए कि सरकारी स्कूल बुरी हालत में क्यों हैं। खैर शिक्षा का व्यवसायीकरण और कोचिंग सेंटर्स का बढ़ता व्यापार एक अलग गंभीर चर्चा का विषय है, जो फिलहाल दो कौड़ी वाले बयान में उलझ चुका है। और यह जनहित व देशहित से जुड़ा अकेला मुद्दा नहीं है, वरन ऐसे तमाम जरूरी मुद्दे इस समय फिजूल बातों में ही हाशिए पर डाल दिए गए हैं। सत्ता में शीर्ष पर बैठे लोगों, अधिकारियों, राजनेताओं, शिक्षकों, कलाकारों, साहित्यकारों और पत्रकारों सभी से अपेक्षा रहती है कि वे समाज को सही राह दिखाएंगे भी और उस पर ले जाएंगे भी। लेकिन इस राह पर अपशब्दों और भाषायी गिरावट के कांटे बिछे रहेंगे तो माहौल लहूलुहान होगा ही। **-सर्वमित्रा सुरजन**

# अनियंत्रित पर्यटन से त्रस्त नैनीताल

**प्रयाग पाण्डे**

विश्व विख्यात हिल स्टेशन नैनीताल में मनुष्य से अधिक दोपहिया और चौपहिया वाहनों का रेला उमड़ने लगा है। वाहनों की अनियंत्रित और बेतहाशा भीड़ के चलते नगर की सांसें थम सी गईं हैं। अपनी क्षमता से कई गुना अधिक बोझ ढो रही नगर की सभी सड़कें और गलियां दोपहिया और चौपहिया वाहनों से पट सी गईं हैं। सामान्य आवागमन भी बाधित हो गया है। पैदल चलने को रास्ते नहीं बचे हैं। नगर का हरेक कोना और पैदल रास्ते गाड़ियों से पट गए हैं। नगर में यत्र, तत्र, सर्वत्र जाम लगना आम बात हो गई है। हालात इस कदर खराब हो चुके हैं कि आम आदमी के लिए पैदल चलने की जगह ही नहीं बची है।पहले पर्यटन सीजन के दिनों कभी-कभार ऐसी स्थिति आती थी। अब यह समस्या बारहमासी हो गई है। सुंदर प्राकृतिक झील, अनुपम सौंदर्य और स्वास्थ्यवर्धक जलवायु के मद्देनजर 183 वर्ष पूर्व अंग्रेजों ने नैनीताल नगर की बसावट शुरू की थी। औपनिवेशिक शासक नैनीताल की तुलना यूरोपीय देशों से करते थे। नैनीताल का स्वच्छ और शुद्ध वातावरण एवं आबोहवा को अच्छे स्वास्थ्य के लिए आदर्श माना जाता था। अंग्रेजी शासनकाल में नैनीताल को 'कंट्री रिट्रीट' कहा जाता था। अंग्रेज यहां के पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण का विशेष खयाल रखते थे। तब नैनीताल की सुंदरता, शांति और सुरक्षा, विश्व विख्यात थी। आज यह सब खतरे में हैं। वर्तमान में नैनीताल ध्वनि एवं वायु प्रदूषण के चपेट में है। नैनीताल जब बसा तब आने-जाने के लिए रास्तों की समुचित व्यवस्था नहीं थी। तब कालाढूंगी से पैदल नैनीताल आया जाता था। कालांतर में पुरुषों के लिए घोड़ों की सवारी और महिला यात्रियों के लिए डांडी की व्यवस्था बनाई गई।यात्रियों का सामान ढोने के लिए कुलियों का प्रबंध था। करीब चार दशक तक यह व्यवस्था बनी रही। इसी दरम्यान नैनीताल एक सुव्यवस्थित नगर के रूप में बसा और सजा- संवरा। उस दौर में मैदानी इलाकों की गर्मियों के थपेड़ों से बचने और विशुद्ध हवा की ठंडी बयार में स्वच्छंद भ्रमण के लिए सैलानी नैनीताल आते थे। 1862 में नैनीताल नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज आगरा एंड अवध की ग्रीष्मकालीन राजधानी बना। 24 अक्टूबर, 1884 को काठगोदाम रेल यातायात से जुड़ा। इसके बाद यात्रीगण काठगोदाम से ज्योलीकोट- ब्रेबरी होते हुए पैदल नैनीताल पहुंचने लगे। 1893 में नैनीताल तक तांगे पहुंच गए। अविभाजित भारत के सबसे बड़े ओहदेदार वॉयसरॉय, नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज के लेफ्टिनेंट गवर्नर, सेना और प्रशासन के आला अफसरान तांगों में बैठकर नैनीताल पहुंचने लगे। 1915 के आसपास मोटर मार्ग बनने के बाद काठगोदाम से नैनीताल तक मोटर लॉरी चलने लगी। लॉरी तल्लीताल तक ही आ सकती थी। नैनीताल के लचीले एवं भंगुर पर्यावरण और स्थानीय विशिष्टाओं के मद्देनजर नगर के भीतर यांत्रिक यातायात नहीं था। डांडी, झम्पानी, घोड़े और हाथ रिक्शा ही यातायात के एकमात्र मुख्य साधन थे। नगर के बाहरी हिस्से में साइकिल चलाने के लिए नगर पालिका से लाइसेंस लेना अनिवार्य था। कार्ट रोड (नैनीताल-हल्द्वानी मार्ग) और डिपो रोड ( नैनीताल-भवाली मार्ग) में ही साइकिल चलाने की इजाजत दी जाती थी। 1901 में जब नैनीताल की ग्रीष्मकालीन आबादी 7609 थी, सिर्फ 520 बंगले और दूसरे मकानात थे, तभी नैनीताल के भार वहन क्षमता की बात होने लगी थी। अंग्रेज नैनीताल के नाजुक पर्यावरण के मद्देनजर यहां निश्चित सीमा से अधिक आबादी को बसाने के सख्त खिलाफ थे। कुमाऊं के तत्कालीन कमिश्नर कैप्टन ए. डब्ल्यू. इबट्सन ने 19 जुलाई, 1929 को नगर पालिका नैनीताल की वार्षिक रिपोर्ट में लिखी एक टिप्पणी में कहा था- '' इस समय नैनीताल की एक स्वास्थ्यप्रद नगर की छवि है पर भविष्य में इस छवि को बनाए रखने में कुछ जटिल समस्याएं नजर आ रही हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह नगर अति इंसानों से भर गया है।'' जब कैप्टन इबट्सन ने यह टिप्पणी की, उस दौर में नैनीताल की आबादी करीब 12 हजार थी। 1937 में नगर पालिका ने नैनीताल की मालरोड में नियंत्रित यांत्रिक यातायात की अनुमति प्रदान कर दी। तब नगर पालिका के अध्यक्ष या सचिव की पूर्वानुमति से विशेष परिस्थितियों में तल्लीताल से सचिवालय (वर्तमान उत्तराखंड उच्च न्यायालय) तक ही वाहन आ-जा सकते थे। 1938 में नगर पालिका ने मालरोड में वाहनों की अधिकतम गति सीमा दस मील प्रति घंटा तय कर दी थी। मालरोड में यांत्रिक यातायात की अनुमति दिए हुए दो साल भी नहीं बीते थे भू-वैज्ञानिकों ने मालरोड के अतिरिक्त अन्य स्थानों में वाहनों की आवाजाही का विरोध करना प्रारंभ कर दिया था। भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के तत्कालीन अधीक्षक ए. एल. कॉल्सन ने 5 अगस्त, 1939 की अपनी एक रिपोर्ट में नैनीताल नगर के भीतर वाहनों की आवाजाही पर पाबंदी लगाने की सिफारिश की। 22 जनवरी,1942 को नगर पालिका ने मालरोड में दस पैडल रिक्शे चलाने की अनुमति दी।

## सेहत मंत्र

# इम्यूनिटी बूस्ट करने वाली हल्दी के है ढेरों स्वास्थ्य लाभ, रोजाना करें सेवन

हल्दी के औषधीय गुणों से हर कोई वाकिफ है और आजकल तो वायरस से लड़ने के लिए डॉक्टर्स और हेल्थ एक्सपर्ट्स भी हल्दी के सेवन की सलाह दे रहे हैं। हल्दी में ढेर सारे गुण होते हैं। यह त्वचा की रंगत निखारने से लेकर दर्द से राहत और सर्दी-खांसी से छुटकारा दिलाने में बहुत मददगार होता है। खांसी और दर्द से छुटकारा दिलाने के लिए विशेषज्ञ इसे रामबाण मानते हैं। आपके घर के बड़े बुजुर्ग चोट लग जाने या सर्दी-खांसी होने पर अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह देते होंगे, साथ ही सदियों से रंग निखारने के लिए हमारे यहां हल्दी का उबटन लगाने की परंपरा है, लेकिन अब तो हेल्थ एक्पर्ट्स भी हल्दी वाला दूध पीने और हल्दी के पानी से गरारे की सलाह दे रहे हैं। दरअसल, कोरोना वायरस से बचाव और इम्यूनिटी बूस्ट करने में हल्दी भी बहुत मददगार है। यह वजह है कि विशेषज्ञ भी लोगों को हल्दी का सेवन करने की सलाह दे रहे हैं। चिकित्सकों के मुताबिक, हल्दी में ढेर सारे ऐसे तत्व मौजूद हैं तो आपको दर्द से राहत दिलाने के साथ ही इम्यूनिटी भी बूस्ट करता है। आयुर्वेद में हल्दी को औषधि के रूप में इस्तेमाल किया जाता है और हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, हल्दी के सेवन से आपके रक्त में मौजूद हानिकारक तत्व बाहर निकल जाते हैं और इससे ब्लड सर्कुलेशन भी अच्छा रहता है। यह रक्त को गाढ़ा नहीं होने देता जिससे धमनियों में रक्त प्रवाह सुचारु रूप से होता रहता है और दिल संबंधी बीमारियों नहीं होती। रक्त गाढ़ा होने से हार्ट अटैक और दिल संबंधी अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। एक अध्ययन के अनुसार, हल्दी दूध के सेवन से सर्जरी के बाद आने वाले हार्ट अटैक के खतरे को काफी हद तक टाला जा सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, जिन लोगों को नींद न आने की समस्या है उन्हें रात में सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। दरअसल, हल्दी में मेलाटोनिन नामक हार्मोन को बढ़ाने वाला गुण होता है जिससे नींद जल्दी आ जाती है। जब आप रात को समय पर सो जाएंगे तो सुबह बिल्कुल फ्रेश और एनर्जेटिक महसूस करेंगे।

## धर्म मंत्र

# कृष्ण भक्ति में खुद को समर्पित कर अजर-अमर हो गई मीरा बाई

विश्व की महान कवित्रियों में कृष्ण भक्ति शाखा की कवियित्री राजस्थान की मीरा बाई का जीवन समाज को अलग ही संदेश देता है वहीं इनके जीवन चरित्र को आधुनिक युग की कई फिल्मों, साहित्य और कॉमिक्स का विषय बनाया गया हैं।

मीरा बाई का जीवन प्रारंभ से ही कृष्ण भक्ति से प्रेरित रहा और वे जीवन भर बावजूद विषम परिस्थितियों के कृष्ण भक्ति में लीन रही। कोई भी बाधा उनका मन कृष्ण भक्त से विमुख नहीं कर सकी। कृष्ण भक्ति में रत रहकर वे अमर हो गई और आज भी उनका नाम पूरी श्रृद्धा, आदर और सम्मान के साथ स्मरण किया जाता है। मीरा बाई ने न केवल पावन भावना से कृष्ण की भक्ति की वरण अपनी भावना को कृष्ण के भजनों में पिरोकर उन्हें नृत्य संगीत के साथ अभिव्यक्ति भी प्रदान की। यहीं नहीं उन्होंने जहां भी गई भक्त जैसा नहीं वरण देवियों जैसा सम्मान प्राप्त किया।

स्वस्ति श्री तुलसी कुलभूषण दूषन-हरन गोसाई।।
बारहिं बार प्रनाम करहूँ अब हरहूँ सोक-समुदाई।।
घर के स्वजन हमारे जेते सबन्ह उपाधि बढ़ाई।।
साधु-सग अरू भजन करत माहिं देत कलेस महाई।।
मेरे माता-पिता के समहौ, हरिभक्तन्ह सुखदाई।।
हमको कहा उचित करिबो है, सो लिखिए समझाई।।

## पर्यटन

# ट्रेवलर्स को बेहद आकर्षित करते हैं हैदराबाद के यह म्यूजियम

जब भी हैदराबाद की बात होती है तो सबसे पहले वहां के लजीजदार भोजन का नाम लिया जाता है। लेकिन इसके अलावा भी हैदराबाद ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से बेहद समृद्ध है। हैदराबाद कुतुब शाहियों द्वारा शासित एक शहर है, इसलिए यहां पर मुगलों और निज़ामों के शानदार विरासत स्थल, स्मारक, मंदिर और मस्जिद मौजूद हैं। लेकिन इन विरासत स्थलों के अलावा यहां पर मौजूद एक चीज जो पर्यटकों को काफी आकर्षित करती है और वह है यहां के म्यूजियम। हैदराबाद के संग्रहालय कला और प्राचीन वस्तुओं का एक बड़ा संग्रह प्रदर्शित करते हैं। सालार जंग संग्रहालय हैदराबाद शहर में मूसा नदी के दक्षिणी तट पर दारुलशिफा में स्थित एक कला संग्रहालय है। यह भारत के तीन राष्ट्रीय संग्रहालयों में से एक है। यह चारमीनार, मक्का मस्जिद आदि महत्वपूर्ण स्मारकों के करीब है। यहां पर आपको पहली शताब्दी से संबंधित वस्तुओं का संग्रह देखने को मिलेगा। यहां की सबसे खूबसूरत व महत्वपूर्ण चीज है कुरान, जो पूरी तरह सोने और चांदी से बनी है। यहां पर 43000 विभिन्न एतिहासिक चीजों का अद्भुत संग्रह हैं और करीबन 47000 प्रिंटेड किताबें हैं। यहां पर मौजूद अधिकतर एंटीक सम्राट जहांगीर, नूरजहां और शाहजहां से संबंधित हैं। निज़ाम संग्रहालय हैदराबाद के पुरानी हवेली मोहल्ले में स्थित एक संग्रहालय है। यह वास्तव में पूर्व निज़ाम का महल था। इसे सातवें निजाम, आसफ जाह सातवीं की इच्छा पर बनाया गया था। यह उनकी समृद्ध जीवनशैली की झलक भी दिखाता है। इस जगह को वर्ष 2000 में जनता के लिए खोल दिया गया था। यह संग्रहालय दुनियाभर के संस्मरणों, उपहारों का समृद्ध संग्रह दिखाती है। इस संग्रहालय में अंतिम निज़ाम के रजत जयंती समारोह में इस्तेमाल किये गए सोने का सिंहासन, हीरे के साथ एक सोने का टिफिन बॉक्स, जयंती हॉल का लघु प्रतिकृति, मीर उस्मान अली खान एटीसी के ग्लास इनले पेंटिंग के लिए इस्तेमाल किए गए सोने के सिंहासन आदि हैं।

# मजदूर के बेटे ने शिवा ने रचा इतिहास: मेरा बेटा मेरा अभिमान, डीएम ईशान ने दी बधाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा, बाराबंकी। हालात से हार न मानने वाले एक बार फिर जीत गए। विकास खंड निंदूरा के गांव मोहसंड निवासी मजदूर आनंद प्रकाश के बेटे शिवा ने जेई एडवांस 2026 में अखिल भारतीय स्तर पर 5344वीं रैंक हासिल कर पूरे जिले का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। राजकीय इंटर कॉलेज निंदूरा के इस होनहार ने साबित कर दिया कि सपने संसाधनों के मोहताज नहीं होते।

दैनिक मजदूरी और खेती से परिवार पालने वाले पिता आनंद प्रकाश और गृहिणी माता सोनी के घर में खुशियों का अंबार है। सीमित साधनों, टूटी छत और किताबों की कमी के बीच शिवा ने 12-14 घंटे की पढ़ाई से यह मुकाम हासिल किया। न कोचिंग की मोटी फीस, न शहर की चमक-धमक। राजकीय इंटर कॉलेज निंदूरा के शिक्षकों के मार्गदर्शन और खुद की लगन ने शिवा को IIT के दरवाजे तक पहुंचा दिया।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने शिवा को सम्मानित करते हुए कहा कि यह सफलता सिर्फ शिवा की नहीं, पूरे राजकीय शिक्षा तंत्र की जीत है। उन्होंने कहा कि अनुशासन, समर्पण और मेहनत हो तो सरकारी स्कूल का छात्र भी राष्ट्रीय स्तर की सबसे कठिन परीक्षा में परचम लहरा सकता है। शिवा की यह उपलब्धि प्रदेश के लाखों बच्चों के लिए मिसाल है जो बड़े सपने देखते हैं लेकिन संसाधनों की कमी से डर जाते हैं। शिवा की सफलता पर राजकीय इंटर कॉलेज निंदूरा में जश्न का माहौल है। प्रधानाचार्य से लेकर सहपाठियों तक सबकी आंखों में खुशी के आंसू हैं। गांव में मिठाइयां बंट रही हैं। शिवा ने कहा कि वह कंप्यूटर साइंस से बीटेक कर देश की सेवा करना चाहता है। पिता आनंद प्रकाश की आंखें भर आईं। बोले, मेरा बेटा मेरा अभिमान है। मजदूरी करते-करते थक जाता था, पर अब लगता है मेहनत सफल हो गई। संघर्ष की स्याही से लिखी सफलता की इबारतः शिवा रोज सुबह 4 बजे उठकर पढ़ता था। दिन में पिता के साथ खेत पर हाथ बंटाता और रात में लालटेन की रोशनी में सवाल हल करता। मोबाइल नहीं था तो दोस्तों से पुराने नोट्स मांगकर पढ़ाई की। आज उसी मेहनत ने उसे देश के टॉप 6000 छात्रों में जगह दिला दी।

जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने भी शिवा को बधाई देते हुए कहा कि जिले का हर बच्चा शिवा से प्रेरणा ले। प्रशासन ऐसे होनहार बच्चों की हरसंभव मदद करेगा।

### जिले का गौरव बना शिवा

निंदूरा बाराबंकी। विकास खंड क्षेत्र के मोहसंड निवासी एवं राजकीय इंटर कॉलेज निन्दूरा के छात्र शिवा ने JEE Advanced 2026 में अखिल भारतीय स्तर पर 5344वीं रैंक हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया है। दैनिक मजदूरी और कृषि कार्य से परिवार का भरण-पोषण करने वाले पिता आनंद प्रकाश तथा गृहिणी माता सोनी के पुत्र शिवा ने सीमित संसाधनों के बीच कठिन परिश्रम और लगन से यह सफलता प्राप्त की। माध्यमिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने शिवा को सम्मानित करते हुए कहा कि राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थी भी समर्पण और अनुशासन के बल पर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त कर सकते हैं। शिवा की उपलब्धि प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

# जेल में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित, पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का लिया संकल्प

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। विश्व पर्यावरण दिवस पर जिला कारागार परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत विभिन्न मौसमी एवं छायादार वृक्षों के पौधे लगाए गए, जिनमें आम, लीची, अशोक तथा गुलमोहर सहित अन्य प्रजातियों के पौधे शामिल रहे। वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ जेल अधीक्षक जेपी तिवारी एवं कारापाल रामनरेश गौतम ने पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर कारागार के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया। जेल अधीक्षक जेपी तिवारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। वृक्ष न केवल हमें प्राणवायु प्रदान करते हैं, बल्कि जलवायु संतुलन बनाए रखने, जैव विविधता के संरक्षण तथा आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में वृक्षारोपण अवश्य करना चाहिए तथा उसकी देखभाल भी करनी चाहिए, तभी वृक्षारोपण अभियान सार्थक सिद्ध होगा। इस अवसर पर जेल अधीक्षक जेपी तिवारी, कारापाल रामनरेश गौतम, उप कारापाल राघवेन्द्र वर्मा, सुभाष चंद्र यादव, कृष्ण कुमार पांडेय, पूनम तिवारी, मुकेश कुमार गुप्ता सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

# विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान का शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने नलकूप खंड, बाराबंकी परिसर में ह्लएक पेड़ माँ के नामङ्क अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान नवविकसित सरदार वल्लभभाई पटेल ईको पार्क, नवनिर्मित सभागार एवं केंद्रीय कार्यशाला का उद्घाटन तथा निरीक्षण किया गया।

कार्यक्रम में विधायक अंगद सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

स्वतंत्र देव सिंह ने ईको पार्क में रुद्राक्ष तथा केंद्रीय कार्यशाला परिसर में हरिशंकरी (पीपल, पाकड़ और बरगद) का पौधा रोपित किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की प्रमुख आवश्यकता है और ह्लएक पेड़ माँ के नामङ्क अभियान जनभागीदारी के माध्यम से हरित एवं विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम का समापन अधिक से अधिक लोगों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करने के आह्वान के साथ हुआ।

# तालाब की भूमि पर चला बुलडोजर, अतिक्रमण ध्वस्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

फतेहपुर, बाराबंकी। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में उपजिलाधिकारी कार्तिकेय सिंह के नेतृत्व में कस्बा अनवारी में तालाब की सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई। प्रशासन ने सुबह से अभियान चलाकर बुलडोजर की सहायता से कई दर्जन पक्के निर्माण ध्वस्त कर दिए। लखनऊ-महमूदाबाद मार्ग के पूर्वी हिस्से में सड़क किनारे बने मकानों पर कार्रवाई की गई। मौके पर राजस्व एवं पुलिस विभाग की टीमें मौजूद रहीं। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

### पीलीभीत पहुंचे प्रभारी मंत्री बलदेव सिंह औलख, विकास योजनाओं और पर्यावरण संरक्षण पर दिया जोर

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री एवं जनपद पीलीभीत के पुनः नियुक्त प्रभारी मंत्री बलदेव सिंह औलख का जनपद आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं और प्रशासनिक अधिकारियों ने जोरदार स्वागत किया प्रभारी मंत्री बनने के बाद उनके पहले दौरे को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला दौरे के दौरान मंत्री ने लोक निर्माण विभाग गेस्ट हाउस में आयोजित कोर कमेटी की समीक्षा बैठक में सहभागिता कर संगठनात्मक गतिविधियों और जनपद के विकास कार्यों की समीक्षा की विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उन्होंने डीएफओ कार्यालय परिसर में ह्लएक पेड़ माँ के नामङ्क अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया इस दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी पौधारोपण में हिस्सा लिया इसके बाद कलेक्ट्रेट सभागार में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित बैठक में जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आगामी कार्यक्रमों और विकास योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्ता, जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# परीक्षा केंद्रों के बाहर अनावश्यक भीड़ न हो तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू रखा जाए : डीएम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुचितापूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर केंद्र व्यवस्थापकों, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा संबंधित अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट के बिस्मिल सभागार में बैठक की गई। बैठक में डीएम ने बताया कि जनपद में 08 जून, 09 जून और 10 जून को प्रत्येक दिवस दो पालियों में जनपद के 13 परीक्षा केन्द्रो पर आयोजित की जाएगी। प्रथत पाली प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपरान्ह 03 बजे से सायं 05 बजे तक आयोजित होगी। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश से पूर्व अभ्यर्थियों की सघन तलाशी की जाए। किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट या प्रतिबंधित सामग्री को अंदर ले जाना पूर्णतः वर्जित रहेगा। सभी पुलिसकर्मी और केंद्र व्यवस्थापक निर्धारित समय से पूर्व अपने केंद्रों पर उपस्थिति दर्ज कराएं। परीक्षा केंद्रों के बाहर अनावश्यक भीड़ एकत्रित न होने दी जाए तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू रखा जाए। ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, विद्युत एवं शौचालय की साफ सफाई व्यवस्था करें। एआरएम रोडवेज परीक्षार्थियों के आने जाने के लिए पर्याप्त बसों की व्यवस्था करें। एआरटीओ यह सुनिश्चित करें कि परीक्षा के दौरान ई-रिक्शा, ऑटो रिक्शा आदि वाहनों के किराया निर्धारित से अधिक नहीं होना चाहिए। खाद्य सुरक्षा विभाग फूड सेफ्टी के सैंपल लेते रहें और खाने पीने की वस्तुओं पर ओवर रेटिंग नहीं होनी चाहिए। उन्होंने परीक्षार्थियों के लिए रोडवेज बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं बरेली मोड़ पर हेल्प डेस्क स्थापित करने के निर्देश दिए। कहा कि हथोड़ा चैराहा पर भी कंट्रोल रूम बनाया जाए। परीक्षा के लिए राजकीय इंटर कॉलेज खिरनीबाग, इस्लामिया इंटर कॉलेज, राजकीय पॉलीटेक्निक, देवी प्रसाद इंटर कॉलेज, आर्य महिला पीजी कॉलेज/ इंटर कॉलेज, हरकुमार पाठक कन्या इंटर कॉलेज, जनता इंटर कॉलेज, स्वामी सुकदेवानंद कॉलेज ब्लॉक-बी/ ब्लॉक-ए, जीएफ कॉलेज ब्लॉक-ए/ब्लॉक-बी, स्वामी धर्मानंद सरस्वती इंटर कॉलेज निर्धारित परीक्षा केंद्र हैं। बैठक में एडीएम प्रशासन, एसपी सिटी, सिटी मजिस्ट्रेट सहित सेक्टर मजिस्ट्रेट व जोनल मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक मौजूद रहे।

# विकास और सुशासन की मिसाल बने बीडीओ आलोक पदोन्नति पर नम आंखों से दी गई विदाई'

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा बाराबंकी। विकास खंड निंदूरा में अपने कार्यकाल के दौरान विकास, सुशासन और जनहितकारी कार्यों की नई पहचान स्थापित करने वाले खंड विकास अधिकारी आलोक वर्मा को उनकी पदोन्नति पर भावभीनी विदाई दी गई। उनकी पदोन्नति परियोजना निदेशक, बिजनौर के पद पर होने पर आयोजित समारोह में अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

23 अगस्त 2024 को विकास खंड निंदूरा का कार्यभार ग्रहण करने वाले आलोक वर्मा ने अपने अपेक्षाकृत अल्प कार्यकाल में विकास खंड क्षेत्र की 88 ग्राम पंचायतों में विकास योजनाओं को नई गति प्रदान की। उनके नेतृत्व में ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन हुआ तथा विकास खंड परिसर का व्यापक कायाकल्प कर उसे एक आदर्श प्रशासनिक परिसर के रूप में विकसित किया गया।

उनके कार्यभार संभालने से पहले विकास खंड परिसर के कई हिस्सों में अव्यवस्था और गंदगी का माहौल था।

परिसर के पीछे चारदीवारी के आसपास कूड़े-कचरे का अंबार लगा रहता था, लेकिन उनके प्रयासों से पूरे परिसर को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित स्वरूप मिला। मुख्य भवन का रंग-रोगन एवं मरम्मत कराई गई, कार्यालय कक्षों का नवीनीकरण हुआ और कर्मचारियों के लिए बेहतर कार्य वातावरण तैयार किया गया।

परिसर के सुंदरीकरण के अंतर्गत सीसी सड़क, इंटरलॉकिंग एवं खड़ंजा निर्माण कराया गया। जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए नालियों का निर्माण कर उन पर पत्थर की स्लैब लगवाई गईं। आगंतुकों और कर्मचारियों की सुविधा के लिए शौचालयों का नवीनीकरण कराया गया तथा स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आरओ एवं शीतल जल संयंत्र स्थापित कराया गया। नई जलापूर्ति लाइन और नलों की व्यवस्था से पेयजल सुविधाओं को और सुदृढ़ बनाया गया।

विद्युत व्यवस्था में सुधार करते हुए पुरानी जर्जर वायरिंग को बदलवाया गया तथा कार्यालयों में प्रकाश एवं पंखों की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की गई। यही कारण रहा कि विकास खंड परिसर आज एक स्वच्छ, आकर्षक और सुविधायुक्त प्रशासनिक केंद्र के रूप में पहचान बना चुका है।

विदाई समारोह में वक्ताओं ने कहा कि आलोक वर्मा ने अपनी कार्यकुशलता, सरल स्वभाव, अनुशासित कार्यशैली और विकासोन्मुख सोच से कर्मचारियों एवं क्षेत्रवासियों के बीच विशेष स्थान बनाया। उनके द्वारा कराए गए विकास कार्य लंबे समय तक लोगों को उनकी याद दिलाते रहेंगे।

समारोह के अंत में उन्हें पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित लोगों ने विश्वास व्यक्त किया कि वे परियोजना निदेशक, बिजनौर के रूप में भी अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली से जनसेवा और विकास के नए आयाम स्थापित करेंगे।

इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख चंद्रशेखर गुप्ता, विशाल सिंह, रमाकांत यादव, प्रभाकर सिंह, राजेश यादव, जेई आरएस सचिन यादव, अतुल गुप्ता, एडीओ पंचायत अनिल सिंह, ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

### विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण, मरीजों को बांटे फल

मसौली, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ागांव परिसर में भाजपा जिलाध्यक्ष रामसिंह उर्फ भुल्लन वर्मा एवं खंड विकास अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव ने वृक्षारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की गई। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि पेड़-पौधे धरती के आभूषण हैं और इनके बिना स्वस्थ जीवन संभव नहीं है। वहीं बीडीओ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने पौधारोपण के साथ पौधों की देखभाल पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन के अवसर पर अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल एवं मिठाई वितरित कर उनका हालचाल भी जाना गया। इसी क्रम में पंचायत भवन बड़ागांव परिसर में भी जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

### घायल युवक की मौत, पोस्टमार्टम को भेजा शव

रामसनेहीघाट, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अंगदपुर निवासी उमेश विश्वकर्मा (41) बीते रविवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पर भगवानपुर मोड़ के पास गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले थे। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कई दिनों तक उपचार के बाद परिजन उन्हें घर लेकर जा रहे थे, तभी रास्ते में उसकी मौत हुई। शव गांव पहुंचने पर कुछ ग्रामीणों ने घटना को संदिग्ध बताते हुए पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों व ग्रामीणों से पूछताछ कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक दयाशंकर द्विवेदी ने बताया कि परिजनों के अनुसार युवक की मौत उपचार के दौरान हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत 73 ग्राम पंचायतों में वृक्षारोपण

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। विश्व पर्यावरण दिवस पर विकास खंड क्षेत्र की 73 ग्राम पंचायतों में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करना रहा। पूर्व विधायक शरद अवस्थी ने ग्राम पंचायत रामसहाय तथा खंड विकास अधिकारी संजीव कुमार गुप्ता ने ग्राम पंचायत राजापुर में पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधानों, पंचायत सचिवों, स्वयं सहायता समूहों की दीदियों और मनरेगा श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने पौधों के संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। अधिकारियों ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की नींव है। अभियान को सफल बनाने में एडीओ आरडी जय राम वाल्मीकि, एपीओ रेनू रावत, बीएमएम इमरान तथा बीएमएम अंजली की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

### डीआईओएस से मिनिस्टीरियल एसोसिएशन की शिष्टाचार भेंट

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिला विद्यालय निरीक्षक अमिता सिंह से यूपी एजुकेशनल मिनिस्टीरियल ऑफिसर्स एसोसिएशन, बाराबंकी के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जिला अध्यक्ष अखिलेश कुमार शुक्ला ने किया। उनके साथ संगठन के उपाध्यक्ष पटेश्वरी बाजपेई, सेवानिवृत्त वरिष्ठ सहायक पंकज श्रीवास्तव तथा वरिष्ठ सहायक अमर कृष्ण उपस्थित रहे। भेंटवार्ता के दौरान लिपिक वर्ग की विभिन्न समस्याओं एवं उनसे जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला विद्यालय निरीक्षक ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि लिपिक वर्ग की समस्याओं का समयबद्ध एवं प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने सकारात्मक आश्वासन पर आभार व्यक्त करते हुए विभागीय कार्यों में सहयोग बनाए रखने का विश्वास दिलाया।

### कुर्रया रेलवे हॉल्ट के पास युवक का शव मिलने से सनसनी, ट्रेन से गिरने की आशंका

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के कुर्रया रेलवे हॉल्ट के पास शुक्रवार को एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई शव मिलने की सूचना मिलते ही सेहरामऊ गढ़वा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान गांव लाह निवासी युवक के रूप में हुई है स्थानीय लोगों द्वारा आशंका जताई जा रही है कि युवक संभवत किसी चलती ट्रेन से गिर गया होगा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई हालांकि पुलिस अभी हर पहलू को ध्यान में रखते हुए मामले की गहनता से जांच कर रही है पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है घटना के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं बनी हुई हैं फिलहाल मामला हत्या, आत्महत्या अथवा ट्रेन की चपेट में आने से हुई दुर्घटना का है, इसका स्पष्ट खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और परिजनों की तहरीर के आधार पर ही हो सकेगा पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी

### फर्जी फर्मों से करोड़ों की जीएसटी चोरी का खेल उजागर, दिल्ली के चार आरोपी गिरफ्तार

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। फर्जी फर्म बनाकर जीएसटी चोरी करने वाले संगठित गिरोह के खिलाफ माधौटांडा पुलिस और क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है गिरफ्तार सभी आरोपी दिल्ली के स्वरूप नगर क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं जीएसटी विभाग की तहरीर पर दर्ज मुकदमे में कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच प्रभारी निरीक्षक मृदुलकांत शुक्ला के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शुक्रवार सुबह मुखबिर की सूचना पर चूका बीच जंगल क्षेत्र में घेराबंदी कर आरोपियों को दबोच लिया गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरिओम, विपिन जैन, दीपक चौधरी और बच्चू के रूप में हुई है पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी फर्जी फर्मों के जरिए जीएसटी चोरी के बड़े नेटवर्क का संचालन कर रहे थे और कागजी कंपनियां बनाकर आर्थिक गड़बड़ी को अंजाम दे रहे थे तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 6 मोबाइल फोन, 9 सिम कार्ड और 15 जीमेल आईडी बरामद की हैं पुलिस के अनुसार इन डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल फर्जी दस्तावेज तैयार करने, फर्मों का संचालन करने और लेनदेन को छिपाने में किया जा रहा था पुलिस अब बरामद मोबाइल, सिम और ईमेल आईडी के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों, आर्थिक लेनदेन और संभावित बड़े नेटवर्क की जांच में जुट गई है अधिकारियों का मानना है कि जांच में कई और अहम खुलासे हो सकते हैं कार्रवाई के बाद चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया इस कार्रवाई को जिले में जीएसटी चोरी और आर्थिक अपराधों के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है ।

# डब्ल्यूटीसी मैचों से पहले अफगानिस्तान के खिलाफ उचित संयोजन तैयार करने उतरेगा भारत

एजेंसी

मुल्लांपुर। भारत का पिछले कुछ समय में घरेलू टेस्ट मैचों में निराशाजनक प्रदर्शन रहा है, लेकिन उसकी टीम अब भी बेहद मजबूत है और वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के महत्वपूर्ण मैचों से पहले अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैच में उचित संयोजन तैयार करने की कोशिश करेगा। अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाला यह मैच डब्ल्यूटीसी का हिस्सा नहीं है लेकिन टीम की दिशा तय करने के लिहाज से यह काफी महत्वपूर्ण है। इन दोनों टीम के बीच इससे पहले 2018 में टेस्ट मैच खेला गया था जिसमें अफगानिस्तान ने लंच और चाय के सत्र के बीच 10 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद तीसरे सत्र में उसकी दूसरी पारी भी सिमट गई थी और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा था। अब 2026 में हशमतुल्लाह शाहिदी की अगुवाई वाली

अफगानिस्तान की टीम भारतीय टीम को कड़ी चुनौती देने की कोशिश करेगी जो बदलाव के दौर से गुजर रही है और अभी तक उचित संयोजन तैयार करने के लिए संघर्ष कर रही है। इसके बावजूद भारत का पलड़ा काफी भारी नजर आ रहा है। लेकिन भारतीय खिलाड़ी पिछले साल बेहतरीन तैयारी के साथ मैदान में उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम से 0-2 से मिली करारी हार को नहीं भूले होंगे और वह अनुभव के अंतर के बावजूद विपक्षी टीम को हल्के में न लें तो बेहतर होगा। तीसरे नंबर का बल्लेबाज और लाल गेंद की क्रिकेट में रवींद्र जडेजा के संभावित उत्तराधिकारी दो ऐसे पहलू हैं जिन्हें मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले इस मैच में दौरान सुलझाना चाहेंगे। इस मैच के दौरान भारतीय टीम प्रबंधन के लिए यह भी एक बड़ा निर्णय होगा कि क्या साई सुदर्शन को टीम में बरकरार रखा जाएगा या फिर स्टाइलिश देवदत्त पडिक्कल को मौका दिया जाएगा जिन्होंने अभी तक दो टेस्ट मैच खेले हैं। इन दोनों खिलाड़ियों की खेल की शैली में ज्यादा अंतर नहीं है लेकिन इस मैच में इनमें से जो भी खिलाड़ी खेलेगा, टीम प्रबंधन उसे लंबी अवधि तक मौका देने पर विचार कर सकता है। इस मैच में रवींद्र जडेजा को आराम दिया गया है, लेकिन यह एक सच्चाई है कि भारतीय चयनकर्ता और टीम प्रबंधन राजकोट के इस ऑलराउंडर के बिना भी टीम को तैयार करने के लिए अन्य विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इसका एक प्रमुख कारण जडेजा का गेंदबाजी में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाना रहा है। जडेजा की सबसे बड़ी खूबी विदेशी परिस्थितियों में टेस्ट मैच में उनकी बल्लेबाजी है, जो अभी भी बेहतरीन है और इसलिए उनके पास अभी कुछ समय है।

# सूर्यकुमार की जगह श्रेयस अय्यर को मिल सकती है टी20 टीम की कमान

एजेंसी

मुंबई। भारतीय चयन समिति शनिवार को यहां जब ब्रिटेन के दौरे और एशियाई खेलों के लिए टीम को अंतिम रूप देने के लिए बैठक करेगी तो श्रेयस अय्यर को सूर्यकुमार यादव की जगह टी20 टीम की कप्तानी मिलना तय है। भारत के ब्रिटेन के दौरे में 26 और 28 जून को बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे। इसके बाद भारत इंग्लैंड के खिलाफ एक जुलाई से शुरू होने वाले पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे मैच खेलेगा। एशियाई खेल सितंबर-अक्टूबर में आइची-नागोया में होंगे और निर्धारित समय सीमा को देखते हुए टीम की घोषणा समय से पहले की जा रही है। ऐसी संभावना है कि मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज तिलक वर्मा नए उप-कप्तान होंगे, जबकि 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को पहली बार सीनियर टीम में शामिल किया जाएगा। सूर्यकुमार को न केवल इस साल की शुरुआत में टी20

विश्व कप जीतने के बावजूद कप्तान पद से हटाया जा रहा है, बल्कि पिछले 18 महीनों में उनके खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें टीम में जगह मिलने की उम्मीद नहीं है। 31 वर्षीय अय्यर टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा नहीं थे। उन्हें बल्लेबाजी क्रम में सूर्यकुमार की जगह चौथे नंबर पर उतारा जा सकता है। अय्यर को आईपीएल में एक कप्तान और बल्लेबाज के रूप में शानदार प्रदर्शन करने का इनाम मिल रहा है। उनकी कप्तानी में तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी (दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स) आईपीएल फाइनल पहुंची और उन्होंने एक बार ट्रॉफी जीती है। इसके अलावा कप्तान रहते हुए उनकी बल्लेबाजी फॉर्म में कोई गिरावट नहीं आई है। उनकी एकमात्र कमी इस साल आईपीएल के दूसरे भाग में पंजाब किंग्स के खराब प्रदर्शन में देखने को मिली है, जबकि शुरुआत में उन्होंने काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। चयन समिति ब्रिटेन दौरे और सितंबर-अक्टूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए दो अलग-अलग टीमों की घोषणा करेगी। एशियाई खेलों के लिए तिलक वर्मा को कप्तान बनाया जा सकता है और सूर्यवंशी के भी उस टी20 टीम का हिस्सा होने की संभावना है। कुछ नए नाम इस दौड़ में शामिल हो सकते हैं, जिनमें तेज गेंदबाज प्रिंस यादव और बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे भी शामिल हैं। चयनकर्ता मोहम्मद शमी को टीम से बाहर करने पर अडिग हैं, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि इंडियन प्रीमियर लीग में 28 विकेट लेने वाले भुवनेश्वर कुमार को 36 साल की उम्र में टीम में वापस बुलाया जाता है या नहीं।

## संक्षिप्त समाचार

### प्रज्ञाननंदा ने गुकेश को हराकर खिताब की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए

**ओस्लो।** भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने हमवतन डी गुकेश पर क्लासिकल बाजी में शानदार जीत हासिल करके नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के खिताब की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। प्रज्ञाननंदा इस जीत के बाद शीर्ष पर काबिज अमेरिका के वेस्ली सो से सिर्फ आधा अंक पीछे रह गए हैं, जिससे यहां अंतिम दौर में रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है। प्रज्ञाननंदा ने काले मोहरों से खेलने के बावजूद विश्व चैंपियन गुकेश को क्लासिकल बाजी में हराकर पूरे तीन अंक हासिल किये। इससे वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने की दौड़ में शामिल हो गए हैं। नौवें दौर के बाद प्रज्ञाननंदा 15 अंकों के साथ अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो (15.5) से ठीक पीछे दूसरे स्थान पर हैं। फ्रांस के अलीरेज़ा फ़िरोजा भी 14.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहकर खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। इस तरह से अंतिम दौर में तीन खिलाड़ियों के पास खिताब जीतने का मौका है। महत्वपूर्ण बात यह है कि जो भी खिलाड़ी खिताब जीतेगा, वह पहली बार नॉर्वे शतरंज चैंपियन बनेगा। प्रज्ञाननंदा निर्णायक अंतिम दौर में जर्मनी के विंसेंट कीमर का सामना करेंगे जबकि वेस्ली सो का मुकाबला अलीरेज़ा से होगा। वेस्ली सो ने आर्मागेडन टाई-ब्रेक में मैग्नस कार्लसन को हराया। इस तरह से विश्व के नंबर एक खिलाड़ी का खराब प्रदर्शन जारी रहा। महिला वर्ग में मौजूदा विश्व ब्लिट्ज़ चैंपियन बिबिसारा असाउबायेवा ने एक राउंड शेष रहते हुए खिताब अपने नाम कर लिया, जबकि वह यूक्रेन की अन्ना मुज़िचुक से आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हार गई थी। उनके 16.5 अंक हो गए हैं। झू जिनेर ने काले मोहरों से खेलते हुए दिव्या देशमुख को हराया और तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। इससे वह दूसरे स्थान पर पहुंच गईं। कोनेरू हम्पी को महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन से आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हार मिली।

### रोम डायमंड लीग में आठवें स्थान पर रहे सचिन

**रोम।** भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव डायमंड लीग में पदार्पण करते हुए अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए और आठवें स्थान पर रहे, जबकि श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरागे ने अपने करियर में पहली बार 90 मीटर का प्रतिष्ठित आंकड़ा पार करते हुए खिताब जीता। 26 वर्षीय यादव केवल 79.18 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो ही कर सके, जो उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 86.27 मीटर से काफी कम था। उन्होंने अपना यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले साल तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में किया था जहां वह चौथे स्थान पर रहे थे। उनका इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 81.95 मीटर है। यादव ने फाउल थ्रो से शुरुआत की तथा फिर अगले चार प्रयासों में 79.18 मीटर, 77.02 मीटर, 76.62 मीटर और 75.54 मीटर थ्रो किया। पांच थ्रो के बाद वह आठवें स्थान पर रहे। पांचवें राउंड के बाद केवल शीर्ष तीन खिलाड़ी ही अपना छठा और अंतिम थ्रो कर सकते हैं। इस बीच 23 वर्षीय पथिराज ने अपने दूसरे प्रयास में 92.62 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर खिताब अपने नाम किया। ग्रेनाडा के दो बार के विश्व चैंपियन और 2024 पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता एंडरसन पीटर्स 83.91 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे जबकि अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन 83.89 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

### अंडर-18 महिला एशिया कप: शूटआउट में चीन से हारा भारत, फाइनल का सपना टूटा

**काकामिगाहारा (जापान)।** भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम का फाइनल में पहुंचने का सपना बेहद रोमांचक मुकाबले में शुक्रवार को टूट गया। महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत ने चीन को कड़ी टक्कर दी, लेकिन निर्धारित समय तक मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहने के बाद शूटआउट में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही चीन ने फाइनल में जगह बना ली। भारत की ओर से नौशीन नाज़ ने तीसरे मिनट में और किरण एक्का ने 54वें मिनट में गोल किए। चीन के लिए ली ज़ेयान ने 24वें मिनट और झांग युजेंग ने 48वें मिनट में गोल दागे। भारत ने मुकाबले की शुरुआत शानदार अंदाज में की। तीसरे ही मिनट में कप्तान स्वीटी कुजूर के बेहतरीन पास पर नौशीन नाज़ ने घेरे के अंदर से दमदार प्रहार कर गेंद को जाल में पहुंचाया और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने अवसर बनाए, लेकिन कोई और गोल नहीं हो सका। दूसरे क्वार्टर में चीन को 21वें मिनट में दंड कोना मिला, लेकिन भारतीय गोलरक्षक महक परिहार ने शानदार बचाव किया।

# साईं सुदर्शन को तीसरे नंबर पर पर्याप्त मौके दिए जाएंगे: गंभीर

एजेंसी

मुल्लांपुर। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि साई सुदर्शन को टेस्ट क्रिकेट में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के पर्याप्त मौके दिए जाएंगे क्योंकि बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के छह मैच में निराशाजनक प्रदर्शन से उनकी क्षमता का आकलन नहीं किया जा सकता है। सुदर्शन ने अब तक खेले गए छह टेस्ट मैचों में 27.45 के औसत से कुल 302 रन बनाए हैं, लेकिन मुख्य कोच ने कहा कि उन्हें देवदत्त पडिक्कल पर तरजीह दी जाएगी, जो इस स्थान के लिए एक अन्य दावेदार हैं। पडिक्कल ने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2024 में टेस्ट मैच के बाद से लंबी अवधि के प्रारूप में भारत का प्रतिनिधित्व नहीं किया है। गंभीर ने कहा कि सुदर्शन को इंग्लैंड में तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों में खेलना पड़ा और इसे देखते हुए उन्हें बाहर करना अनुचित होगा। गंभीर ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच

से पहले पत्रकारों से कहा, ''सच कहूं तो साई को उचित मौका नहीं मिला है। उन्होंने बहुत कम टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत इंग्लैंड में की। हम सभी जानते हैं कि इंग्लैंड में खेलना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, ''आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा है (722 रन) और हम उन्हें उचित मौका देंगे। मुझे अब भी लगता है कि उन्हें पर्याप्त मौके नहीं मिले हैं। इसका मतलब है कि पडिक्कल को इंतजार करना होगा क्योंकि फिटनेस संबंधी कोई समस्या न होने पर सुदर्शन कम से कम अगले 10 टेस्ट मैच खेलेंगे। गंभीर से पूछा गया कि क्या पडिक्कल के टीम में जगह बनाने की कोई संभावना है, उन्होंने कहा, ''आप केवल 11 खिलाड़ियों का चयन कर सकते हैं। कभी-कभी आपको (देवदत्त) मौके के लिए इंतजार करना पड़ता है। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज ने कहा कि मजबूत टीम बनाने के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को लंबा मौका देना जरूरी है। उन्होंने कहा, ''साईं खराब फॉर्म में नहीं हैं। उन्होंने आईपीएल में 700 से अधिक रन बनाए हैं। अगर हम साईं का आकलन चार पांच मैचों के आधार पर करेंगे तो फिर कोई ठोस राय नहीं बना पाएंगे। गंभीर ने कहा, ''जब भी पडिक्कल का समय आएगा, हम उन्हें भी उचित मौका देंगे। यह किसी एक को पांच टेस्ट मैच और दूसरे को एक टेस्ट मैच में उतारने की बात नहीं है। अगर हम किसी एक को पर्याप्त मौका देते हैं, तो जब भी दूसरे को मौका मिलेगा हम उसे भी पर्याप्त मौके देंगे। लेकिन अभी मुझे लगता है कि हमें साई को उचित मौका देना चाहिए क्योंकि वह भी विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं। गंभीर ने इस बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी कि मानव सुथार और हर्ष दुबे में से किसे शनिवार को टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिलेगा। लेकिन यह स्पष्ट है कि जिसे भी मौका मिलेगा वह श्रीलंका के दौरे में रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और वाशिंगटन सुंदर के साथ चौथा स्पिनर होगा। उन्होंने कहा, ''मानव और हर्ष कुछ हद तक एक जैसे खिलाड़ी हैं, लेकिन उनके गेंद फेंकने के तरीके में कुछ अंतर भी हैं। इस मैच से हमें अपना चौथा स्पिनर तैयार करने में मदद मिलेगी क्योंकि हम श्रीलंका में चार स्पिनर लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा, ''इसलिए यह किसी ऐसे खिलाड़ी को आजमाने का एक आदर्श अवसर है जो लंबे समय तक चौथे स्पिनर के रूप में भी काम आ सकता है। टेस्ट उप-कप्तान के पद से ऋषभ पंत को हटाए जाने के संदर्भ में गंभीर ने कहा कि इस बल्लेबाज को उनका समर्थन हासिल है, लेकिन उन्हें खेल की स्थिति को बेहतर ढंग से समझने की जरूरत है।

### रोहित को 2027 वनडे विश्व कप के लिए खुद को साबित करना होगा: करीम

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर और चयनकर्ता सबा करीम का कहना है कि विराट कोहली ने अपनी फिटनेस और रनों की भूख से अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप से पहले चयनकर्ताओं को पूरी तरह से आश्वस्त कर दिया है लेकिन रोहित शर्मा को आईसीसी के इस टूर्नामेंट से पहले अपनी फिटनेस और फॉर्म को साबित करना होगा।

कोहली और रोहित दोनों अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं और माना जा रहा है कि विश्व कप 2027 के बाद वह इस प्रारूप को भी अलविदा कह देंगे। करीम ने कहा, ''मेरा मानना है कि रोहित को बहुत मेहनत करनी होगी। उन्हें अपनी फिटनेस और बल्लेबाजी पर काफी ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि चयनकर्ता अगले छह महीनों में रोहित के प्रदर्शन पर करीबी नजर रखेंगे ताकि यह तय कर सकें कि उन्हें टीम में शामिल किया जा सकता है या नहीं।

# आइवरी कोस्ट ने अभ्यास मैच में फ्रांस को हराया, इराक ने स्पेन को ड्रॉ पर रोका

एजेंसी

नांटेस (फ्रांस)। गुएला डूए ने एक गोल किया और निर्णायक गोल करने में मदद की जिससे आइवरी कोस्ट ने विश्व कप फुटबॉल के अभ्यास मैच में फ्रांस को 2-1 से हरा दिया। गुएला डूए ने अपने इस प्रदर्शन से न सिर्फ आइवरी कोस्ट की अच्छी तैयारी का सबूत पेश किया बल्कि फ्रांस और उसके डगआउट में मौजूद अपने भाई डेसिरे डूए को भी चौंका दिया। जब मैच ड्रॉ की तरफ बढ़ रहा था तब अमाद डियालो ने गुएला डूए के दाहिनी ओर से दिए गए निचले क्रॉस को गोल में तब्दील कर दिया। पहले हाफ के आखिरी मिनट में रायन चेरकी ने दो डिफेंडरों और गोलकीपर याहिया फोफाना को छकाते हुए गोल करके फ्रांस को बढ़त दिलाई थी। आइवरी कोस्ट की तरफ से गुएला डूए ने बराबरी का गोल किया। फ्रांस विश्व कप के लिए अमेरिका रवाना होने से पहले

सोमवार को लिले में उत्तरी आयरलैंड के खिलाफ एक और अभ्यास मैच खेलेगा। वह विश्व कप में 16 जून को न्यू जर्सी में सेनेगल के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगा। आइवरी कोस्ट और इक्वाडोर के बीच पहला मैच 14 जून को फिलाडेल्फिया में खेला जाएगा। विश्व कप के एक अन्य दावेदार स्पेन को भी अभ्यास मैच में चौंकाने वाले परिणाम का सामना करना पड़ा। उसे ला कोरुना में खेड़े गए मैच में इराक ने 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया। फॉरवर्ड लामिन यामल और निको विलियम्स के बिना खेल रहे स्पेन ने फ़ेरान टोरेस के गोल की बदौलत 16वें मिनट में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। इराक की तरफ से मैच समाप्त होने से आधा घंटा पहले मेर्चस डोस्की ने बराबरी का गोल किया। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यामल 15 जून को अटलांटा में टीम के विश्व कप के पहले मैच में केप वर्डे का सामना करने के लिए फिट हो जाएंगे।

# ब्याज दर स्थिर रहने से आवास मांग को मिलेगा समर्थन किफायती मकान के लिए मदद की जरूरत: उद्योग

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के नीतिगत दर रेपो को बरकरार रखने से रियल एस्टेट क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी, उपभोक्ता विश्वास मजबूत होगा और आवासीय मांग को समर्थन मिलेगा। रियल एस्टेट उद्योग और विशेषज्ञों ने शुक्रवार को यह कहा। हालांकि उनका यह भी कहना है कि किफायती आवास क्षेत्र में मांग और आपूर्ति के बीच अंतर को कम करने के लिए आगे भी सरकार और नीतिगत स्तर पर सहयोग की जरूरत होगी। आरबीआई ने वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितता के बीच महंगाई बढ़ने के जोखिम को देखते हुए शुक्रवार को नीतिगत दर रेपो को उम्मीद के मुताबिक 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। रियल एस्टेट कंपनियों का निकाय क्रेडाई (कन्फ़ेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया) के अध्यक्ष शेखर जी पटेल ने कहा, ''आरबीआई ने रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर बनाए रखने का फैसला सोच-समझकर लिया है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब दुनिया भर में आर्थिक चुनौतियां बनी हुई हैं३। ऐसे माहौल में आरबीआई का यह फैसला रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए अच्छा संकेत है और इससे बाजार में स्थिरता बनी रहने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, ''ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं होने से आवास ऋण लेने वालों को राहत मिलेगी और उनकी ईएमआई पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा३। साथ ही आरबीआई का यह फैसला विकास को गति देने और महंगाई को नियंत्रण में रखने के बीच संतुलन बनाने की कोशिश को भी दर्शाता है। पटेल ने कहा, ''हालांकि किफायती आवास क्षेत्र में मांग और आपूर्ति के बीच जो अंतर है, उसे कम करने के लिए आगे भी सरकार और नीतिगत स्तर पर सहयोग की जरूरत होगी। नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नारेडको) के अध्यक्ष प्रवीण जैन ने कहा कि आरबीआई का रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखने का निर्णय अर्थव्यवस्था और रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए सकारात्मक है।

# हरदीप पुरी ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति से बातचीत की, रणनीतिक ऊर्ज़ा साझेदारी को दोहराया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी एलोइना रोड्रिग्ज गोमेज के साथ बातचीत की। इस दौरान पुरी ने वैश्विक तेल बाजार को प्रभावित करने वाली मौजूदा भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच दक्षिण अमेरिकी देश के साथ ऊर्ज़ा सहयोग को मज़बूत करने के भारत के संकल्प को दोहराया। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी एलोइना रोड्रिगेज गोमेज से 4 जून को नई दिल्ली में मुलाकात की थी। इस बैठक में पेट्रोलियम मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख तेल कंपनियों के चेयरमैन शामिल हुए। दोनों पक्षों ने तेल और गैस क्षेत्र में व्यापार, निवेश और सहयोग को शामिल करते हुए एक दीर्घकालिक और मजबूत ऊर्ज़ा

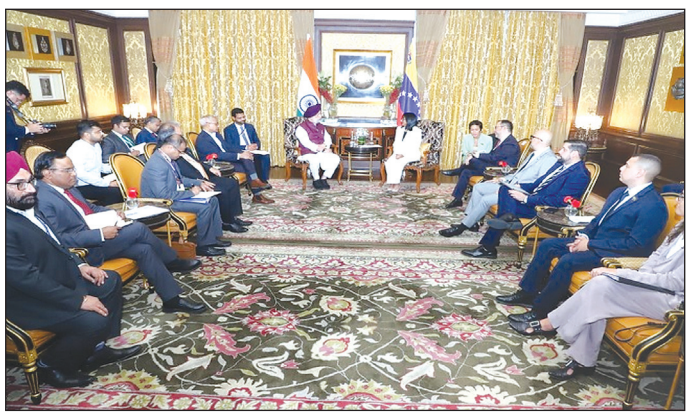

साझेदारी बनाने के अवसरों पर चर्चा की। बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत और वेनेजुएला के बीच एक स्वाभाविक साझेदारी है, जिसकी जड़ें दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही मित्रता में निहित हैं। उन्होंने वेनेजुएला में ऊर्ज़ा क्षेत्र के पुनर्निर्माण के प्रति भारत के मजबूत समर्थन को दोहराते हुए कहा कि भारतीय कंपनियां वहां अपनी भागीदारी और उपस्थिति बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। भारत की ऊर्ज़ा विविधीकरण रणनीति में वेनेजुएला की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए उन्होंने वेनेजुएला के साथ ऊर्ज़ा व्यापार को और मजबूत करने की भारत की इच्छा व्यक्त की। भारत को वेनेजुएला का विश्वसनीय सहयोगी बताते हुए कार्यवाहक राष्ट्रपति ने भारतीय कंपनियों को वेनेजुएला के तेल और गैस क्षेत्र में सुधार के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने ऊर्ज़ा क्षेत्र में भारत और वेनेजुएला के बीच मौजूद पूरकताओं पर प्रकाश डाला और सहयोग बढ़ाने के अवसरों का पता लगाने के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल को वेनेजुएला आने का निमंत्रण भी दिया। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच अप्रैल और मई के दौरान वेनेजुएला, भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति करने वाले शीर्ष देशों में रहा है, जो भविष्य की संभावनाओं को दर्शाता है। वेनेजुएला से भारत का औसत मासिक आयात वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 64.027 टन मीट्रिक टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2026-27 के अप्रैल-मई में 1,047.148 टन मीट्रिक टन हो गया।

# सर्राफा बाजार में सोने के भाव में मामूली गिरावट चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में आज शुरुआती कारोबार के दौरान ये चमकीली धातु 100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ती हो गई है। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत में शुरुआती कारोबार के दौरान 200 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 210 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,56,100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,57,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर

कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,43,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,56,250 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,57,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

# ‘अराजकता में अवसर खोजने की सियासत नहीं चलेगी‘

## मोदी ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया

एजेंसी

हजीरा (गुजरात)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुजरात दौरे पर ‘आत्मनिर्भर भारत‘ अभियान के तहत चल रही विकास परियोजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने सूरत के हजीरा के अलावा अंतरराज्यीय रोड नेटवर्क का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ लोग देश में निराशा का माहौल बनाने में लगे हैं। पीएम मोदी ने विपक्षी राजनीतिक दलों को आड़े हाथों लिया और बिना किसी का नाम लिए कहा कि ये लोग निराशा का माहौल बनाने के अलावा आत्मनिर्भर भारत अभियान का मजाक भी बनाते हैं। उन्होंने कांग्रेस या राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा, कुछ लोग भारत को नीचा दिखाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली सफलता का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विदेश यात्रा के दौरान भी उन्हें बंगाल के जनादेश का जिक्र सुनने को मिला। हाल ही में कर्नाटक में बदले मुख्यमंत्री का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस राज्य में भी कांग्रेस को लेकर जनता में भारी आक्रोश है।

पीएम मोदी ने भाजपा को मिलने वाली राजनीतिक सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि देश अराजकता, अनिश्चितता और निराशा को पसंद नहीं करता। कांग्रेस पिछले 12 वर्षों से अराजकता और अनिश्चितता फैला कर अपने लिए अवसर तलाश रही है, लेकिन देश की जनता बार-बार करारा जवाब दे रही है। आप लोगों ने तो कांग्रेस को हाशिए पर धकेल दिया है। जहां कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां की जनता कांग्रेस के कुशासन से तंग आ चुकी है।

हिमाचल में हुए निकाय चुनाव का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, वहां की जनता ने भी कांग्रेस के कुशासन को नकार दिया। पिछले साल हरियाणा और पंजाब की जनता ने भी कांग्रेस को स्पष्ट संदेश दिया है। जनता ने साफ कर दिया है कि कांग्रेस की अराजकता में अवसर खोजने की राजनीति नहीं चलेगी।

# अन्नामलाई ने दिया इस्तीफा, भाजपा आलाकमान ने किया स्वीकार

एजेंसी

नयी दिल्ली/चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने पिछले कई दिनों से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। शुक्रवार को पार्टी आलाकमान ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। इसके साथ ही पार्टी से उनका छह साल पुराना नाता खत्म हो गया है।

दो दिन पहले श्री अन्नामलाई ने नयी दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात कर अपना इस्तीफा सौंपा था। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से राष्ट्रीय नेतृत्व उन्हें लगातार दरकिनार कर रहा था। उन्होंने विस्तृत पत्र भी सौंपा। इसमें उन्होंने पार्टी छोड़ने के कारणों और हालिया विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार की वजहों, गठबंधन की रणनीति और अन्य कारकों का उल्लेख किया है। इन कारणों से पार्टी का वोट शेयर 2024 के लोकसभा चुनावों में हासिल किये गये 11.1 प्रतिशत (जब पहली बार पार्टी ने दहाई का आंकड़ा छुआ था) से नीचे गिर गया। इसके बाद, उन्होंने भाजपा के चुनावी रणनीतिकार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की और विस्तार से अपनी बात रखी। साथ ही उन्होंने यह साफ कर दिया कि वह पार्टी छोड़ने के अपने फैसले पर अडिग हैं। राष्ट्रीय नेतृत्व के उन्हें मनाने के प्रयास रंग नहीं लाये और आखिरकार भाजपा ने शुक्रवार को उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। भाजपा के संक्षिप्त बयान में कहा गया है, ''भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई का पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।'' अब जबकि पूर्व आईपीएस अधिकारी औपचारिक रूप से भाजपा से बाहर हो चुके हैं, उम्मीद है कि जल्द ही अपने अगले राजनीतिक कदम की रूपरेखा साझा करेंगे। इस बातचीत पर उनके समर्थकों की पैनी नजर रहेगी, जो उनसे राज्य का नेतृत्व करने के लिए आगे आने का आह्वान कर रहे हैं। उनके समर्थकों ने उनके गृहनगर कोयंबटूर और चेन्नई में उनके समर्थन में पोस्टर भी लगाये हैं, जिनमें उन्हें ‘अगली ताकत‘ के रूप में पेश किया गया है। अभी यह साफ नहीं है कि वह किसी नये राजनीतिक दल की घोषणा करेंगे या इस दिशा में कदम उठाने के रूप में किसी आंदोलन की शुरुआत करेंगे। श्री अन्नामलाई 2020 में भाजपा में शामिल हुए थे और उन्हें तमिलनाडु इकाई का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। इसके बाद 2021 में उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया और वह 2025 तक इस पद पर रहे। फिर कथित तौर पर अन्नाद्रमुक के इशारे पर उन्हें अचानक पद से हटा दिया गया। बाद में अन्नाद्रमुक के साथ भाजपा ने चुनावी गठबंधन भी किया था। श्री अन्नामलाई की जगह अन्नाद्रमुक के पूर्व मंत्री नैनार नागेंद्रन को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था।उनके कार्यकाल के दौरान, राज्य और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर भाजपा की मौजूदगी काफी मजबूत और मुखर होकर सामने आयी थी। करूर जिले की अरवाकुरिची सीट से 2021 का विधानसभा चुनाव हारने के बाद उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी का नेतृत्व किया। हालांकि, इन चुनावों में भी उन्हें कोयंबटूर संसदीय सीट से हार का सामना करना पड़ा।

## भारत ने गिलगित–बाल्टिस्तान विधानसभा के लिए आम चुनाव कराने पर कड़ा विरोध जताया

**नयी दिल्ली।** भारत ने पाकिस्तान के अनधिकृत कब्जे वाले भारतीय क्षेत्रों में तथाकथित ''गिलगित–बाल्टिस्तान विधानसभा'' के लिए ''आम चुनाव'' कराने की पाकिस्तान की योजना का कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए कहा है कि ''गिलगित–बाल्टिस्तान'' भारत का अभिन्न अंग है और पाकिस्तान को इसे खाली करना होगा। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि 1947 में जम्मू–कश्मीर के भारत में पूर्ण, कानूनी और अपरिवर्तनीय विलय के परिणामस्वरूप ''गिलगित–बाल्टिस्तान'' सहित जम्मू–कश्मीर तथा लद्दाख के पूरे केंद्र शासित प्रदेश भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं। भारत ने जोर देकर कहा है कि पाकिस्तान के ऐसे प्रयास मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन, राजनीतिक दमन, आर्थिक शोषण और पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जा किए गए क्षेत्रों में स्वतंत्रता से इनकार करने के अंतर्निहित मुद्दों को छुपा नहीं सकते हैं। वक्तव्य में कहा गया है कि पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों में भौतिक परिवर्तन लाने के पाकिस्तान के किसी भी प्रयास को भारत स्पष्ट रूप से खारिज करता है और ऐसी कार्रवाई इस तथ्य को छिपा नहीं सकती है कि पाकिस्तान ने अवैध रूप से भारतीय क्षेत्रों पर कब्जा किया हुआ है जिसे उसे खाली करना होगा। रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान ने आगामी रविवार को गिलगित बाल्टिस्तान में ‘विधानसभा चुनाव‘ कराने की घोषणा की है।

## अमेरिका ने इस वर्ष 1076 भारतीय नागरिकों को निर्वासित किया

नयी दिल्ली। अमेरिका में वीजा नियमों में बदलाव और पिछले कुछ समय से अवैध प्रवासियों के प्रति अमेरिका की नीति में सख्ती के बाद से भारतीय नागरिकों को वहां से निरंतर निर्वासित किया जा रहा है और इस वर्ष अब तक 1076 भारतीय नागरिकों को भारत वापस भेजा जा चुका है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां मीडिया ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में कहा कि इस वर्ष अब तक अमेरिका से 1076 भारतीय नागरिक वापस भेजे जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष अमेरिका ने 3567 भारतीय नागरिकों को वापस भेजा था। प्रवक्ता ने कहा कि दोनों देशों के बीच प्रवासियों और लोगों के आवागमन को लेकर बातचीत चल रही है। इसमें इस बात पर ज़ोर दिया जा रहा है कि अवैध प्रवास पर कैसे रोक लगाई जाए जिससे कि कानूनी रूप से रहने वाले प्रवासियों पर अनुचित प्रभाव न पड़े। हालांकि प्रवक्ता ने बोस्टन में रहने वाले तथा सोशल मीडिया पर ‘कॉकरोच जनता पार्टी‘ बनाने की घोषणा करने वाले भारतीय नागरिक अभिजीत दीपके के वीजा और उन्हें वहां से वापस भेजे जाने के बारे में पूछे गये सवाल को टालते हुए कहा कि उनके पास इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है।

## असम मंत्रिमंडल का हुआ विस्तार, 12 विधायकों को ने ली मंत्री पद की शपथ

गुवाहाटी। लंबे समय से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए असम मंत्रिमंडल का शुक्रवार को विस्तार किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व वाली सरकार में 12 एनडीए विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इस विस्तार के साथ 19 सदस्यीय प्रस्तावित मंत्रिमंडल में अब तक 17 पदों को भर दिया गया है।

नवनियुक्त मंत्रियों में 11 विधायक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से हैं, जबकि एक विधायक सहयोगी दल असम गण परिषद (अगप) से हैं। ज्योति-बिष्णु अंतरराष्ट्रीय कला मंदिर में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने सभी मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले मंत्रियों में डॉ. रणोज पेगू, अश्विनी राय सरकार, विश्वजीत दैमारी, पीयूष हजारिका, अशोक सिंघल, कृष्णेंदु पाल, नीलिमा देवी, जयंत मल्ल बरुवा, कौशिक राय, बिमल बोरा, सुशांत बरगोहाईं और केशव महंत शामिल हैं। इनमें केशव महंत एकमात्र अगप विधायक हैं।

# अगले सात दिनों में देश के दक्षिणी एवं पूर्वोत्तर हिस्सों में भारी से भारी बारिश के अनुमान : मौसम विभाग

एजेंसी

नयी दिल्ली। मौसम विभाग ने शुक्रवार को अनुमान जताया कि अगले सात दिनों में देश के दक्षिणी और पूर्वोत्तर हिस्सों में भारी से भारी बारिश (सात से 20 सेमी) हो सकती है।

विभाग के विस्तृत बुलेटिन के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून अपनी सामान्य गति से आगे बढ़ते हुए आज अरब सागर के मध्य हिस्सों, गोवा, कर्नाटक और तमिलनाडु के कुछ और इलाकों के साथ-साथ दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में प्रवेश कर गया है। अगले दो से तीन दिनों के भीतर इसके महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और उत्तर-पूर्वी राज्यों के शेष हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल बनी हुई हैं। बुलेटिन में विभाग ने बताया कि अगले सात दिनों के दौरान केरल, माहे और कर्नाटक में छिटपुट स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश (7 से 20 सेंटीमीटर) होने का अनुमान है। विशेष रूप से केरल और माहे में छह और सात जून को अत्यधिक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इसके अतिरिक्त असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, कोंकण, गोवा और मध्य महाराष्ट्र में भी अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश का दौर जारी रहेगा। दूसरी ओर, उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के राज्यों में आंधी-तूफान और ओलावृष्टि का संकट मंडरा रहा है। आज हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश और मध्य महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में ओले गिरने की आशंका है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, और पूर्वी व पश्चिमी राजस्थान में 50 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने का अनुमान है। राजस्थान के क्षेत्रों में धूलभरी आंधी चलने की भी चेतावनी है। देश की राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में भी अगले दो दिनों तक बादल छाए रहने और 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने के अनुमान है, जिससे तापमान में गिरावट आएगी। यहां सात जून से मौसम धीरे-धीरे साफ होने लगेगा और आठ जून को आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। इस मौसमी बदलाव के बीच देश के कुछ हिस्सों में भीषण गर्मी का प्रकोप भी बना रहेगा। पिछले 24 घंटों में देश का सबसे अधिक तापमान महाराष्ट्र के ब्रह्मपुरी में 44.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तटीय आंध्र प्रदेश और यानम में पांच और छह जून को तीव्र लू चलने की आशंका है, जबकि पश्चिमी राजस्थान में आठ जून से 11 जून के बीच तथा पूर्वी व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नौ से 11 जून के बीच एक बार फिर भीषण लू चलने की चेतावनी दी गई है। इसके साथ ही ओडिशा में पांच से नौ जून के बीच उमस भरी गर्मी का दौर जारी रहेगा। खराब मौसम और समुद्र में उठने वाली तेज लहरों को देखते हुए मौसम विभाग ने मछुआरों को विशेष हिदायत दी है। मछुआरों को पांच से 10 जून के बीच बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में न जाने की सख्त सलाह दी गई है।

# ‘एक पेड़ मां के नाम’ राष्ट्रीय जनआंदोलन बना : जेपी नड्डा

एजेंसी

शिलांग। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को मेघालय की राजधानी शिलांग में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ पौधरोपण कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किये गये ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान अब एक राष्ट्रीय जनआंदोलन का रूप ले चुका है। पौधरोपण के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि 5 जून, 2024 को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी और सामूहिक जिम्मेदारी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि यह पहल लोगों को प्रकृति के संरक्षण और हरित भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरित कर रही है। उन्होंने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देशभर में लाखों भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ता इस अभियान के तहत पौधरोपण कर रहे हैं। नड्डा ने कहा कि यह कार्यक्रम माताओं के निस्वार्थ प्रेम, स्नेह, त्याग और समर्पण के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए समर्पित है। प्रकृति और मां के बीच समानता का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिस प्रकार एक मां जीवनभर अपने बच्चों का पालन-पोषण और संरक्षण करती है, उसी प्रकार प्रकृति भी मानवता का पोषण और संरक्षण करती है। इसलिए पर्यावरण की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व है। नड्डा ने कहा कि वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के कल्याण के लिए पर्यावरण संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अभियान की शुरुआत के बाद से इसका दायरा लगातार बढ़ता गया है। वर्ष 2024 में आरंभ हुआ यह अभियान 2025 में व्यापक रूप से विस्तारित हुआ और 2026 में एक अखिल भारतीय जनआंदोलन का स्वरूप ग्रहण कर चुका है। उन्होंने कहा कि आज देशभर में करोड़ों भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक पौधरोपण तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भागीदारी निभा रहे हैं।

## जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन को लेकर दिल्ली पुलिस अलर्ट पर, खुफिया एजेंसियां रख रही हैं नजर

नयी दिल्ली। सोशल मीडिया पर लोकप्रिय संगठन कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के आह्वान को लेकर खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के बाद, दिल्ली पुलिस को शनिवार, 6 जून को होने वाले इस संभावित प्रदर्शन के मद्देनजर अलर्ट पर रखा गया है। सूत्रों के अनुसार, खुफिया इनपुट ने इस संभावित जमावड़े को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं, हालांकि दिल्ली पुलिस को अब तक इसके लिए कोई औपचारिक अनुमति का आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। अधिकारियों ने कहा कि उनके पास इस विरोध प्रदर्शन को लेकर कोई आधिकारिक सूचना नहीं है और इस चरण में उपलब्ध जानकारी केवल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से ही सामने आ रही है। आमतौर पर, प्रशासन बिना पूर्व अनुमति के किसी भी प्रदर्शन की इजाजत नहीं देता है। इस बीच, अभिषेक दीपके नामक व्यक्ति ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए अमेरिका से भारत के लिए रवाना हो चुके हैं। इसके बाद के एक अपडेट में उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका समूह कोई भी प्रदर्शन करने से पहले पुलिस से बकायदा अनुमति मांगेगा।

# पेज एक का शेष

### प्रकृति को नुकसान...

पाएगी। जल जीवन मिशन के तहत हर घर में जल व सबमर्सिबल की व्यवस्था हो गई है, लेकिन पहले कुआं खोदना पवित्र कार्य माना जाता था। दस कुओं के बराबर एक बावड़ी, दस बावड़ी के बराबर एक तालाब, दस तालाब के बराबर एक पुत्र और दस पुत्रों के बराबर एक वृक्ष होता है यानी वृक्ष का महत्व सर्वाधिक है। आज सरकारी व निजी नर्सरी में 55 करोड़ पौधे तैयार हैं। आज प्रदेश भर में ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान के तहत पांच करोड़ पौधे लग रहे हैं। अब जुलाई में महाभियान चलाएंगे और एक दिन में नागरिकों के साथ मिलकर 35 करोड़ पौधे लगाएंगे। योगी ने तालों के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि हमने गोरखपुर में 1400 एकड़ में फैले रामगढ़ताल व 400-500 एकड़ में फैले चिलुआताल को संरक्षित किया है। ये नेचुरल वाटर बॉडी है। मुख्यमंत्री ने उन ग्राम प्रधानों की भी सराहना की, जिन्होंने ग्राम पंचायत में वेटलैंड या रामसर साइट्स के रूप में इसे आगे बढ़ाने में योगदान दिया है या उनके चिह्नीकरण व नोटिफिकेशन से जुड़े हैं। मुख्यमंत्री ने श्रावस्ती की ऐतिहासिक व पौराणिकता पर बल दिया और बताया कि पहले इसकी उपेक्षा होती थी लेकिन आज वहां केन नाला को बॉयोडायवर्सिटी हेरिटेज साइट के रूप में अधिसूचित किया गया है। उप्र में नौ वर्ष में 242 करोड़ पौधे लगाए गए। समारोह में वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, वन राज्यमंत्री केपी मलिक, प्रमुख सचिव (वन) वी हेकाली झिमोमी, उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष आरपी सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षक व विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) अनुराधा वेमुरी आदि की मौजूदगी रही।

### आरबीआई ने रेपो ...

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने यहां केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद जारी बयान में इन उपायों की घोषणा की। उन्होंने बताया कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) मजबूत बना हुआ है जो दिखाता है कि वैश्विक निवेशकों की भारत में रुचि बनी हुई है। अप्रैल 2026 में भी एफडीआई प्रवाह उत्साहजनक रहा। हालांकि, वित्त वर्ष 2026-27 में 02 जून तक देश में शुद्ध एफपीआई में 13.7 अरब डॉलर की निकासी दर्ज की गयी है, जो मुख्य रूप से इक्विटी खंड में रही। इस निकासी को रोकने तथा नया निवेश आकर्षित करने के लिए उन्होंने पांच उपायों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पूर्ण सुलभ मार्ग (एफएआर) से निवेश योग्य प्रतिभूतियों का दायरा बढ़ाया जायेगा। इसमें 15, 30 और 40 वर्ष की अवधि वाली सभी नयी सरकारी प्रतिभूतियों को शामिल किया जायेगा। अबतक इसमें सिर्फ 10 साल की अवधि वाली सरकारी प्रतिभूतियों को शामिल किया गया था। इसके अतिरिक्त, सामान्य मार्ग के तहत एफपीआई निवेश पर लागू अल्पकालिक निवेश, निवेश में विविधता के अभाव और व्यक्तिगत प्रतिभूतियों से संबंधित सीमाओं को हटाया जायेगा। उन्होंने कहा कि ये उपाय तथा सरकार द्वारा आज सुबह घोषित कर लाभ सरकारी उधारी के लिए विदेशी पूंजी आकर्षित करने में सहायक होंगे। दूसरे उपाय के तहत बिना सेबी के पास पंजीकरण के शेयर बाजार में कारोबार किये जाने वाले इक्विटी साधनों में एनआरआई और ओसीआई निवेश की सीमाएं बढ़ायी जायेंगी। यही सुविधा विदेश में रहने वाले सभी व्यक्तिगत निवेशकों को भी प्रदान की जायेगी। तीसरे उपाय के तहत सार्वजनिक उपक्रमों को विदेशों से उधारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा। इसके लिए 30 सितंबर 2026 तक रियायती विदेशी मुद्रा स्वैप सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। चौथा उपाय बैंकों को हेजिंग सुविधा देने से संबंधित है। इसमें प्रवासी भारतीयों से एफसीएनआर (बी) खातों में तीन से पांच साल की नयी जमा राशि जुटाने के लिए अधिकृत डीलर बैंकों को पूर्ण हेजिंग लागत प्रदान की जायेगी। यह सुविधा भी 30 सितंबर 2026 तक के लिए है। पांचवें उपाय के तहत निर्यात आय की प्राप्ति की समय-सीमा को पुनः घटाकर नौ महीने किया जायेगा। श्री मल्होत्रा ने कहा कि इन उपायों से देश के भुगतान संतुलन को मजबूत मिलने की उम्मीद है।

### एआई क्रांति के...

निर्णय लेने और डिजिटल उचित प्रक्रिया से संबंधित प्रश्नों का सामना करना शुरू कर रही हैं। निजी निगमों के पास ऐसी तकनीकी क्षमताएं हैं जो संप्रभु राज्यों की सूचनात्मक पहुंच के बराबर हैं और कुछ मामलों में उससे भी अधिक हैं। उन्होंने कहा, ़हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि बुद्धिमान मशीनों के युग में भी, मानवता अपने शासन के सिद्धांतों की रचना का अधिकार बरकरार रखे। यदि अंतरराष्ट्रीय कानून इस चुनौती का सामना करने में सक्षम हो जाता है, तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल एक तकनीकी क्रांति नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक सभ्यता की नींव रखने वाले मूल्यों को पुनः स्थापित करने का अवसर बन सकती है। छह दिवसीय ब्रिटेन यात्रा पर गए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता न्याय प्रशासन को मजबूत करने के अभूतपूर्व अवसर प्रस्तुत करती है और विभिन्न न्यायक्षेत्रों में, अदालतें कानूनी अनुसंधान, मामलों के प्रबंधन, अनुवाद सेवाओं, कार्यवाही के प्रतिलेखन, दस्तावेज वर्गीकरण और न्यायिक मिसालों की पहचान में सहायता के लिए एआई-संचालित उपकरणों का तेजी से लाभ उठा रही हैं। उन्होंने कहा, ़जब इन तकनीकों को जिम्मेदारी से और उचित मानवीय पर्यवेक्षण के तहत तैनात किया जाता है तो ये देरी को कम करने, दक्षता में सुधार करने, कानूनी जानकारी तक पहुंच बढ़ाने और न्यायाधीशों और न्यायालय प्रशासकों को न्याय निर्णय के अधिक सूक्ष्म और स्वाभाविक रूप से मानवीय पहलुओं पर अपना ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाने में मदद कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए, कृत्रिम बुद्धिमत्ता को केवल कानूनी जटिलता के स्रोत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे समय पर, सुलभ और प्रभावी न्याय के संवैधानिक वादे को आगे बढ़ाने के एक शक्तिशाली साधन के रूप में भी देखा जाना चाहिए। इस महत्वपूर्ण वार्ता के आयोजन के लिए बर्कबेक कॉलेज को धन्यवाद देते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि गहन तकनीकी परिवर्तन के क्षणों में, अदालतों, विश्वविद्यालयों, सरकारों और नागरिक संस्थाओं के बीच संवाद अपरिहार्य हो जाता है।

### जेईई एडवांस्ड...

हुआ था। संस्थान ने कहा कि इस घटना का परीक्षा के नतीजों पर कोई असर नहीं हुआ, जिसमें छात्रों के अंक, रैंक और कैटेगरी शामिल हैं। संस्थान ने कहा कि वह जेईई (एडवांस्ड) और संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण (जोसा) की काउंसिलिंग प्रक्रियाओं की निष्पक्षता, सुरक्षा और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। संस्थान ने कहा, ‘इस तकनीकी घटना को गलत तरीके से पेश करने और परीक्षा प्रणाली में जनता के भरोसे को कम करने की जानबूझकर की गई कोशिशें चिंताजनक हैं और इन्हें हतोत्साहित किया जाना चाहिए।‘ छात्रों की मदद के लिए किए बदलावसंस्थान के अनुसार, दो जून को पोर्टल पर कुछ तकनीकी बदलाव किए गए थे। ऐसा उन अभ्यर्थियों की मदद के लिए किया गया, जिन्हें एडमिट कार्ड का डाटा देखने में दिक्कत हो रही थी। संस्थान का कहना है कि यह बदलाव पंजीकरण की प्रक्रिया को सुचारु रूप से जारी रखने के लिए किए गए थे। हैकर की बताई खामियां तुरंत दूर कींसंस्थान ने बताया कि तकनीकी बदलाव के दौरान क्लाउड स्टोरेज के एक हिस्से में बहुत कम समय के लिए मामूली गलत कॉन्फिगरेशन हो गया था। इसकी पहचान एथिकल हैकर राइलन अनिल ने की और जानकारी दी कि वह संबंधि डाटाबेस तक पहुंच सकते हैं।। संस्थान के अनुसार, राइलन अनिल की दी जानकारी के आधार पर तकनीकी गड़बड़ी को तत्काल दूर कर डाटा तक पहुंच को सीमित किया गया।

### पश्चिमी दबाव से ...

होंगे। भारत पर रूस के साथ अपने संबंध सीमित करने का दबाव बनाने को लेकर पश्चिमी देशों की तीखी आलोचना करते हुए पुतिन ने कहा कि मॉस्को को इसका कोई नकारात्मक प्रभाव दिखाई नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की रणनीतियां अंततः उलटा असर डालेंगी। उन्होंने कहा, ''सभी को समझ आ गया है कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर दबाव डालना अंतरराष्ट्रीय संबंधों और द्विपक्षीय संबंधों के लिए हानिकारक है। यह दबाव कहीं से भी आए, इससे फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने भारत को रूस का ‘भरोसेमंद‘ रणनीतिक साझेदार बताते हुए कहा, ''हमें इसका कोई नकारात्मक परिणाम नहीं दिखा।‘ रूसी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब कुछ पश्चिमी देशों में भारत-रूस संबंधों को लेकर असहजता बढ़ी है। अमेरिका लगातार भारत से रूसी कच्चे तेल की खरीद कम करने का आग्रह करता रहा है। पुतिन ने जोर देकर कहा कि भारत आगे भी अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ भारत के राजनयिक संबंध रूस के साथ उसके रणनीतिक रिश्तों में कोई बाधा नहीं डालते। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत और अमेरिका के बढ़ते संबंधों से रूस के लिए किसी तरह की असहजता की स्थिति पैदा होती है, पुतिन ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि यह कोई समस्या है। हमें खुशी है कि भारत उन सभी देशों के साथ अपने संबंध विकसित कर रहा है। वह एक महान देश है, एक बड़ा लोकतंत्र है, सबसे बड़ा लोकतंत्र है, स्वाभाविक है कि वह अपने हितों के अनुरूप उन देशों के साथ अपनी अर्थव्यवस्था का विकास करेगा जिनके साथ उसे ऐसा करना जरूरी लगता है। पुतिन ने कहा कि रूस, भारत को एक ''भरोसेमंद साझेदार'' मानता है और नयी दिल्ली के किसी अन्य देश के साथ संबंधों का उसे कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं दिखता। रूसी राष्ट्रपति ने पिछले वर्ष दिसंबर में भारत की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी वार्ता के बाद दोनों देशों ने कई महत्वपूर्ण पहलों की घोषणा की थी। इनमें मजबूत आर्थिक साझेदारी विकसित करने और भारत की व्यापार घाटे संबंधी चिंताओं के समाधान के लिए पांच वर्षीय रूपरेखा भी शामिल थी। मोदी और पुतिन के बीच हुई शिखर वार्ता का मुख्य केंद्र पारंपरिक क्षेत्रों जैसे तेल और रक्षा से आगे बढ़कर आर्थिक सहयोग का विस्तार करना था। दोनों पक्षों ने आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए मजबूत प्रतिबद्धता दिखाई। शिखर सम्मेलन के बाद दोनों नेताओं ने आठ दशक से अधिक पुरानी भारत-रूस मित्रता को नयी गति देने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि भारत-रूस की मित्रता ''ध्रुव तारे'' की तरह अटल और स्थिर बनी हुई है। पुतिन सितंबर में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए एक बार फिर भारत आने वाले हैं। यूक्रेन संघर्ष से जुड़े एक सवाल पर पुतिन ने कहा कि वह इस विवाद का समाधान चाहते हैं और अब मुख्य चुनौती कीव को इसके लिए मनाना है। उन्होंने यह विचार भी खारिज कर दिया कि यूरोपीय संघ के देश यूक्रेन के साथ शांति वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि यूरोपीय संघ हथियारों की आपूर्ति करने के बजाय यदि कीव को समझौते के लिए राजी करे तो वह संघर्ष के समाधान में अधिक मददगार हो सकता है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन संकट एक ''स्थानीय'' मुद्दा है, जबकि ईरान का मुद्दा वैश्विक है। पुतिन ने कहा, ''रूस उन पर कैसे भरोसा कर सकता है जो वर्षों से रूस को रणनीतिक रूप से पराजित करने की बात करते आ रहे हैं? उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव कम करने में मददगार किसी भी निर्णय का रूस समर्थन करने के लिए तैयार है। उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की वैधता पर भी सवाल उठाया और कहा कि उनका राष्ट्रपति पद का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। पुतिन ने कहा, ''वे चुनाव कराएंगे या नहीं? हमें ये सवाल पूछने चाहिए।'

### भारत और चीन के ‘नाजुक...

साझेदारियां स्वाभाविक रूप से विकसित हुई हैं और दोनों संबंध एक-दूसरे से पूरी तरह अलग हैं। उन्होंने इन संबंधों को स्वाभाविक रूप से विकसित बताया और कहा कि भारत के साथ रूस की बढ़ती निकटता चीन की कीमत पर नहीं है, ठीक उसी तरह जैसे चीन के साथ रूस का गहरा गठजोड़ भारत के साथ उसके संबंधों को प्रभावित नहीं करता। पुतिन ने रूस-भारत-चीन त्रिपक्षीय ढांचे की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''मैंने एक समय सुझाव दिया था कि भारत और चीन के नेता रूस में मिलें और इसी तरह रूस-भारत-चीन ढांचे की स्थापना हुई। हमारे पास बात करने और सहमति बनाने के लिए कई मुद्दे थे। रूस के राष्ट्रपति ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंधों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''हम भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा से जुड़े मुद्दों की जटिलताओं से अच्छी तरह अवगत हैं। पुतिन ने साथ ही कहा कि वह नहीं मानते कि पाकिस्तान चीन के नियंत्रण में है। उन्होंने कहा, ''मुझे ऐसा नहीं लगता। उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान एक बड़ा देश है, जिसके विभिन्न देशों के साथ बहुआयामी संबंध हैं। उन्होंने चीन-पाकिस्तान मित्रता के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''बेशक, पाकिस्तान के लिए चीन के साथ सहयोग को ध्यान में रखना बहुत महत्वपूर्ण है। पुतिन ने भारत के साथ रूस के रक्षा और सैन्य संबंधों का भी उल्लेख किया तथा ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों के संयुक्त विकास और संयुक्त उत्पादन का हवाला दिया। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि रूस ने भारत को पांचवीं पीढ़ी के सुखोई-57 लड़ाकू विमान के निर्माण पर संयुक्त रूप से काम करने का प्रस्ताव दिया है। भारत पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों की एक खेप खरीदने की प्रक्रिया में है। पुतिन ने कहा, ''हमने अपने भारतीय मित्रों को प्रौद्योगिकी.. पांचवीं पीढ़ी की प्रौद्योगिकी पर मिलकर काम करने का प्रस्ताव दिया है हम भारत को लड़ाकू विमान उपलब्ध कराने के लिए इस क्षेत्र में उसके साथ काम करने को तैयार हैं। रूस के राष्ट्रपति ने कहा कि उनका देश भारत को प्रमुख रक्षा मंचों और हथियारों के लिए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराने को तैयार है।

### भारत के साथ...

मुनाफा कमा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी आरोप लगाया कि भारत सालों से अमेरिकी नीतियों का फायदा उठा रहा था और भारी-भरकम टैरिफ वसूल रहा था। उन्होंने कहा, ''वे हमारी कंपनियों से भारी मात्रा में टैरिफ वसूलते थे और हम उनसे कुछ भी नहीं लेते थे। श्री ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने नयी दिल्ली में एक अंतरिम द्विपक्षीय समझौते पर चार दिनों तक चली बातचीत को गुरुवार को पूरा किया है। भारत के वाणिज्य मंत्रालय ने इस वार्ता के बारे में कहा कि व्यापार वार्ता सहयोग और व्यावहारिकता की भावना से भरी रही। दोनों पक्षों ने एक ऐसे पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते पर पहुंचने की प्रतिबद्धता दोहरायी, जो द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक संबंधों को मजबूत करे।

# पतंजलि अनुसंधान संस्थान व गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के बीच अनुबंध

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान को एक मंच पर लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पतंजलि अनुसंधान संस्थान और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साझेदारी का उद्देश्य आयुर्वेद, जैव-चिकित्सा अनुसंधान, शिक्षा व नवाचार के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने इंडोनेशिया से अपने संदेश में कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा केवल सांस्कृतिक धरोहर नहीं, बल्कि मानव कल्याण का वैज्ञानिक आधार भी है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद और सनातन ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप प्रमाणित कर वैश्विक समाज तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार का समन्वय समाज और राष्ट्र के लिए स्थायी समाधान विकसित करता है। यह सहयोग युवा वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के वैज्ञानिक अध्ययन तथा वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान की दिशा में प्रेरित करेगा। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राणा प्रताप सिंह ने कहा कि यह समझौता विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों संस्थानों की संयुक्त विशेषज्ञता से उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा, जिसका लाभ समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचेगा। पतंजलि अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने बताया कि संस्थान का लक्ष्य आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा से जुड़े ज्ञान को आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि संयुक्त शोध परियोजनाएं, शोधार्थी आदान-प्रदान, वैज्ञानिक प्रकाशन और अनुसंधान प्रशिक्षण कार्यक्रम इस सहयोग की प्रमुख विशेषताएं होंगी।

# दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर तरनजीत सिंह संधू ने श्री आनंदपुर साहिब और कीरतपुर साहिब में टेका माथा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर तरनजीत सिंह संधू ने शुक्रवार को अपने पंजाब दौरे के दौरान खालसा पंथ की जन्मस्थली श्री आनंदपुर साहिब और ऐतिहासिक नगर कीरतपुर साहिब में नतमस्तक होकर गुरु घर की खुशियां प्राप्त कीं। संधू ने तख्त श्री केसगढ़ साहिब, गुरुद्वारा सीस गंज साहिब और गुरुद्वारा गुरु के महल भोरा साहिब में माथा टेका। इसके बाद उन्होंने कीरतपुर साहिब स्थित गुरुद्वारा पातालपुरी साहिब सहित अन्य ऐतिहासिक गुरुधामों के दर्शन भी किए।

तख्त श्री केसगढ़ साहिब के सूचना कार्यालय में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य भाई अमरजीत सिंह चावला और अन्य नेताओं द्वारा लेफ्टिनेंट गवर्नर तरनजीत सिंह संधू का सम्मान किया गया। पत्रकारों से बातचीत करते हुए संधू ने कहा कि वह खुद को बहुत भाग्यशाली समझते हैं कि उन्हें खालसा पंथ की जन्मभूमि श्री आनंदपुर साहिब और हिंद की चादर नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी से जुड़े पवित्र स्थलों के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने इसके लिए अकाल पुरख का कोटि-कोटि धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि श्री आनंदपुर साहिब और दिल्ली का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से बहुत गहरा संबंध है, जिसे और मजबूत करने की जरूरत है। संधू ने बताया कि वह दिल्ली सरकार से विचार-विमर्श कर एक विशेष योजना तैयार करने की कोशिश करेंगे, जिसके माध्यम से दिल्ली के लोगों को सिख पंथ की समृद्ध विरासत से और करीब से जोड़ा जा सके। संधू ने कहा कि ऐसी पहल से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और श्री आनंदपुर साहिब क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। इस मौके पर लेफ्टिनेंट गवर्नर ने तेजा सिंह समुद्री के जीवन और योगदान से संबंधित गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी द्वारा प्रकाशित एक पुस्तक भाई अमरजीत सिंह चावला को भेंट की।

इस दौरान तख्त श्री केसगढ़ साहिब के अतिरिक्त मैनेजर एडवोकेट हरदेव सिंह हैप्पी, सूचना अधिकारी हरप्रीत सिंह, नगर परिषद के पूर्व प्रधान जत्थेदार राम सिंह, अकाली नेता हरदेव सिंह देबी सहित कई प्रशासनिक और धार्मिक हस्तियां मौजूद थीं।

# विश्व पर्यावरण दिवस पर पहल : कॉर्बेट में प्लास्टिक बोतलों पर लगेगा प्रतिबंध

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कॉर्बेट टाइगर रिजर्व ने एक महत्वपूर्ण पहल की घोषणा की है। कॉर्बेट प्रशासन ने अगले पर्यटन सीजन से पार्क के अंदर प्लास्टिक की पानी की बोतलों के उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। इसके स्थान पर पर्यटकों को कांच की बोतलों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे प्लास्टिक प्रदूषण कम होगा और जंगल का प्राकृतिक वातावरण सुरक्षित रहेगा। इसके तहत पर्यटकों से पानी और कांच की बोतल का शुल्क प्रवेश द्वार पर लिया जाएगा, सफारी पूरी होने के बाद यदि पर्यटक बोतल को सुरक्षित अवस्था में वापस जमा कर देते हैं, तो बोतल की निर्धारित राशि उन्हें लौटा दी जाएगी, इस व्यवस्था से न केवल कांच की बोतलों का पुनः उपयोग संभव होगा, बल्कि पर्यटक भी बोतलों को सुरक्षित रखने के लिए प्रोत्साहित होंगे। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. साकेत बडोला ने बताया कि कॉर्बेट प्रशासन लंबे समय से पार्क क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए प्रयासरत है। वर्तमान में कॉर्बेट के अधिकांश पर्यटन जोन प्लास्टिक मुक्त हो चुके हैं, और इस दिशा में विभाग को काफी सफलता मिली है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्यटन के दौरान पर्यटकों को स्वच्छ पेयजल की आवश्यकता होती है, जिसके लिए वे आमतौर पर प्लास्टिक की बोतलों का उपयोग करते हैं। हालांकि इन बोतलों को पार्क से बाहर लाने और उनके उचित निस्तारण की व्यवस्था है, फिर भी प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाया है।

# पेड़ों की देखभाल, संरक्षण के लिए जनभागीदारी आवश्यक: भूपेन्द्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने शुक्रवार को कहा कि भावी पीढ़ियों के हित में पेड़ों की देखभाल और संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास एवं जनभागीदारी आवश्यक है। भूपेन्द्र यादव और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज संयुक्त रूप से दिल्ली के मैदनगढ़ी स्थित नमो ऑक्सीजन पार्क में एक कार्यक्रम में 18 नमो ऑक्सीजन पार्कों का उद्घाटन किया। इस दौरान दोनों ने राष्ट्रव्यापी अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत कई पर्यावरण संबंधी पहलों की शुरुआत की। इन पहलों का उद्देश्य राजधानी को और हरियाली करना, वायु गुणवत्ता में सुधार लाना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ह्लइस अभियान ने वृक्षारोपण को कृतज्ञता, जिम्मेदारी और पर्यावरण चेतना पर आधारित एक जन आंदोलन में बदल दिया है। उन्होंने नागरिकों से न केवल पेड़ लगाने बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए उनकी देखभाल और संरक्षण करने का भी आग्रह किया। मंत्री ने उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश के रूप में उभरा है और उसने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। इनमें सौर ऊर्जा क्षमता वृद्धि में विश्व के अग्रणी देशों में से एक बनना, पीएम सूर्य घर योजना का कार्यान्वयन, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की स्थापना, अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) का शुभारंभ, रामसर आर्द्रभूमि स्थलों का विस्तार और जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के तहत निर्धारित समय से पहले कई राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) लक्ष्यों को प्राप्त करना शामिल है। उन्होंने बताया कि दिल्ली की हवा को शुद्ध बनाने की दिशा में दिल्ली सरकार की ओर से उठाए गए कदमों में ऑनलाइन सतत उत्सर्जन निगरानी प्रणाली (ओसीईएमएस) की स्थापना, वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों (एपीसीडी) की तैनाती, सड़कों की मशीनीकृत गहन सफाई और इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर तेजी से बदलाव शामिल हैं। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए हरियाली बढ़ाना सबसे महत्वपूर्ण उपायों में से एक है। उन्होंने घोषणा की कि दिल्ली सरकार ने चालू वर्ष में पूरे शहर में 15 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है। इस कार्यक्रम में दिल्ली सरकार की ओर से तैयार की गई तीन महत्वपूर्ण पर्यावरण संबंधी प्रकाशनों का विमोचन हुआ। इनमें एनसीटी दिल्ली के लिए कार्य योजना, असोला भट्टी अभयारण्य प्रबंधन योजना और दिल्ली बर्ड एटलस को वैज्ञानिक पर्यावरण शासन को मजबूत करना शामिल है। समारोह के दौरान सभी गणमान्य व्यक्तियों ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया। इसके साथ ही 'धूल-मुक्त दिल्ली' अभियान के अंतर्गत स्थानीय घासों और झाड़ियों की किस्मों की एक विशेष प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया।

# सीवर लाइन कार्य के दौरान दीवार गिरी, मजदूर की मौत

नई दिल्ली। लोधी कॉलोनी में गुरुवार रात सीवर पाइपलाइन बिछाने के दौरान एक दीवार भरभराकर गिर गई, जिससे तीन मजदूर मलबे में दब गए। हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। वहीं ग्रेटर कैलाश-1 स्थित टाटा कम्युनिकेशंस के कार्यालय में देर रात आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग बुझाने के दौरान दो दमकलकर्मी भी झुलस गए। जानकारी के अनुसार, रात करीब 1:18 बजे लोधी होटल के निकट सीवर पाइपलाइन का कार्य चल रहा था। इसी दौरान एक बाउंड्री वॉल अचानक ढह गई और वहां काम कर रहे तीन मजदूर मलबे के नीचे दब गए। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दो मजदूरों को बाहर निकाल लिया और उन्हें तत्काल एम्स ट्रॉमा सेंटर भेजा। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तीसरे मजदूर को मलबे से बाहर निकाला। घायलों की पहचान 48 वर्षीय राजेश और 20 वर्षीय उमर के रूप में हुई है। दोनों का एम्स ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है।

## एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण और जागरूकता रैली

कटिहार। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कटिहार के विकास भवन परिसर में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण, पर्यावरण शपथ और एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य आम लोगों को जलवायु परिवर्तन, वृक्षारोपण और स्वच्छ एवं हरित वातावरण के निर्माण के प्रति जागरूक करना था। यह कार्यक्रम 'प्रकृति से प्रेरित जलवायु के लिए - हमारे भविष्य के लिए' विषय पर आधारित था। इसका संयुक्त आयोजन जिला गंगा समिति, जिला प्रशासन, मेरा युवा भारत, वन विभाग, जिला जल एवं स्वच्छता समिति और नगर निगम के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कटिहार की महापौर उषा देवी अग्रवाल तथा प्रभारी जिलाधिकारी-सह-अपर समाहर्ता डॉ. विनोद कुमार उपस्थित रहे।

# विश्व पर्यावरण दिवस पर रेड क्रॉस ने किया वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुपौल। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, सुपौल शाखा की ओर से शुक्रवार को सदर अस्पताल परिसर स्थित पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रति लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रेड क्रॉस के चेयरमैन डॉ. कन्हैया प्रसाद सिंह ने कहा कि बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग और विभिन्न प्रकार के प्रदूषण के कारण जलवायु परिवर्तन का खतरा लगातार बढ़ रहा है। इसका प्रतिकूल प्रभाव मानव जीवन के साथ-साथ पशु-पक्षियों और अन्य जीव-जंतुओं पर भी पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वायु, जल, मिट्टी एवं ध्वनि प्रदूषण से पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ रहा है, जिससे प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति और गंभीरता में वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपायों में से एक है। प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। असमय बाढ़, भूकंप और सुनामी जैसी घटनाएं मानव समाज के लिए चेतावनी हैं, जिन्हें गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। रेड क्रॉस के सचिव राम कुमार चौधरी ने कहा कि संस्था केवल आपदा एवं संकट के समय पीड़ित मानवता की सेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण जैसे सामाजिक दायित्वों के प्रति भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने लोगों से पर्यावरण बचाने के अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। वृक्षारोपण कार्यक्रम में रेड क्रॉस के वाइस चेयरमैन सुब्रत मुखर्जी, कोषाध्यक्ष अभय तिवारी, पूर्व सचिव अमरेंद्र कुमार अमर, गोविंद पासवान, खुर्शीद आलम, दयानंद ठाकुर, दीपिका चंद्रा, बालकृष्ण चौधरी, डॉ. संजीव गुप्ता, अमरनाथ साह, मोहित झा समेत कई सदस्य एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# पाकिस्तानी हवाला नेटवर्क में हरिद्वार से एक और शिक्षिका गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। पाकिस्तान से जुड़े संदिग्ध हवाला नेटवर्क और करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेनदेन मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हरिद्वार की एक और महिला शिक्षक को गिरफ्तार किया है। पुलिस उसे ट्रांजिट रिमांड पर जम्मू-कश्मीर ले गई है। जानकारी के अनुसार जम्मू पुलिस ने पाकिस्तान से जुड़े संदिग्ध हवाला नेटवर्क और करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेनदेन मामले में शिक्षिका सोनम को गिरफ्तार किया गया था। सोनम से पूछताछ के दौरान शिक्षिका सोनम की सहेली पूजा का नाम सामने आया था। इसके बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से पूजा की गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू कर दी थी। पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद गुरुवार को जम्मू कश्मीर पुलिस ने पूजा के घर पर छापा मारकर उसे भी गिरफ्तार कर लिया। रुड़की क्षेत्र की रहने वाली पूजा को गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर जम्मू-कश्मीर ले गई है। हरिद्वार के एसपी देहात शेखर चंद सुयाल ने बताया कि पूजा एमएससी की छात्रा है और एक कॉलेज में पढ़ाती है। पढ़ाई और नौकरी के दौरान उसकी दोस्ती सोनम से हुई थी। जांच में सामने आया है कि दोनों युवतियां जम्मू-कश्मीर के ऐसे युवकों के संपर्क में थीं, जिनके तार पाकिस्तान से जुड़े होने की आशंका है। पुलिस जांच के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर के कुछ युवक दोनों के खातों में धनराशि भेजते थे। इसके बाद यह रकम अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर की जाती थी। इस पूरे नेटवर्क में कमीशन के बदले बैंकिंग चैनलों का इस्तेमाल कर संदिग्ध ट्रांजेक्शन किए जा रहे थे। मामले की शुरुआत कठुआ जिले में राहुल खान नामक युवक की गिरफ्तारी से हुई थी। पूछताछ में राहुल ने सोनम का नाम बताया था।

# न्यायमूर्ति मीनाक्षी मदन राय ने पटना उच्च न्यायालय की 48वीं मुख्य न्यायाधीश के रूप में ली शपथ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। न्यायमूर्ति मीनाक्षी मदन राय ने शुक्रवार को पटना उच्च न्यायालय की 48वीं मुख्य न्यायाधीश के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। बिहार लोकभवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने उन्हें शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के साथ ही उन्होंने औपचारिक रूप से मुख्य न्यायाधीश का पदभार संभाल लिया। शपथ ग्रहण समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री राम कृपाल यादव, न्यायपालिका के वरिष्ठ अधिकारी, प्रशासनिक पदाधिकारी तथा विभिन्न क्षेत्रों की अनेक गणमान्य हस्तियां उपस्थित रहीं। शपथ ग्रहण के बाद उपस्थित लोगों ने न्यायमूर्ति मीनाक्षी मदन राय को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। न्यायमूर्ति मीनाक्षी मदन राय ने न्यायमूर्ति संगम कुमार साहू के सेवानिवृत्त होने के बाद यह महत्वपूर्ण दायित्व संभाला है। न्यायमूर्ति साहू चार जून 2026 को सेवानिवृत्त हुए थे। उनके बाद न्यायमूर्ति राय ने पांच जून 2026 को पटना उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। वह पटना उच्च न्यायालय की दूसरी महिला मुख्य न्यायाधीश बनी हैं। न्यायमूर्ति मीनाक्षी मदन राय का जन्म 12 जुलाई 1964 को सिक्किम में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा गंगटोक स्थित ताशी नामग्याल अकादमी (तत्कालीन नामगचेन स्कूल) में हुई। इसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्रीराम कॉलेज से राजनीति विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उच्च शिक्षा के क्रम में उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर से वर्ष 1989 में एलएलबी की पढ़ाई पूरी की। वर्ष 1990 में वह दिल्ली बार एसोसिएशन में नामांकित हुईं और दिल्ली उच्च न्यायालय तथा उच्चतम न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में प्रैक्टिस शुरू की। इसी दौरान उन्होंने सिक्किम न्यायिक सेवा परीक्षा उत्तीर्ण की और न्यायिक सेवा में प्रवेश किया। उन्होंने प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी सहित न्यायपालिका के विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए लंबा अनुभव अर्जित किया। न्यायिक सेवा में उत्कृष्ट योगदान के आधार पर उन्हें 15 अप्रैल 2015 को सिक्किम उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया। वह सिक्किम उच्च न्यायालय में नियुक्त होने वाली पहली महिला न्यायाधीश भी रहीं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई की और न्यायिक प्रशासन में सक्रिय भूमिका निभाई।

# वैष्णो देवी से लौट रहे श्रद्धालुओं का वाहन गुरदासपुर में दुर्घटनाग्रस्त, 2 की मौत, 14 घायल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गुरदासपुर। अमृतसर-पठानकोट नेशनल हाईवे पर बटाला के नजदीक शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में माता वैष्णो देवी के दर्शन कर लौट रहे दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 14 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब श्रद्धालुओं से भरी टेंपो ट्रैवलर आगे जा रहे एक टिपर से टकरा गई।

पुलिस के अनुसार उधोवाल अड्डे के पास आगे चल रहे टिपर चालक ने अचानक वाहन को स्लिप रोड की तरफ मोड़ दिया। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही टेंपो ट्रैवलर टिपर के पिछले हिस्से से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टेंपो ट्रैवलर के परखच्चे उड़ गए और वाहन के टुकड़े करीब 50 मीटर तक सड़क पर बिखर गए। हादसे का शिकार हुए सभी यात्री मानसा जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं। ये श्रद्धालु एक टूर कंपनी के माध्यम से पहले श्रीनगर गए थे और वहां से कटरा में दो दिन बिताने के बाद रात करीब 10 बजे वापसी के लिए रवाना हुए थे। उन्हें अमृतसर के रास्ते तलवंडी साबो, बठिंडा पहुंचना था। हादसे के बाद स्थानीय लोगों, पंजाब पुलिस और स्टेट स्पेशल फोर्स की टीमों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया। टेंपो ट्रैवलर की छत उखड़ जाने के कारण कई यात्री अंदर ही फंस गए थे, जिन्हें काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। हादसे में एक पुरुष यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। घायलों को पहले सिविल अस्पताल बटाला लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल यात्रियों को गुरु नानक देव अस्पताल अमृतसर रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार एक घायल के सिर पर गहरी चोट लगी है, जबकि टेंपो ट्रैवलर चालक की हालत भी नाजुक बनी हुई है। अन्य घायलों का इलाज जारी है। एसएसएफ चौकी इंचार्ज हरदयाल जौहल ने बताया कि हादसाग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है। पुलिस ने घायलों के बयान दर्ज किए हैं और टिपर चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के सही कारणों का पता लगाया जा रहा है।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063